MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । रविवार, 29 नवंबर, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-325

यतो धर्मस्ततो जयः

दीपम प्रज्वलित, श्रद्धालु आनंदित

मदुरै, 28 नवंबर (एजेंसियां)।

तमिलनाडु के मदुरै स्थित तिरुपरंकुंद्रम पहाड़ी पर शनिवार को कार्तिगई दीपम प्रज्वलित किया गया। पहाड़ी पर बने पत्थर के स्तंभ यानी दीपथून पर दीप जलाने की रस्म शाम 5 बजे पूरी हुई। चार दिन पहले सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद यहां दीप नहीं जलाया गया था, जिसके बाद मामला और बढ़ गया था।

शनिवार को दीप जलाने के लिए केवल 50 श्रद्धालुओं को पहाड़ी पर जाने की अनुमति दी गई। सुबह से ही पहाड़ी के नीचे बड़ी संख्या में लोग जुटने लगे थे। कई श्रद्धालु अपने साथ दीप भी लेकर पहुंचे थे।

सुप्रीम कोर्ट की ओर से मंदिर का कामकाज संभालने के लिए नियुक्त मद्रास हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश एस. वैद्यनाथन और वी. पार्थिबन शनिवार को चेन्नई से मदुरै पहुंचे। दोनों न्यायाधीश पारंपरिक संगीत के साथ मिट्टी के दीप, बाती और घी लेकर पहाड़ी के नीचे पहुंचे तथा सामग्री मंदिर प्रशासन को सौंपी।

मंदिर में पूजा के बाद न्यायाधीशों ने तांबे का विशेष पात्र पुजारियों को दिया। इसे ङ्कोप्परईफ कहा जाता है। पत्थर के स्तंभ के ऊपर इस पात्र को रखने के लिए कर्मचारियों ने अस्थायी मंच और मचान तैयार किया था।

दीप जलाने के लिए करीब 30 ग्राम घी, 50 मीटर लंबी सूती कपड़े की बाती और 5 किलो कपूर की व्यवस्था की गई थी। अधिकारियों और पुजारियों से बातचीत के बाद न्यायमूर्ति वैद्यनाथन ने शाम 5 बजे दीप जलाने का समय तय किया था। मदुरै के जिला कलेक्टर निशांत कृष्ण, पुलिस अधिकारी और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के प्रतिनिधि भी मौके पर मौजूद रहे।



''यतो धर्मस्ततो जयः''
का हिंदी अर्थ है ''जहाँ धर्म है, वहीं विजय है''।
यहाँ 'धर्म' का अर्थ कर्तव्य, सत्य, न्याय और नैतिकता से है।
यह वाक्य महाभारत से लिया गया है और भारत के सर्वोच्च न्यायालय का ध्येय वाक्य भी है।

श्रद्धालु भावुक, गूंजे जयकारे

तिरुपरंकुंद्रम पहाड़ी पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद पवित्र दीपम जलाया गया। दीपक जलते ही वहां मौजूद श्रद्धालु खुशी से झूम उठे। कई श्रद्धालु भावुक भी हो गए। लोगों ने दीपम जलने पर खुशी जताई और इसे अपनी आस्था से जुड़ा विशेष पल बताया।

दीपम जलते ही वहां वेत्रीवेल, वीरवेल के जयकारे गूंजने लगे। श्रद्धालुओं ने भगवा गमछे लहराकर खुशी मनाई और दीपक जलने का जश्न मनाया। शनिवार सुबह केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की एक कंपनी ने त्वरित कार्रवाई बल (आरएएफ) के जवानों के साथ पहाड़ी की सुरक्षा संभाल ली थी। पुलिस ने पहाड़ी के नीचे और स्तंभ तक जाने वाले रास्ते पर बैरिकेडिंग की थी।

पहाड़ी पर भीड़ जुटने के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं और सुरक्षा कर्मियों के बीच प्रवेश को लेकर बहस भी हुई।

स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि मौके पर चिकित्सा दल और एंबुलेंस तैनात थीं। वीडियो में स्थानीय लोगों और हिंदू श्रद्धालुओं को सीअ-रपीएफ के जवानों तथा उनके वाहनों पर फूल बरसाते देखा गया।

दरगाह का रास्ता खुला रहा

पहाड़ी पर दीप जलाने की रस्म के दौरान पास में मौजूद हजरत सुल्तान सिकंदर बदूशा औलिया दरगाह को भी खुला रखा गया। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के तहत दरगाह के आसपास दीप जलाने के लिए 50 मीटर का दायरा तय किया गया था।

इस दौरान दरगाह में जायरीनों की आवाजाही जारी रही। लोगों ने वहां पहुंचकर इबादत की, जबकि पास की पहाड़ी पर कार्तिगई दीपम जलाने की रस्म पूरी की गई।

चेन्नई में भाजपा के प्रदेश सचिव विनोज पी. सेल्वम ने तिरुपरंकुंद्रम पहाड़ी के विवादित दीपथून जैसे स्तंभ की प्रतिकृति पर दीपक जलाया। उन्होंने पुरसैवाक्कम इलाके में यह कार्यक्रम आयोजित किया। इसे तिरुपरंकुंद्रम पहाड़ी पर कार्तिगई दीपम जलाने के समर्थन के तौर पर देखा जा रहा है।

▶8पर

सुप्रीम कोर्ट ने सीमा लाँघी : वाइको

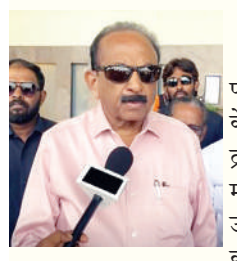

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)।

तिरुपरंकुंद्रम पहाड़ी पर स्थित दीपथून पत्थर के स्तंभ पर कार्तिगई दीपम जलाने के सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर मरुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एमडीएमके) महासचिव वाइको ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि दीपम के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने अपनी सीमा से आगे जाकर फैसला दिया है। वाइको ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने दीपम के मुद्दे पर गुरुवार को आदेश दिया। उन्होंने कहा, सुप्रीम कोर्ट ने अपनी सीमा से आगे जाकर फैसला दिया है। संविधान की बुनियाद धर्मनिरपेक्षता है। लेकिन तिरुपरंकुंद्रम में सदियों से जो परंपरा चली आ रही थी, उसे सुप्रीम कोर्ट के फैसले से प्रभावित किया गया है।

लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं

वाइको ने आरोप लगाया कि मौजूदा समय में सुप्रीम कोर्ट में हिंदुत्व की ताकतों का प्रभाव बढ़ गया है। उन्होंने कहा, आजकल सुप्रीम कोर्ट में हिंदुत्व की ताकतों ने अपने हाथ ऊपर कर लिए हैं।

आगामी संसद सत्र को लेकर भी वाइको ने अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि किसी भी स्थिति में संसद के दोनों सदनों में सदस्यों की कुल संख्या नहीं बढ़ाई जानी चाहिए। उनके मुताबिक, ऐसा करना भारत के लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं होगा।

कांग्रेस ने भी जताई चिंता

तमिलनाडु कांग्रेस ने मदुरै के तिरुपरंकुंद्रम में दीपथून पर दीप जलाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर चिंता जताई है। पार्टी ने कहा कि इस मामले में धार्मिक भावनाओं, धार्मिक सौहार्द और संविधान के संघीय ढांचे का ध्यान रखा जाना चाहिए।

तमिलनाडु कांग्रेस अध्यक्ष ने सामाजिक माध्यम ङ्कएक्सफ पर पोस्ट करते हुए कहा कि लोगों की धार्मिक मान्यताओं और पूजा के अधिकार का सम्मान करना सभी की जिम्मेदारी है।

▶8पर

जहाँ चाह वहाँ राह

शाह से मिले डीएमके सांसद खुश



नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)।

परिसीमन विधेयक को लेकर जारी राजनीतिक हलचल के बीच द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) सांसदों का प्रतिनिधिमंडल केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात करने पहुंचा। दिल्ली में हुई इस बैठक में प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व सांसद कनिमोझी करुणानिधि ने किया। इसमें ए. राजा, दयानिधि मारन और टी.आर. बालू भी शामिल रहे। गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद कनिमोझी ने परिसीमन विधेयक को लेकर पार्टी का रुख स्पष्ट करते हुए कहा कि डीएमके ने अपना रुख नहीं बदला है। पार्टी हमेशा निष्पक्ष परिसीमन की मांग करती रही है। डीएमके परिसीमन रोकने के पक्ष में नहीं है, बल्कि चाहती है कि इसके कारण तमिलनाडु को किसी प्रकार का नुकसान न हो। कनिमोझी ने बताया कि पार्टी नेता ने चेन्नई में परिसीमन को लेकर बैठक की थी। उसमें स्पष्ट रूप से कहा गया था कि तमिलनाडु की लोकसभा सीटें कम नहीं होनी चाहिए। पुराने परिसीमन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के समय तमिलनाडु की सीटें 41 से घटकर 39 हो गई थीं। डीएमके नहीं चाहती कि राज्य को दोबारा इस प्रकार का नुकसान उठाना पड़े।

उन्होंने कहा कि पार्टी की मांग में जनगणना के आधार पर सीटों का निर्धारण और लोकसभा सीटों में 50 प्रतिशत वृद्धि भी शामिल थी।

39 से 32 सीटें होने की आशंका

कनिमोझी ने कहा कि पहले लाए गए विधेयक में 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन करने का प्रस्ताव था, लेकिन लोकसभा सीटों में 50 प्रतिशत वृद्धि का प्रावधान नहीं था। ऐसे में तमिलनाडु की सीटें 39 से घटकर 32 हो सकती थीं। उन्होंने बताया कि अब केंद्र सरकार ने 1971 की जनगणना के आधार पर सीटों का निर्धारण करने पर सहमति दी है। इसके तहत तमिलनाडु को 59 लोकसभा सीटें मिलेंगी। कनिमोझी ने कहा कि वर्ष 2026 में मौजूदा व्यवस्था की अवधि पूरी होने और आवश्यक परिस्थितियों को देखते हुए डीएमके ने नए प्रस्ताव का समर्थन करने का फैसला किया है।

▶8पर

चीन में मिला 2000 टन का ख़ज़ाना

सोने पे सुहागा



नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)।

दुनिया में सोने की कीमतें लगातार चर्चा में हैं। इसी बीच चीन से सोने की विशाल खोज सामने आई है, जिसने भूवैज्ञानिकों और खनन विशेषज्ञों का ध्यान आकर्षित किया है। चीन के दो प्रांतों में जमीन के नीचे सोने के विशाल भंडार मिले हैं। दोनों भंडारों में कुल मिलाकर 2,000 मीट्रिक टन से अधिक सोना मौजूद हो सकता है।

नवंबर 2026 के अंत में सोने की कीमतों के आधार पर इनकी सैद्धांतिक बाजार कीमत करीब 300 अरब डॉलर यानी लगभग 27 लाख करोड़ रुपये बैठती है।

इनमें सबसे बड़ा भंडार लियाओनिंग प्रांत के दादोंगगौ इलाके में मिला है, जबकि दूसरा विशाल भंडार हुनान प्रांत के वांगू में मौजूद है। दिलचस्प बात यह है कि दादोंगगौ में सोने के संकेत दशकों पहले भी मिले थे, लेकिन उस समय वैज्ञानिकों और खोजकर्ताओं ने उन्हें आर्थिक रूप से उपयोगी नहीं माना था। चीन के प्राकृतिक संसाधन मंत्रालय के नवंबर 2025 के आधिकारिक अनुमान के मुताबिक, लियाओनिंग प्रांत के दादोंगगौ में 1,444 टन सोने का भंडार है। इसे 1949 के बाद चीन में खोजा गया सबसे बड़ा एकल सोने का भंडार बताया गया है। इसके अलावा हुनान प्रांत के वांगू में 1,000 टन से अधिक सोने का अनुमान लगाया गया है। वांगू में 1,000 टन का आंकड़ा अभी अनुमान पर आधारित है और इसकी पुष्टि के लिए आगे और ड्रिलिंग तथा भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की जरूरत है। नवंबर 2026 के अंत में सोने की कीमत लगभग 3,550 डॉलर प्रति ट्रॉय औंस मानें तो दादोंगगौ के सोने की सैद्धांतिक कीमत करीब 165 अरब डॉलर बैठती है। वहीं वांगू के संभावित भंडार का मूल्य लगभग 114 अरब डॉलर हो सकता है। दोनों को मिलाकर यह आंकड़ा करीब 279 अरब डॉलर यानी लगभग 300 अरब डॉलर के आसपास पहुंचता है। लेकिन यह समझना जरूरी है कि जमीन में मौजूद पूरे सोने का यह अनुमानित बाजार मूल्य है,

▶8पर

इधर लूटा सस्ता सोना

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतों में हाल में गिरावट आई है। इस गिरावट से वैश्विक अर्थव्यवस्था में दो अलग-अलग तस्वीरें सामने आई हैं। चीन ने भू-राजनीतिक तनाव और डॉलर से दूरी बनाने की रणनीति के तहत 2026 के शुरुआती 10 महीनों में ही 209 अरब डॉलर का रिकॉर्ड सोना आयात कर डाला है। यह पिछले पूरे साल के मुकाबले दोगुने से भी ज्यादा है।

वहीं, दूसरी तरफ जनवरी के शिखर से सोने की कीमतों में 30 प्रतिशत की भारी गिरावट ने भारत के 247 अरब डॉलर (23 लाख करोड़ रुपये) के गोल्ड लोन बाजार की चिंता बढ़ा दी है। गिरवी रखे सोने की कीमत घटने से बढ़ते ऋण चूक के जोखिम को देखते हुए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) की जांच तेज कर दी है।

आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी से अक्टूबर 2026 के दौरान चीन का गैर-मौद्रिक सोना आयात रिकॉर्ड 209 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। यह पूरे 2025 के 96.5 अरब डॉलर के मुकाबले दोगुने से भी ज्यादा है।

▶8पर

कार्टून कॉर्नर



मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 28^0
न्यूनतम : 16^0

महिला मोर्चा पुरुष प्रभारी!
पंजाब भाजपा की किरकिरी

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)।



पंजाब विधानसभा चुनाव 2027 से पहले भारतीय जनता पार्टी की संगठनात्मक नियुक्तियां राजनीतिक विवाद का कारण बन गई हैं। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों द्वारा विभिन्न मोर्चों के प्रभारियों की घोषणा के बाद आम आदमी पार्टी (आप) ने भाजपा को महिलाओं के प्रतिनिधित्व और सशक्तिकरण के मुद्दे पर घेर लिया है। दरअसल, भाजपा ने महिला मोर्चा का प्रदेश प्रभारी अनिल सरीन को नियुक्त किया है। इसी नियुक्ति को लेकर आप पंजाब के वरिष्ठ प्रवक्ता नील गर्ग ने भाजपा की मंशा पर सवाल खड़े किए हैं।

नील गर्ग ने सामाजिक माध्यम पर भाजपा की जारी सूची साझा करते हुए कहा कि महिला सशक्तिकरण और महिला आरक्षण की सबसे ज्यादा बात करने वाली भाजपा की असली सोच उसकी नियुक्तियों से सामने आ गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब भाजपा में महिला मोर्चा का प्रभारी भी एक पुरुष को बनाया गया है, जिससे यह सवाल उठता है कि क्या पार्टी को महिलाओं को नेतृत्व देने पर भरोसा नहीं है।

▶8पर

इतनी सीटें क्यों?

राहुल ने मंशा पर उठाये सवाल



नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को नई दिल्ली स्थित इंदिरा भवन में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर लोकसभा की सीटें 543 से बढ़ाकर 850 करने के प्रस्ताव पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण विधेयक पहले ही पारित हो चुका है और इसे मौजूदा 543 लोकसभा सीटों पर भी लागू किया जा सकता है। ऐसे में सीटों की संख्या बढ़ाकर 850 करने की जरूरत क्या है?

राहुल गांधी के मुताबिक, महिला आरक्षण को आगे रखकर परिसीमन के जरिए देश का चुनावी नक्शा बदलने की कोशिश की जा रही है।

परिसीमन विधेयक 30 नवंबर 2026 को लोकसभा में पेश किए जाने की तैयारी है। इसके लिए संसद का विशेष सत्र 30 नवंबर से 3 दिसंबर 2026 तक बुलाया गया है। विधेयक पेश होने से पहले राहुल गांधी ने इसके पीछे की मंशा पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि यह मामला केवल लोकसभा की सीटें बढ़ाने का नहीं है, बल्कि इससे देश के निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाएं और प्रतिनिधित्व प्रभावित हो सकता है।

▶8पर

जय जगन्नाथ
पुरी को वापस मिली 52.22 एकड़ ज़मीन

भुवनेश्वर, 28 नवंबर (एजेंसियां)।



ओडिशा सरकार ने पुरी जिले में भगवान जगन्नाथ की 52.22 एकड़ जमीन को वापस उनके नाम दर्ज करा दिया है। यह जमीन वर्ष 1977 में एक व्यक्ति के नाम दर्ज कर दी गई थी। लंबे समय से चल रहे इस विवाद का निपटारा न्यायिक हस्तक्षेप के बाद हुआ। राज्य के राजस्व विभाग ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। विभाग के अनुसार, पुरी तहसील के दामोदरपुर सासन मौजा में स्थित इस जमीन के स्वामित्व को लेकर श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) ने मामला उठाया था। इसमें कुल 42 भूखंड शामिल हैं।

वर्ष 1927 के बंदोबस्त रिकॉर्ड में भगवान जगन्नाथ को इस जमीन का सर्वोच्च भूस्वामी बताया गया था, जबकि एक व्यक्ति का नाम अधिकारधारी के रूप में दर्ज था। वर्ष 1977 के बंदोबस्त में पूरी 52.22 एकड़ जमीन उसी व्यक्ति के नाम दर्ज कर दी गई। मंदिर प्रशासन ने इस बदलाव पर आपत्ति जताई थी। अधिकारियों के मुताबिक, मामले में 11 से अधिक बार सुनवाई हुई।



लीबिया में यूक्रेन का हमला इटली के लिए आंखें खोलने वाला होना चाहिए : रूसी दूतावास

मास्को

लीबिया के बेनगाजी बंदरगाह पर कथित यूक्रेनी ड्रोन हमलों को लेकर रूस ने इटली को चेतावनी दी है। इटली स्थित रूसी दूतावास ने कहा है कि लीबिया में हुए हमले इटली के लिए आंखें खोलने वाले साबित होने चाहिए, क्योंकि यूक्रेनी सेना पर रूस के खिलाफ अभियान के लिए पड़ोसी देशों के इलाकों और समुद्री क्षेत्रों का इस्तेमाल करने का आरोप है। रूस ने आशंका जताई है कि यूक्रेन की गतिविधियां भविष्य में पूरे भूमध्यसागरीय क्षेत्र की सुरक्षा के लिए खतरा बन सकती हैं।

इटली में रूसी दूतावास ने बयान में कहा कि लीबिया के मिसराता इलाके में यूक्रेनी मानवरहित समुद्री जहाजों के जरिए किए गए हमलों की खबरें गंभीर चिंता पैदा करती हैं। दूतावास के मुताबिक, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि यूक्रेनी मानवरहित जहाज लीबिया के समुद्री क्षेत्र तक कैसे पहुंचे। हालांकि, इस घटना से पता चलता है कि कीव की मौजूदा सरकार क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकती है। दूतावास ने कहा कि इटली ने अपनी विदेश नीति में यूक्रेन का समर्थन करने को प्राथमिकता दी है, लेकिन अब उसे इस तरह की घटनाओं से पैदा होने वाले खतरों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। रूसी राजनयिकों ने कहा कि वे इटली की सरकार, संसद और आम जनता की उस चिंता से सहमत हैं, जिसमें पूरे भूमध्यसागरीय क्षेत्र में यूक्रेन की कथित गतिविधियों को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। दूतावास ने यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की पर वित्तीय सहायता का कथित दुरुपयोग करने और यूक्रेनी आतंकवादी नेटवर्क तैयार करने का आरोप लगाया। बयान में दावा किया गया कि इस नेटवर्क का इस्तेमाल भूमध्य सागर, अफ्रीका, मध्य पूर्व और अन्य क्षेत्रों में हमलों के लिए किया जा सकता है। रूसी दूतावास ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर भविष्य में यूक्रेनी प्रतिनिधि किसी अन्य हमले के लिए इटली की जमीन या समुद्री क्षेत्रों का इस्तेमाल करते हैं, तो इसमें आश्चर्य नहीं होना चाहिए। लीबिया में भी इस घटना को लेकर नाराजगी सामने आई है। लीबियाई राष्ट्रपति परिषद के सदस्य मोसा अल-कोनी ने बेनगाजी बंदरगाह पर हुए हमलों के लिए कीव को जिम्मेदार ठहराया और इसे अस्वीकार्य बताया। हमलों में यूक्रेन की कथित संलिप्तता की खबरों के बाद लीबिया के विदेश मंत्रालय ने यूक्रेन से आधिकारिक स्पष्टीकरण मांगा है। हालांकि, हमले में यूक्रेन की भूमिका को लेकर स्वतंत्र पुष्टि और विस्तृत आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। इस मामले में इटली के उप प्रधानमंत्री और बुनियादी ढांचा एवं परिवहन मंत्री माटेओ साल्विनी ने चिंता जताई थी। उन्होंने कहा कि लीबिया के बंदरगाह पर कथित यूक्रेनी ड्रोन हमलों से भूमध्य सागर में नौवहन की स्वतंत्रता और समुद्री सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। वहीं, इटली के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री एंटोनियो तजानी पहले ही कह चुके हैं कि यूक्रेन की ओर से लीबिया के बंदरगाह पर किए गए हमले लीबिया की संप्रभुता का उल्लंघन हैं। लीबिया के बंदरगाह पर कथित हमले को लेकर रूस, इटली और लीबिया की प्रतिक्रियाओं से भूमध्यसागरीय क्षेत्र में कूटनीतिक तनाव बढ़ता दिखाई दे रहा है।

न्यूज ब्रीफ

यमन के 4 प्रांतों में हवाई हमले, विस्फोट में घायल एक सुरक्षा अधिकारी की मौत



सना। यमन में सरकारी बलों और हौथी विद्रोहियों के बीच संघर्ष एक बार फिर तेज हो गया है। शुक्रवार को देश के चार प्रांतों में सैन्य तनाव बढ़ने की खबरें सामने आईं। यमन के सरकारी बलों ने दक्षिण-पश्चिमी प्रांत ताइज और उत्तरी प्रांत अल-जौफ़ में हौथी ठिकानों और सैन्य वाहनों को निशाना बनाया। वहीं, हौथी समूह ने सऊदी अरब पर ताइज, अल-हुदैदाह और सादा में हवाई हमले करने का आरोप लगाया है। इसी बीच, दक्षिणी प्रांत लाहज में सड़क किनारे हुए बम विस्फोट में घायल एक सुरक्षा अधिकारी की इलाज के दौरान मौत हो गई। लगातार बढ़ती सैन्य गतिविधियों ने क्षेत्र में तनाव और बढ़ा दिया है। यमन की सेना ने शुक्रवार को बयान जारी कर बताया कि उसके लड़ाकू विमानों ने दक्षिणी ताइज के अल-अकरौद मोर्चे पर स्थित माउंट धाहिह में हौथी विद्रोहियों के ठिकानों को निशाना बनाया। हालांकि, सेना ने हमले में हुए नुकसान या हताहतों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। अल-अकरौद मोर्चा रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। यह ताइज शहर के दक्षिणी प्रवेश द्वार और माउंट साबिर के नजदीक स्थित है। माउंट साबिर से शहर के बड़े हिस्से पर नजर रखी जा सकती है। वहीं, उत्तरी प्रांत अल-जौफ़ में सरकारी बलों ने ड्रोन के जरिए हौथी विद्रोहियों के सैन्य वाहनों पर हमले किए। सेना की आधिकारिक वेबसाइट सितंबर नेट ने इन हमलों के वीडियो भी जारी किए हैं। हालांकि, हमलों के परिणामों की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। अल-जौफ़ की भौगोलिक स्थिति भी सैन्य दृष्टि से महत्वपूर्ण है। इसकी सीमा सऊदी अरब से लगती है और यह हौथी नियंत्रित सादा, अमरान तथा सना प्रांतों के करीब है। इसके अलावा, यह तेल समृद्ध हधरामौत और मारिब के भी नजदीक है।

यूक्रेन युद्ध: लीक रिकार्ड से रूसी सेना के 5-7 लाख सैनिकों की मौत!



मास्को। यूक्रेन के साथ करीब चार साल से जारी युद्ध में रूस को भारी मानवीय नुकसान होने का दावा किया गया है। एक नए अनुमान के मुताबिक, युद्ध में अब तक 5-7 लाख से ज्यादा रूसी सैनिक मारे जा चुके हैं। यह चौंकाने वाला खुलासा रूस की सरकारी सांख्यिकी एजेंसी रोसस्टेट के लीक हुए रिकार्ड से हुआ है। हालांकि, मास्को ने इन दावों को सिरे से खारिज किया है। लीक हुए सरकारी दस्तावेजों में सितंबर 2026 के आखिर तक कम से कम 4.90 लाख रूसी सैनिकों की मौत आधिकारिक तौर पर दर्ज होने की बात सामने आई है। यह आंकड़ा बताता है कि रूस को युद्ध में उम्मीद से कहीं ज्यादा नुकसान हुआ है। यह खुलासा ऐसे समय हुआ है, जब रूस ने सितंबर 2022 के बाद से अपने सैनिकों की मौत का कोई नया आधिकारिक आंकड़ा जारी नहीं किया है। उस समय रूस ने युद्ध में 6,000 से कम सैनिकों के मारे जाने की बात मानी थी। रिपोर्ट के मुताबिक, नवंबर 2026 की शुरुआत में हैकर समूह साइबर पार्टिसन्स और साइलेंट क्रो ने रोसस्टेट के रिकार्ड में सेंध लगाई थी। इस हैकिंग के जरिए 1.1 करोड़ से ज्यादा नागरिक मृत्यु प्रमाणपत्रों का डेटा सामने आया, जिसमें रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान हुई मौतों से जुड़ी जानकारी भी शामिल थी।

शेख हसीना की वापसी पर गहराया सियासी संकट, सरकार प्रत्यर्पण पर अड़ी

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की स्वदेश वापसी की संभावित घोषणा ने देश के राजनीतिक गलियारों में एक नया भूचाल ला दिया है। एक ओर जहाँ हसीना ने दिसंबर माह में अपनी वापसी की इच्छा जताई है, वहीं तारिक रहमान के नेतृत्व वाली मौजूदा सरकार उनके लौटने के सख्त खिलाफ है। सरकार का स्पष्ट रुख है कि शेख हसीना की वापसी केवल प्रत्यर्पण संधि के तहत ही संभव हो सकती है, जिससे दोनों पक्षों के बीच गहरा राजनीतिक टकराव पैदा हो गया है। बांग्लादेश के विदेश राज्य मंत्री हुमायूं कबीर ने 26 नवंबर को विदेश मंत्रालय में पत्रकारों से बातचीत के दौरान शेख हसीना की वापसी की संभावना पर तंज कसते हुए कहा, दिसंबर में देश में सिर्फ सर्दी आएगी, शेख हसीना नहीं। कबीर ने दो टूक शब्दों में कहा कि यदि शेख हसीना बांग्लादेश लौटती हैं, तो उन्हें कानूनी रूप से केवल प्रत्यर्पण संधि के प्रावधानों के तहत ही वापस लाया जा सकता है। उन्होंने भारत से भी यह अनुरोध किया कि उन व्यक्तियों को सौंपा जाए, जिन पर विभिन्न अपराधों में शामिल होने के आरोप हैं, जो अप्रत्यक्ष रूप से हसीना की स्थिति की ओर इशारा करता है। शेख हसीना के प्रवक्ता के मुताबिक, पूर्व प्रधानमंत्री 16 दिसंबर को बांग्लादेश के विजय दिवस के अवसर पर स्वदेश लौटना चाहती हैं। उन्होंने अपनी वापसी के लिए सरकारी विमान की व्यवस्था करने की मांग भी की है।

नाकेबंदी के बावजूद सभी बंदरगाह चालू, अरब व हिंद महासागर में अमेरिका को रोका : ईरान

तेहरान

अमेरिका के साथ जारी सैन्य तनाव के बीच ईरान ने दावा किया है कि अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी के बावजूद उसके सभी बंदरगाह पूरी तरह से काम कर रहे हैं। ईरानी नौसेना के कमांडर रियर एडमिरल शहरम ईरानी ने कहा कि ईरानी सशस्त्र बलों ने समुद्र में दुश्मन की आगे बढ़ने की कोशिशों को नाकाम कर दिया है। उन्होंने दावा किया कि अमेरिकी सेनाओं को अरब सागर और उत्तरी हिंद महासागर में ईरान के समुद्री क्षेत्र से दूर रखा गया है।



ईरान सरकार की अंतरराष्ट्रीय समाचार नेटवर्क प्रेस टीवी तथा अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तसनीम न्यूज ने बताया कि सरकारी प्रसारक इस्लामिक रिपब्लिक आफ ईरान ब्राडकास्टिंग (आईआरआईबी) को उन्होंने कहा कि अमेरिका की कोशिशों के बावजूद ईरान की समुद्री और आर्थिक गतिविधियां जारी हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि ईरान की समुद्री जीवन-रेखा को काटना आसान नहीं होगा।

रियर एडमिरल शहरम ईरानी ने कहा कि सामान्य तौर पर युद्ध शुरू होने से पहले दुश्मन पर दबाव बनाने के लिए नौसैनिक नाकेबंदी की जाती है। लेकिन युद्ध के दौरान इसकी घोषणा करना इस बात का संकेत है कि विरोधी अपने सैन्य उद्देश्यों को हासिल करने में विफल रहा है। उन्होंने दावा किया कि दुश्मन अपने किसी भी लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाया है और क्षेत्र में उसकी सैन्य मौजूदगी पहले की तुलना में कम हुई है।

ईरानी के मुताबिक, शुरुआत में अमेरिकी सेनाओं ने ईरान के विशेष आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड), क्षेत्रीय जल और आंतरिक जल क्षेत्रों में प्रवेश करने की कोशिश की थी। उनका उद्देश्य ईरान के बंदरगाहों, समुद्री तटों और द्वीपों के करीब पहुंचना था।

हालांकि, ईरानी नौसेना और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स (आईआरजीसी) की नौसेना के बीच तालमेल ने इन कोशिशों को नाकाम कर दिया।

नौसेना कमांडर ने कहा कि अमेरिकी दबाव और आर्थिक प्रतिबंधों के बावजूद ईरान के बंदरगाहों पर कामकाज सामान्य रूप से जारी है। उन्होंने कहा, ईश्वर की कृपा से, आवाजाही जारी है और आज हमारे बंदरगाह पूरी तरह से सक्रिय हैं। उन्होंने ईरानी नाविकों, शिपिंग कर्मचारियों और तेल टैंकरों के चालक दल की सराहना करते हुए कहा कि ये लोग समुद्री गतिविधियों को जारी रखने के लिए दिन-रात काम कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ईरानी नौसेना अपने नाविकों के साथ खड़ी है और उन्हें हर संभव समर्थन दे रही है।

शहरम ने दावा किया कि अब अमेरिका को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने के लिए अनुमति मांगने की स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि ईरान के सशस्त्र बल समुद्री युद्ध क्षेत्र पर अपना नियंत्रण बनाए हुए हैं और किसी भी शत्रुतापूर्ण गतिविधि का जवाब देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने यह भी बताया कि सुप्रीम कमांडर-इन-चीफ की ओर से सशस्त्र बलों को नए निर्देश जारी किए गए हैं। इन निर्देशों के अनुसार, ईरान की सैन्य कार्रवाई अब किसी निश्चित भौगोलिक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगी। कमांडर ने चेतावनी दी कि ईरान अपनी सैन्य क्षमताओं को लगातार मजबूत करेगा और किसी भी हमले का जवाब देगा।

ईरानी नौसेना कमांडर ने दावा किया कि युद्ध के दूसरे दिन ईरानी बलों ने अमेरिकी विमानवाहक पोत अब्राहम लिंकन को निशाना बनाया था। उनके मुताबिक, इस हमले के बाद अमेरिकी पोत को घायल कर्मियों को निकालने और नुकसान की भरपाई के लिए क्षेत्रीय सहायता लेनी पड़ी। उन्होंने यह भी दावा किया कि विमानवाहक पोत के डेक से उड़ान संचालन प्रभावित हुआ था।

ईरानी ने एक अमेरिकी डिस्ट्रायर पर भी सीधे हमले का दावा किया। उनके अनुसार, हमले में जहाज को भारी नुकसान पहुंचा और उसे मुश्किल परिस्थितियों में वापस अमेरिका लौटना पड़ा। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिकी सेना ने क्षतिग्रस्त जहाजों की तस्वीरें सार्वजनिक होने से रोकने के लिए दक्षिणी हिंद महासागर से होकर वैकल्पिक समुद्री रास्ते का इस्तेमाल किया।

ईरानी नौसेना कमांडर ने बहरीन में अमेरिकी पांचवें बेड़े के सैन्य ठिकाने पर ईरान के हमले का भी जिक्र किया। उन्होंने दावा किया कि इस आपरेशन में ईरान की सेना की सभी प्रमुख शाखाओं ने हिस्सा लिया था। इनमें नौसेना, आईआरजीसी नौसेना, वायु सेना, एयरोस्पेस फोर्स और थल सेना शामिल थीं।

उनके अनुसार, हमले में अमेरिकी सैन्य ठिकाने का कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम बुरी तरह प्रभावित हुआ था। इसके बाद अमेरिकी सेनाओं को अपने कमांड ढांचे के कुछ हिस्सों को अन्य स्थानों और नौसैनिक जहाजों पर स्थानांतरित करना पड़ा। उन्होंने कहा कि अमेरिका को उम्मीद थी कि वह युद्ध क्षेत्र के करीब रहकर पूरे सैन्य अभियान का संचालन कर सकेगा, लेकिन ईरानी हमलों ने उसकी इस क्षमता को प्रभावित किया।

ईरानी कमांडर ने डेना डिस्ट्रायर पर मारे गए ईरानी नाविकों का बदला लेने का संकल्प भी दोहराया। उन्होंने आरोप लगाया कि दुश्मन ने अंतरराष्ट्रीय नियमों और समुद्री संधियों का उल्लंघन किया है। उन्होंने कहा कि ईरान अपने सैन्य और समुद्री हितों की रक्षा के लिए हर जरूरी कदम उठाएगा।

इससे पहले 27 नवंबर को नौसेना दिवस के अवसर पर ईरान के सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ प्रमुख और खतम अल-अंबिया केंद्रीय मुख्यालय के कमांडर मेजर जनरल अली अब्दुल्लाही ने नौसेना के प्रतिरोध और युद्ध की तैयारियों की सराहना की थी। उन्होंने कहा कि फारस की खाड़ी और होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक शक्तियों और इजरायल के साथ रणनीतिक टकराव का प्रमुख केंद्र बन गए हैं। उन्होंने ईरानी नौसेना और आईआरजीसी नौसेना को देश की राष्ट्रीय सुरक्षा, समुद्री सीमाओं की रक्षा और ओमान सागर में ईरान के अधिकारों को सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण बताया।

होर्मुज में दो तेल टैंकरों में धमाके, ईरानी नौसेना की चेतावनी- समुद्र में बिछी हैं बारूदी सुरंगें



तेहरान

होर्मुज जलडमरूमध्य के पास दो तेल टैंकरों में विस्फोट और आग लगने की घटना सामने आई है। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स (आईआरजीसी) नौसेना ने दावा किया कि दोनों टैंकर समुद्री प्रतिबंधों को नजरअंदाज कर अनधिकृत रास्तों से गुजरने की कोशिश कर रहे थे। इस दौरान एक टैंकर नौसैनिक बारूदी सुरंग से टकरा गया, जबकि दूसरे में भी विस्फोट के बाद आग लग गई। इस घटना के बाद ईरान ने जहाजों को समुद्री बारूदी सुरंगों के खतरे को लेकर कड़ी चेतावनी दी है।

ईरान सरकार की अंतरराष्ट्रीय समाचार नेटवर्क प्रेस टीवी तथा अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तसनीम न्यूज ने आईआरजीसी नौसेना के जनसंपर्क कार्यालय के हवाले से बताया कि, दो तेल टैंकरों ने घनम द्वीप के उत्तर में स्थित एक अनधिकृत समुद्री रास्ते से गुजरने की कोशिश की थी। ईरानी नौसेना का दावा है कि दोनों जहाजों ने अपने पोजिशनिंग और नेविगेशन सिस्टम बंद कर दिए थे, ताकि उनकी आवाजाही का पता न चल सके। इसी दौरान एक टैंकर समुद्री बारूदी सुरंग से टकराकर विस्फोट का शिकार हो गया। दूसरे टैंकर में भी विस्फोट हुआ और आग लग गई।

आईआरजीसी के एक अन्य बयान में बताया गया कि ओमान के खसाब बंदरगाह के पास एक टैंकर समुद्री सुरंग से टकराया, जबकि दूसरा होर्मुज जलडमरूमध्य के पूर्व में अनधिकृत रास्ते पर विस्फोट के बाद आग की चपेट में आ गया। हालांकि, दोनों घटनाओं में जहाजों को हुए नुकसान, चालक दल के सदस्यों की स्थिति और हताहतों के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी गई है। ईरानी नौसेना ने चेतावनी दी है कि होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले अनधिकृत समुद्री रास्तों पर कई खतरनाक नौसैनिक बारूदी सुरंगें मौजूद हैं। ऐसे रास्तों का इस्तेमाल करने वाले जहाज कभी भी विस्फोट की चपेट में आ सकते हैं। आईआरजीसी ने यह भी कहा कि अमेरिकी सेना की हवाई मदद भी ऐसे जहाजों को समुद्री बारूदी सुरंगों से सुरक्षित नहीं बचा पाएगी। नौसेना ने सभी तेल टैंकरों और अन्य जहाजों को निर्देश दिया है कि वे अपने नेविगेशन सिस्टम बंद करके छिपकर गुजरने की कोशिश न करें और ईरान की ओर से निर्धारित समुद्री नियमों का पालन करें। आईआरजीसी नौसेना ने दावा किया है कि हाल के दिनों में होर्मुज जलडमरूमध्य के अनधिकृत रास्तों का इस्तेमाल करने की कोशिश करने वाले तेल टैंकरों की संख्या में काफी कमी आई है।

अभिव्यक्ति की आजादी बनाम सख्त नियम: महिलाओं की आवाज़ पर लगाम



तेहरान। ईरान में गायिका परस्तू अहमदी को बिना हिजाब और स्लीवलेस ड्रेस में एक आनलाइन कान्सर्ट करने पर 74 कोड़ों की कठोर सजा सुनाई गई है। कोम शहर की कोर्ट ने उन्हें और उनके चार सहयोगियों को सार्वजनिक शालीनता भंग करने का दोषी पाया था और अपील अदालत ने भी इस फैसले को बरकरार रखा। इस अमानवीय सजा के साथ, परस्तू पर भविष्य में आडियो-विजुअल काम करने और विदेश यात्रा करने पर भी बैन लगा दिया गया है। ईरान में महिलाओं के सार्वजनिक पहनावे और प्रदर्शन को लेकर बेहद कड़े कानून और नियम हैं, और मानवाधिकार संगठनों ने इस सजा को महिलाओं के मौलिक अधिकारों का गंभीर हनन बताया है। यह घटना ईरान में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर सरकारी नियंत्रण की एक और भयावह मिसाल पेश करती है। इसी कड़ी में तुर्की के इस्तांबुल में माडल चिगडेम बातुर पर ब्लू मस्जिद के भीतर एक वीडियो बनाने को लेकर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप में जांच शुरू हो गई है। सोशल मीडिया पर मिली-जुली प्रतिक्रियाओं के बाद इस्तांबुल के मुख्य सरकारी वकील के दफ्तर ने उनके खिलाफ जांच शुरू कर दी है।

कराची में छह मंजिला इमारत ढही, 9 की मौत और 11 लापता, 4 आरोपित गिरफ्तार

कराची

पाकिस्तान के कराची में निर्माणाधीन छह मंजिला इमारत गिरने के हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर नौ हो गई है। बचावकर्मियों ने मलबे से एक और शव बरामद किया। मृतक की पहचान 30 वर्षीय मुहम्मद अली के रूप में हुई है। हादसे के बाद से राहत एवं बचाव अभियान लगातार जारी है। अधिकारियों के मुताबिक, अभी भी 11 लोग लापता हैं, जबकि 14 लोग घायल हुए थे।

पाकिस्तान की उर्दू टेलीविज़न चैनल दुनिया न्यूज तथा अंतरराष्ट्रीय मीडिया जिओ न्यूज के मुताबिक, यह हादसा कराची की एडमिन सोसाइटी में बलूच कालोनी के पास हुआ था। निर्माणाधीन छह मंजिला इमारत अचानक ढह गई, जिससे कई लोग मलबे में दब गए। घटना के तुरंत बाद रेस्क्यू 1122 सहित आपातकालीन बचाव दलों ने राहत अभियान शुरू किया। बचावकर्मियों ने हादसे के करीब दो दिन बाद एक मार्बल कारीगर को मलबे से जिंदा बाहर निकाला था। उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। हादसे में घायल 14 लोगों में से 13 को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई है, जबकि एक व्यक्ति अभी भी अस्पताल में भर्ती है।

बचाव दलों के सामने सबसे बड़ी चुनौती मलबे के नीचे फंसे लोगों तक पहुंचना है। अधिकारी भारी मशीनों के इस्तेमाल से बच रहे हैं और हाथों से मलबा हटाने के साथ कंक्रीट के स्लैब को सावधानीपूर्वक काट रहे हैं।



अधिकारियों का कहना है कि भारी मशीनों के इस्तेमाल से बचा हुआ ढांचा और अस्थिर हो सकता है। साथ ही मलबे में फंसे लोगों को भी नुकसान पहुंचने का खतरा है। रेस्क्यू 1122 की टीमों ने मलबे के बीच रास्ते बनाए हैं, ताकि उन हिस्सों तक पहुंचा जा सके जहां लोगों के फंसे होने की आशंका है। बचाव अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि सभी लापता लोगों का पता चलने तक अभियान जारी रहेगा। हादसे के बाद पुलिस ने इमारत गिरने के मामले में हत्या, लापरवाही और असावधानी समेत कई धाराओं के तहत केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक, मामले में 10 लोगों को नामजद किया गया है, जिनमें से चार को गिरफ्तार कर लिया गया है। प्रारंभिक जांच में निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों और भवन निर्माण नियमों के उल्लंघन की आशंका जताई गई है। प्रशासन ने मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है। इस हादसे के बाद सिंध सरकार ने प्रशासनिक स्तर पर भी बड़ी कार्रवाई की है। मुख्यमंत्री मुराद अली शाह की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री आवास पर हुई उच्चस्तरीय बैठक में घटना की समीक्षा की गई। बैठक के बाद सिंध बिल्डिंग कंट्रोल अथारिटी (एसबीसीए) के महानिदेशक वसीम शमशाद को पद से हटाने का आदेश दिया गया। उन्हें स्थानीय सरकार सचिव के पद से भी हटा दिया गया है।

बलूचिस्तान में चार पूर्व सैन्यकर्मी समेत 6 की हत्या - बीएलए ने ली जिम्मेदारी

क्वेटा

पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में हिंसा की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने दावा किया कि उसने चगाई जिले में एक खनन परियोजना से अगवा किए गए छह लोगों की हत्या कर दी है। संगठन के मुताबिक, मारे गए लोगों में पाकिस्तान सेना और रेंजर्स के चार पूर्व कर्मचारी भी शामिल हैं। हालांकि, पाकिस्तानी अधिकारियों ने अभी तक इन हत्याओं और शवों की बरामदगी को लेकर आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

बलूचिस्तान की आनलाइन समाचार नेटवर्क द बलूचिस्तान पोस्ट

ने बीएलए प्रवक्ता जियांद बलूच के हवाले से बताया कि संगठन के लड़ाकों ने 18 नवंबर को डलबंदिन के खरगोशकान इलाके में एक खनन स्थल पर कब्जा किया था। इस दौरान वहां मौजूद मशीनरी, वाहनों और उपकरणों को आग के हवाले कर दिया गया था। संगठन ने दावा किया कि खनन कंपनी के कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों समेत कुल 11 लोगों को अगवा किया गया था। इनमें से छह लोगों को मौत की सजा सुनाने के बाद मार दिया गया, जबकि पांच अन्य अब भी संगठन की हिरासत में हैं।

बीएलए के अनुसार, यह कार्रवाई उसके कथित बलूच नेशनल कोर्ट के फैसले के बाद की गई। बीएलए ने बताया कि मारे गए छह लोग अस्करी गार्ड्स प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से खनन स्थल पर हथियारबंद सुरक्षा प्रदान कर रहे थे। संगठन ने चार पूर्व सैन्य और रेंजर्स कर्मियों की पहचान भी बताई है। इनमें पंजाब के मियांवाली के सवाब जान, पेशावर के दरयाई के साहिल मुहम्मद, बलूचिस्तान के उस्ता मुहम्मद के मुबारक खान और सिंध रेंजर्स के पूर्व सदस्य अब्दुल मरजान शामिल हैं।



संगठन का आरोप है कि पूछताछ और सबूतों की जांच के बाद इन लोगों के पाकिस्तानी सेना से संबंध होने की जानकारी मिली थी। बीएलए ने दावा किया कि निजी सुरक्षा गार्ड के रूप में काम करने वाले ये लोग वास्तव में सैन्य गतिविधियों का हिस्सा थे।

पाकिस्तानी अधिकारियों ने खनन स्थल पर हुए हमले की पुष्टि की है, लेकिन अगवा किए गए लोगों को पूर्व सैन्यकर्मी बताए जाने के दावे पर कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी है। अधिकारियों की ओर से छह लोगों की हत्या या उनके शव मिलने को लेकर भी अभी तक आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

इस बीच बीएलए ने बलूचिस्तान के अलग-अलग इलाकों में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों पर कई हमलों की जिम्मेदारी भी ली है। संगठन के मुताबिक, 27 नवंबर को केच जिले के बाल निगोर इलाके में पाकिस्तानी सेना के एक काफिले को निशाना बनाया गया। इसमें सात सैनिकों के मारे जाने और सात अन्य के गंभीर रूप से घायल होने का दावा किया गया है। इसके अलावा संगठन ने मस्तुंग जिले के गारो में एक सैन्य चौकी के पास रिमोट कंट्रोल से किए गए वाहन विस्फोट और वाशुक जिले के बासिमा इलाके में पाटक के पास एक सैन्य काफिले पर घात लगाकर हमला करने की जिम्मेदारी ली है। बीएलए ने यह भी दावा किया कि दो दिन पहले खुजदार जिले के वाध इलाके के सोनारो में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों पर हमला किया गया था। हालांकि, इन हमलों में हुए नुकसान की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

इसी बीच, गुरुवार को लासबेला जिले के बेला इलाके में वालपत से मुहम्मद एहसान का शव बरामद किया गया। वह पंजाब के टोबा टेक सिंह का निवासी और अरशद का बेटा बताया गया है। सड़क जाम के दौरान कुछ हथियारबंद लोगों ने उसका अपहरण कर लिया था। हालांकि, उसकी हत्या के पीछे की वजह अभी स्पष्ट नहीं हुई है। किसी भी संगठन ने इस अपहरण या हत्या की जिम्मेदारी नहीं ली है।

बलूचिस्तान में लगातार हो रही हिंसक घटनाओं और सुरक्षा बलों पर हमलों ने क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ा दी है। चगाई में छह लोगों की कथित हत्या और विभिन्न सैन्य ठिकानों पर हमलों के दावों के बाद स्थिति और संवेदनशील हो गई है। गौरतलब है कि, बीएलए के दावों और हताहतों की संख्या की स्वतंत्र पुष्टि अभी बाकी है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपना तनाव दूर करने के लिए परिवार वालों की मदद लें। उनकी सहयता को खुले दिल से स्वीकारें। अपनी भावनाओं को दबाएँ और छुपाएँ नहीं। जो लोग आपके लिए सबसे ज़्यादा अहमियत रखते हैं, उन्हें अपनी बात समझाने में आप ख़ासी दिक्क़त महसूस करेंगे। उन सहकर्मियों का ख़ास ध्यान रखें, जो उम्मीद के मुताबिक़ चीज़ न मिलने पर जल्दी ही बुरा मान जाते हैं। आज जीवनसाथी के साथ समय बिताने के लिए आपके पास पर्याप्त समय होगा। आपके और आपके जीवन साथी के बीच विश्वास की कमी रह सकती है। जिससे आज वैवाहिक जीवन में तनाव हो सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपकी व्यक्तिगत समस्याएँ मानसिक शांति को भंग कर सकती हैं। मानसिक दबाव से बचने के लिए कुछ रोचक और अच्छा पढ़ें। घरेलू मामलों और काफ़ी समय से लंबित घर के काम-काज के हिसाब से अच्छा दिन है। अगर आप व्यवसाय में किसी नये भागीदार को जोड़ने पर विचार कर रहे हैं, तो यह ज़रूरी होगा कि उससे कोई भी वादा करने से पहले आप सभी तथ्य अच्छी तरह जाँच लें। आज आपके पास खाली समय होगा और इस समय का इस्तेमाल आप ध्यान योग करने में कर सकते हैं। आपको आज मानसिक शांति का अहसास होगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज के दिन किए गए दान-पुण्य के काम आपको मानसिक शान्ति और सुकून देंगे। घर में किसी फंक्शन के होने की वजह से आज आपको बहुत धन खर्च करना पड़ेगा जिसके कारण आपकी आर्थिक स्थिति खराब हो सकती है। दफ़्तर के कामकाज में ज़्यादा व्यस्तता के चलते अपने जीवनसाथी के साथ आपका रिश्ता तनावपूर्ण हो सकता है। आज आप नए प्रोजेक्ट को शुरू करेंग जो पूरे परिवार के लिए समृद्धि लेकर आएगा। आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप जल्द ही लम्बे समय से चली आ रही बीमारी से उबरकर पूरी तरह सेहतमंद हो सकते हैं। लेकिन ऐसे ख़ुदग़र्ज़ और गुस्सैल इंसान से बचें, जो आपको तनाव दे सकता है और आपकी परेशानियों में इज़ाफ़ा कर सकता है। आज आपको अपना धन खर्च करने की जरुरत नहीं पड़ेगी क्योंकि घर का कोई बड़ा आज आपको धन दे सकता है। प्यार, मेलजोल और आपसी जुड़ाव में इज़ाफा होगा। बहादुरी भरे क़दम और फ़ैसले आपको अनुकूल पुरुस्कार देंगे। जीवनसाथी के रिश्तेदारों का दख़ल वैवाहिक जीवन का सन्तुल बिगाड़ सकता है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपका व्यक्तित्व आज सबको आकर्षित करेगा। लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। दूर के रिश्तेदार से जिस संदेश की काफ़ी समय से उम्मीद थी, वह अच्छी ख़बर पूरी परिवार को ख़ुशियों से भर देगी। आपके साझीदार आपकी नई योजनाओं और विचारों का समर्थन करेंगे। दूसरों को राज़ी करने की आपकी प्रतिभा आपको काफ़ी फ़ायदा पहुँचाएगी। उनपर ग़ौर करें, यह बात आपको ख़ुद-ब-ख़ुद दिख जाएगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

धैर्य बनाए रखें, क्योंकि आपकी समझदारी और प्रयास आपको सफलता ज़रूर दिलाएंगे। व्यापार में आज अच्छा खास मुनाफा होने की संभावना है। आज के दिन आप अपने बिजनेस को नई ऊंचाईयां दे सकते हैं। विदेश में रह रहे किसी रिश्तेदार से मिला तोहफ़ा आपके लिए ख़ुशी लेकर आएगा। अगर आप अपने लक्ष्यों को पाने के लिए एकाग्रता सए ध्यान केंद्रित करेंगे तो आपकी उपलब्धियाँ आपकी उम्मीदों से ज़्यादा होंगी। कार्यक्षेत्र के किसी काम में खराबी की वजह से आज आप परेशान रह सकते हैं और इस बारे में सोचकर अपना कीमती वक्त बर्बाद कर सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप जल्द ही लम्बे समय से चली आ रही बीमारी से उबरकर पूरी तरह सेहतमंद हो सकते हैं। लेकिन ऐसे ख़ुदग़र्ज़ और गुस्सैल इंसान से बचें, जो आपको तनाव दे सकता है और आपकी परेशानियों में इज़ाफ़ा कर सकता है। जिन लोगों ने किसी रिश्तेदार से पैसा उधार लिया था उनको आज वो उधार किसी भी हालत में वापस करना पड़ सकता है। दोस्त और रिश्तेदार आपकी मदद करेंगे और आप उनके साथ काफ़ी ख़ुशी महसूस करेंगे। आपको ख़ुशी से भरी शादीशुदा ज़िन्दगी की एहमियत का एहसास होगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

जो लोग काफी वक्त से आर्थिक तंगी से गुजर रहे थे उन्हें आज कहीं से धन प्राप्ति हो सकता है जिससे जीवन की कई परेशानियां दूर हो जाएंगी। जिसके साथ आप रहते हैं, उससे वाद-विवाद करने से बचें। यदि कोई समस्या है, तो उसे शान्ति से बातचीत करके सुलझाएँ। आज कार्यक्षेत्र में आपकी ऊर्जा घर के किसी मसले को लेकर कम रहेगी। इस राशि के कारोबारियों को आज के दिन अपने साझेदारों पर नजर बनाए रखने की जरुरत है, वो आपको नुक्सान पहुंचा सकते हैं। ऑफिस से जल्दी घर जाने का प्लान आज आप ऑफिस पहुंचकर ही कर सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपने जीवनसाथी के साथ मिलकर आज आप भविष्य के लिए कोई आर्थिक योजना बना सकते हैं और उम्मीद है कि यह योजना सफल भी होगी। आपके आकर्षण और व्यक्तित्व के ज़रिए आपको कुछ नए दोस्त मिलेंगे। कार्यक्षेत्र में आपके सामने नई चुनौतियाँ आएंगी– ख़ास तौर पर अगर आप कूटनीतिक तरीक़े से चीज़ों को नहीं इस्तेमाल करेंगे तो। आज ऐसी कई सारी चीज़ें होंगी – जिनकी तरफ़ तुरन्त ग़ौर करने की आवश्यकता है। अगर आप वैवाहिक तौर पर लंबे समय से कुछ नाखुश हैं, तो आज के दिन आप हालात बेहतर होते हुए महसूस कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। निवेश के लिए अच्छा दिन है, लेकिन उचित सलाह से ही निवेश करें। बढ़िया दिन है जब आप सबके ध्यान को अपनी तरफ़ खींचेंगे– आपके सामने चुनने के लिए कई चीज़ें होंगी और आपके सामने समस्या यह होगी कि किसे पहले चुना जाएगा । दफ़्तर में आपको कुछ ऐसा काम मिल सकता है, जिसे आप हमेशा से करना चाहते थे। आज आप सारे रिश्तों और रिश्तेदारों से दूर होकर अपना दिन किसी ऐसी जगह पर बिताना पसंद करेंगे जहां जाकर आपको शांति प्राप्त होती है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

सुकून हासिल करने लिए कुछ पल करीबी दोस्तों के साथ बिताएँ। आज के दिन आप धन से जुड़ी समस्या के कारण परेशान रह सकते हैं। इसके लिए आपको अपने किसी विश्वास पात्र से सलाह लेनी चाहिए। किसी पारिवारिक भेद का खुलना आपको चकित कर सकता है। आज आपके सहकर्मी आपके काम की तारीफ करेंगे और आपका बॉस भी आपके काम से खुश होगा। कारोबारी भी आज कारोबार में मुनाफा कमा सकते हैं। यात्रा आपके लिए आनन्ददायक और बहुत फ़ायदेमंद होगी। आज आपका वैवाहिक जीवन हँसी-ख़ुशी, प्यार और उल्लास का केन्द्र बन सकता है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आपकी सेहत पूरी तरह अच्छी रहेगी। आज के दिन आप धन से जुड़ी समस्या के कारण परेशान रह सकते हैं। इसके लिए आपको अपने किसी विश्वास पात्र से सलाह लेनी चाहिए। दोस्त और घर वाले आपको प्यार और सहयोग देंगे। वरिष्ठों का सहयोग और तारीफ़ आपके आत्मविश्वास और उत्साह को दोगुना कर देंगे। आज आपको अपने ससुराल पक्ष से कोई बुरी खबर मिल सकती है जिसके कारण आपका मन दुखी हो सकता है और आप काफी समय सोच विचार करने में गंवा सकते हैं। आज आपको अपने जीवनसाथी से भरपूर सहयोग मिलेगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 29 नवंबर 2026 , रविवार
विक्रम संवत : 2083
मास : मार्गशीर्ष ,कृष्ण पक्ष
तिथि : षष्ठी रात्रि 01:48 तक
नक्षत्र : पुष्य प्रातः 11:00 तक
योग : ब्रह्म सायं 05:08 तक
करण : गर दोपहर 02:49 तक
चन्द्रराशि : कर्क
सूर्योदय : 06:28 ,सूर्यास्त 05:39 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:24, सूर्यास्त 05:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:18, सूर्यास्त 05:42 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:18, सूर्यास्त 05:32 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : रविपुष्य सर्वार्थ सिद्धि योग प्रातः 11:00 तक , गण्डमूल प्रातः 11:00 बजे से , भद्रा रात्रि 01:47 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

100 फीट सड़क प्रस्ताव का भाजपा ने किया विरोध
पुराने 80 फीट प्रस्ताव को लागू करने की मांग



हैदराबाद, 28 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिंदी नगर मेन रोड पर ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के प्रस्तावित 100 फीट सड़क चौड़ीकरण के विरोध में भाजपा गोलकोंडा जिला के तत्वावधान में विरोध प्रदर्शन एवं निराशना दीक्षा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व भाजपा गोलकोंडा जिला अध्यक्ष टी. उमामहेंद्र ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा तेलंगाना प्रदेश महासचिव डॉ. गौतम राव उपस्थित रहे। यह प्रदर्शन स्थानीय दुकानदारों, व्यापारियों एवं निवासियों की समस्याओं के समर्थन में आयोजित किया गया।

पूर्व में जीएचएमसी द्वारा प्रस्तावित 80 फीट सड़क चौड़ीकरण योजना को स्थानीय व्यापारियों, दुकानदारों एवं निवासियों ने स्वीकार किया था। लेकिन अब 100 फीट सड़क चौड़ीकरण का नया प्रस्ताव लाए जाने से क्षेत्र के लोगों में भारी चिंता एवं असंतोष व्याप्त है।

विशेष रूप से प्लाईवुड एवं हार्डवेयर व्यापार संघों के प्रतिनिधियों ने नए प्रस्ताव का कड़ा विरोध किया। उनका कहना है कि इस योजना के लागू होने से अनेक व्यापारियों की आजीविका प्रभावित होगी। कई व्यापारी पिछले 59 वर्षों से इसी क्षेत्र में अपना व्यवसाय चला रहे हैं। ऐसे में नए प्रस्ताव से उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है।

कांग्रेस सरकार से उठाए सवाल

भाजपा गोलकोंडा जिला के नेताओं ने कांग्रेस सरकार से सवाल किया कि जीएचएमसी द्वारा 100 फीट सड़क चौड़ीकरण का नया प्रस्ताव लाने के पीछे वास्तविक उद्देश्य क्या है? स्थानीय व्यापारियों एवं निवासियों की राय को ध्यान में रखे बिना यह प्रस्ताव क्यों लाया गया? भाजपा नेताओं ने यह भी सवाल उठाया कि क्या इस निर्णय के पीछे एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के पार्टी मुख्यालय की स्थिति भी एक कारण है? स्थानीय नेताओं ने आशंका व्यक्त की कि प्रस्तावित 100 फीट सड़क से विभिन्न क्रॉस रोड के माध्यम से एआईएमआईएम मुख्यालय अधिक स्पष्ट रूप से दिखाई दे सकता है।

भाजपा नेताओं ने कांग्रेस सरकार से स्पष्ट जवाब मांगा कि क्या सरकार इस सड़क चौड़ीकरण के मामले में एआईएमआईएम के प्रति विशेष अनुकूलता दिखा रही है? सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि यह निर्णय वास्तव में जनहित, यातायात आवश्यकताओं एवं स्थानीय जनता की राय के आधार पर लिया गया है या नहीं।

उन्होंने कहा कि सरकार को किसी राजनीतिक दल के हितों के बजाय स्थानीय व्यापारियों एवं निवासियों के हितों को प्राथमिकता देनी चाहिए।

अस्पताल निर्माण से बढ़ी परेशानी

इसके अतिरिक्त क्षेत्र में नए अस्पताल के निर्माण के कारण स्थानीय निवासी अनेक समस्याओं का सामना कर रहे हैं। धूल प्रदूषण, यातायात जाम, ड्रेनेज ओवरफ्लो एवं मच्छरों की समस्या लगातार बढ़ रही है। डेंगू बुखार के कारण चार वर्षीय बच्चे की मृत्यु की घटना पर भी नेताओं ने गहरी चिंता व्यक्त की तथा प्रशासन से तत्काल स्वास्थ्य एवं स्वच्छता संबंधी कदम उठाने की मांग की।

भाजपा की प्रमुख मांगें

भाजपा गोलकोंडा जिला ने जीएचएमसी प्रशासन के समक्ष निम्नलिखित मांगें रखीं:

जीएचएमसी द्वारा प्रस्तावित नए 100 फीट सड़क चौड़ीकरण प्रस्ताव को तत्काल वापस लिया जाए।

स्थानीय व्यापारियों एवं निवासियों द्वारा पहले से स्वीकार किए गए पुराने 80 फीट सड़क चौड़ीकरण प्रस्ताव को ही लागू किया जाए।

प्रभावित दुकानदारों एवं संपत्ति मालिकों को मुआवजा नकद राशि के रूप में डिमांड ड्राफ्ट (डीडी) द्वारा ही दिया जाए।

हस्तांतरणीय विकास अधिकार (टीडीआर), बॉन्ड अथवा प्रमाणपत्र के रूप में दिया जाने वाला मुआवजा स्वीकार नहीं किया जाएगा।

अस्पताल निर्माण क्षेत्र में धूल प्रदूषण, यातायात, ड्रेनेज ओवरफ्लो एवं मच्छरों की समस्या का तत्काल समाधान किया जाए।

स्थानीय जनता के स्वास्थ्य, व्यापारियों की आजीविका एवं संपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

100 फीट सड़क चौड़ीकरण प्रस्ताव के पीछे के कारणों को जीएचएमसी एवं कांग्रेस सरकार जनता के सामने स्पष्ट करें।

संघर्ष जारी रखने की चेतावनी

कार्यक्रम में भाजपा गोलकोंडा जिला के नेताओं ने स्पष्ट किया कि जब तक स्थानीय जनता एवं व्यापारियों को न्याय नहीं मिलता, तब तक उनका संघर्ष जारी रहेगा। यदि जीएचएमसी प्रशासन सकारात्मक निर्णय नहीं लेता है, तो भाजपा द्वारा रास्ता रोको एवं भूख हड़ताल जैसे लोकतांत्रिक आंदोलन और तेज किए जाएंगे।

प्रमुख नेताओं की उपस्थिति

कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश महासचिव डॉ. गौतम राव, गोलकोंडा जिला अध्यक्ष टी. उमामहेंद्र, पूर्व विधायक प्रेम सिंह राठौड़, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य गोविंद राठी, जीएचएमसी भाजपा फ्लोर लीडर जी. शंकर यादव, पूर्व पार्षद राकेश जायसवाल, लाल सिंह एवं शशिकला कृष्णा, जिला महासचिव एम. कृष्णा एवं सुरेंद्र, गोलकोंडा जिला ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष वेंकटेश गौड़, एससी मोर्चा अध्यक्ष पूर्णचंद्र, भाजयुमो जिला अध्यक्ष राहुल यादव तथा जिला सचिव नटराज नामधारी उपस्थित रहे।

इसके अलावा डिवीजन अध्यक्ष गोपाल जी, आला पुरुषोत्तम, बंगारू सुधीर, वनमाला गोपाल, गोपाल सिंह एवं बेन्नी नरसिम्हा सहित सभी डिवीजन अध्यक्षों, मोर्चा नेताओं, प्लाईवुड एवं हार्डवेयर व्यापार संघों के प्रतिनिधियों, स्थानीय निवासियों तथा बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन में भाग लिया।

भाजपा गोलकोंडा जिला ने दोहराया कि जनता की आजीविका, व्यापारियों का भविष्य एवं स्थानीय निवासियों का कल्याण उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि 100 फीट सड़क चौड़ीकरण प्रस्ताव स्वीकार नहीं है और केवल पुराने 80 फीट सड़क चौड़ीकरण प्रस्ताव को ही लागू किया जाए।

राज्यपाल का जगतियाल दौरा कल



पेद्दापल्ली, 28 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला 30 नवंबर को जगतियाल जिले का दौरा करेंगे। इस दौरान वे मलयाला मंडल के मुथ्यम्पेट गांव स्थित कोंडागट्टू श्री अंजनेय स्वामी मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना करेंगे। इसके बाद नाचुपल्ली स्थित जवाहरलाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (जेएनटीयू) में जिला कलेक्टर, जिला पुलिस अधीक्षक एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे।

राज्यपाल अपनी पत्नी श्रीमती जानकी शुक्ला एवं अधिकारियों के साथ सुबह 9:20 बजे लोक भवन से रवाना होकर 9:30 बजे बेगमपेट हवाई अड्डे पहुंचेंगे। वहां से हेलीकॉप्टर द्वारा 9:40 बजे प्रस्थान कर सुबह 10:30 बजे नाचुपल्ली स्थित जेएनटीयू हेलीपैड पहुंचेंगे। इसके बाद 10:45 बजे कोंडागट्टू मंदिर पहुंचकर 11:30 बजे तक विशेष पूजा-अर्चना, आशीर्वाद एवं अभिनंदन कार्यक्रम में भाग लेंगे। राज्यपाल सुबह 11:40 बजे जेएनटीयू पहुंचेंगे और दोपहर 12:45 बजे तक जिला अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे। इसके बाद दोपहर 1:30 बजे हेलीकॉप्टर से बेगमपेट हवाई अड्डे के लिए रवाना होंगे। दोपहर 2:20 बजे वहां पहुंचने के बाद 2:25 बजे प्रस्थान कर 2:35 बजे लोक भवन पहुंचेंगे।

आधी रात को पुलिस की सघन जांच



मंचेरियाल, 28 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। रामागुंडम पुलिस आयुक्त के आदेशानुसार मंचेरियाल शहर में शुक्रवार आधी रात को अपराध नियंत्रण एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने औचक जांच अभियान चलाया। बेल्लमपल्ली चौराहा, बाईपास रोड, तेलंगाना माता चौक और बस अड्डा क्षेत्र में वाहनों एवं संदिग्ध व्यक्तियों की जांच की गई।

डीसीपी ए. भास्कर ने अभियान की निगरानी करते हुए शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई तथा रात में संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के निर्देश दिए। उन्होंने नागरिकों से यातायात नियमों का पालन करने और शराब पीकर वाहन नहीं चलाने की अपील की।

जलवायु नीति पर मंथन



मंचेरियाल, 28 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद में मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की अध्यक्षता में आयोजित तेलंगाना क्लाइमेट चेंज कॉन्क्लेव के कर्टेन रेजर कार्यक्रम में मंचेरियाल नगर निगम के मेयर धरनी मधुकर ने राज्य के मंत्रियों के साथ भाग लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आर्थिक विकास और पर्यावरण संरक्षण को समान महत्व देते हुए व्यापक जलवायु नीति तैयार की जाएगी। उन्होंने जल, जंगल और जमीन के संरक्षण, तालाबों एवं जलाशयों की सुरक्षा, मूसी नदी के पुनर्जीवन तथा सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन और सतत विकास पर चर्चा हुई।

जात्रा में एनएसएस सेवाएं



पेद्दापल्ली, 28 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। देवूनी पल्ली लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी जात्रा में गायत्री डिग्री एवं पीजी कॉलेज के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) स्वयंसेवकों ने 28 नवंबर को श्रद्धालुओं की सेवा की। छात्रों ने पुलिस के सहयोग से कतार प्रबंधन, पार्किंग, यातायात नियंत्रण, सुरक्षा एवं श्रद्धालुओं को सतर्क करने में सहयोग दिया। श्रद्धालुओं ने छात्रों की सेवाओं की सराहना की। बसंत नगर के उपनिरीक्षक शीधर, कॉलेज प्रमुख अल्लांकी श्रीनिवास, प्रधानाचार्य जे. रविंदर, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी एम.ए. समद तथा संकाय सदस्य राजू और अमानी ने स्वयंसेवकों की सेवाओं की प्रशंसा की।

कोंडागट्टू मंदिर में रेशमी वस्त्र अर्पित



पेद्दापल्ली, 28 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कोंडागट्टू स्थित श्री अंजनेय स्वामी मंदिर में चंदन पर्व के अवसर पर भगवान के प्रत्यक्ष दर्शन के उपलक्ष्य में प्रमुख मंदिरों की ओर से प्रत्येक मंगलवार एवं शनिवार को रेशमी वस्त्र अर्पित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में वेमुलावाड़ा श्री राजराजेश्वर स्वामी मंदिर की कार्यकारी अधिकारी (ईओ) रमादेवी ने कोंडागट्टू श्री अंजनेय स्वामी को रेशमी वस्त्र भेंट किए। मंदिर परंपरा के अनुसार पूर्ण कुंभ के साथ वस्त्र ग्रहण कर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान को अर्पित किए गए।

अर्जिता सेवाएं स्थगित

पेद्दापल्ली, 28 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कोंडागट्टू श्री अंजनेय स्वामी मंदिर में चंदनोत्सव के दौरान भक्तों की भारी भीड़ को देखते हुए रविवार, 29 नवंबर को अंतरालाय दर्शन, वाहन पूजा एवं अर्जिता सेवाएं अस्थायी रूप से स्थगित रहेंगी। भक्तों के लिए केवल 100 रुपये का विशेष दर्शन उपलब्ध रहेगा। मंदिर अधिकारियों ने श्रद्धालुओं से सहयोग करने एवं व्यवस्था का ध्यान रखते हुए भगवान के दर्शन करने की अपील की है।

गोशाला बंद कराने की साजिश का आरोप
याप्राल स्थित शिव गोशाला प्रबंधन को सोशल मीडिया के नाम पर परेशान करने का आरोप



हैदराबाद, 24 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

शिव गोशाला के अध्यक्ष जयराम सिरवी ने आरोप लगाया कि मेड़चल जिले के याप्राल स्थित गोशाला को बंद कराने के लिए कुछ लोग साजिश रच रहे हैं तथा सोशल मीडिया गतिविधियों के नाम पर प्रबंधन से पैसे की मांग कर उसे परेशान कर रहे हैं। हैदरगुड़ा स्थित एनएसएस में मंगलवार को आयोजित पत्रकार सम्मेलन में सिरवी ने बताया कि गोशाला की स्थापना वर्ष 2012 में शमीरपेट मंडल के याप्राल स्थित बालाजीनगर दिव्यांग कॉलोनी में 960 वर्ग गज भूमि पर गो-प्रेमियों के सहयोग से की गई थी। तब से संस्था आवश्यक अनुमतियों के साथ गोवंश सेवा एवं संरक्षण कार्य कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग सोशल मीडिया पर गोशाला के संबंध में गलत सूचनाएं प्रसारित कर रहे हैं, प्रबंधन से पैसों की मांग कर रहे हैं तथा राजस्व अधिकारियों पर गोशाला हटाने का दबाव बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि समाजसेवा में जुटी संस्था को इस प्रकार धमकाना अनुचित है। जयराम सिरवी ने चेतावनी दी कि सोशल मीडिया के नाम पर प्रबंधन को धमकाकर धन वसूली के प्रयास बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इस संबंध में मेड़चल जिला कलेक्टर को लिखित शिकायत सौंप दी गई है तथा कथित रूप से परेशान करने वालों के खिलाफ मल्काजगिरी पुलिस आयुक्त से भी शिकायत की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों से मामले की निष्पक्ष एवं विस्तृत जांच कर न्याय दिलाने की मांग की। इस अवसर पर गोशाला उपाध्यक्ष मंगलाल, कोषाध्यक्ष लक्ष्मण राम, सचिव वरदाराम तथा सदस्य हीर सिंह एवं अर्जुन लाल उपस्थित थे।

सुरभि सलोनी विशेषांक पर समीक्षा गोष्ठी आज

हैदराबाद, 28 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। गीत चाँदनी एवं सीता युद्धवीर पुस्तकालय और शोध संस्थान के तत्वावधान में आयोजित मूल्यांकन कवि गोष्ठी क्रमांक0350 रविवार, 29 नवंबर को दोपहर 12:30 बजे मौज़मजाही मार्केट स्थित आरोग्य हॉस्पिटल एवं कैलाश डायग्नोस्टिक सेंटर के सेलर सभागार में होगी।

गोष्ठी का मुख्य आकर्षण मुंबई से प्रकाशित साहित्यिक पत्रिका सुरभि सलोनी के दीपावली विशेषांक (अंक013, नवंबर 2026) की समीक्षा एवं मूल्यांकन होगा। पत्रिका के प्रबंध संपादक दिनेश कुमार चक्रवर्ती के संपादन में प्रकाशित विशेषांक की साहित्यिक सामग्री, रचनाओं की विषयवस्तु, गुणवत्ता एवं समकालीन संदर्भों पर प्रतिष्ठित साहित्यकार अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। पत्रिका विगत 15 वर्षों से साहित्य एवं संस्कृति के संवर्धन में योगदान दे रही है। इसके संपादक आदित्य तिक्ती हैं।

कार्यक्रम में भारतीय स्टेट बैंक, हैदराबाद (तेलंगाना) मुख्यालय के सहायक महाप्रबंधक विनय कुमार सिंह विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम का संचालन गीत चाँदनी के कार्यदर्शी, साहित्यकार एवं गोलकोण्डा दर्पण के संपादक कवि गोविंद अक्षय करेंगे। वे संस्था की साहित्यिक गतिविधियों एवं 45 वर्षों की गौरवशाली काव्य यात्रा पर प्रकाश डालेंगे।

समीक्षा सत्र के पश्चात नियमित कवि गोष्ठी होगी, जिसमें हैदराबाद एवं सिकंदराबाद के वरिष्ठ एवं नवोदित कवि गीत, ग़ज़ल, कविता तथा हास्य-व्यंग्य रचनाओं के माध्यम से समसामयिक विषयों, सामाजिक सरोकारों एवं मानवीय संवेदनाओं को स्वर देंगे। संस्था के पदाधिकारियों ने कवियों, साहित्यकारों एवं हिंदी प्रेमियों से कार्यक्रम में उपस्थित होकर इसे सफल बनाने का आग्रह किया है। कार्यक्रम के आरंभ में कवयित्री विद्या दवे श्रीमाली की ओर से जलपान की व्यवस्था रहेगी।

जय हिंद सेवा समिति का स्वास्थ्य शिविर आज

हैदराबाद, 28 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।



जय हिंद सेवा समिति, मंगलहाट, हैदराबाद की ओर से रविवार, 29 नवंबर 2026 को निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर का आयोजन विश्वनाथ भवन, बंगारू मैसम्मा मंदिर के पास किया जाएगा। शिविर का समय सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक रहेगा। शिविर में सभी स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉक्टरों का स्वागत किया गया है। शिविर में चिकित्सा परामर्श एवं उपचार की सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध रहेंगी। समिति की ओर से सभी नागरिकों से इस सेवा शिविर का लाभ उठाने की अपील की गई है। कार्यक्रम के अध्यक्ष बकेश सिंह रहेंगे। कार्यक्रम के आयोजन एवं संचालन में बीआरएस के वरिष्ठ नेता, प्रभारी एच. कुमार, गोपाल सिंह, ए. रवि कुमार, लोकेश, राजू, ज्योति, यलेश, संदीप, विनोद, राजा एवं गया सहित समिति के सदस्यों की भूमिका रहेगी। समिति की ओर से सभी लोगों को शिविर में आमंत्रित करते हुए कार्यक्रम का प्रचार-प्रसार करने तथा अधिक से अधिक लोगों तक निःशुल्क स्वास्थ्य सेवा पहुंचाने की अपील की गई है।

धनी सुखी हो, जरूरी नहीं

आपके पास धन-दौलत हो सकती है, लेकिन सुख भी हो यह जरूरी नहीं है। क्योंकि जन्म कुण्डली में धन और सुख का विचार अलग-अलग भाव से करते हैं।

हमारे दैनिक जीवन में हम कई बार ऐसे लोगों को देखते हैं या जानते हैं कि उनके पास बहुत धन-दौलत होती है, फिर भी वे दुखी रहते हैं। उनके दुख के कारण अनेक हो सकते हैं। रुपया-पैसा होते हुए भी दुखों से छुटकारा नहीं पा सकते हैं। कारण हर चीज धन-दौलत से नहीं खरीदी जाती।



ज्योतिष की दृष्टि से यदि इस बात पर विचार किया जाए, तो हमें पता चलेगा कि धन और सुख दोनों अलग-अलग बातें हैं। बहुत कम कुंडलियों में आपको यह बात देखने को मिलेगी कि धन और सुख दोनों ही व्यक्ति को प्राप्त हों। इंसान अपने पूर्व जन्मों के कर्मों के अनुसार ही सुख और दुख पाता है। इसको ज्योतिष के परिप्रेक्ष्य में हम यह कह सकते हैं कि कुंडली में विद्यमान अच्छे-बुरे ग्रहों की महादशा इंसान भोगता है और उसी के अनुसार फल पाता है। इस बात को उदाहरण कुंडली से हम सरलता से समझ सकते हैं...

जन्मकुंडली के अनुसार इस व्यक्ति का जन्म 11 फरवरी, 1966 को प्रात: 6.35 बजे अजमेर में हुआ। जन्म के समय इन्हें राहु की महादशा थी। राहु पंचम स्थान में अपनी मित्र की राशि वृष में बैठा है। ज्योतिष की मान्यतानुसार राहु जिस घर में बैठता है, उसकी वृद्धि करता है। पंचम स्थान शिक्षा का भी है। इसलिए जब तक राहु की दशा इन्हें रही, तब तक इन्होंने बहुत अच्छी शिक्षा ग्रहण की तथा राहु की संपूर्ण सातवीं दृष्टि एकादश भाव पर जहां वृश्चिक राशि में केतु है, वहां पड़ी। एकादश भाव जो कि जातक के पिता का धन स्थान स्थान भी है, उसे इसने खराब किया। अन्तत: जातक के पिता को विभिन्न कारणों से धन का नुकसान उठाना पड़ा।

राहु की महादशा के बाद इस व्यक्ति को 16 वर्ष की गुरु की महादशा प्रारंभ हुई। गुरु भी पंचम स्थान में राहु के साथ अपनी शत्रु राशि वृष में बैठा है और वक्री भी है। इसलिए गुरु की महादशा प्रारंभ होते ही जातक को अपनी शिक्षा से वंचित होना पड़ा। साथ ही गुरु की पांचवीं दृष्टि लग्न (मकर) पर पड़ी जिसे गुरु ने नीच दृष्टि से देखा और परिणामत: जातक गुरु की महादशा में भयंकर बीमारियों से ग्रसित हुआ। सातवीं दृष्टि एकादश भाव में जहां वृश्चिक राशि है, किंतु साथ ही केतु वहां विराजमान है। इस कारण इन्हें लाभ में कमी हुई। नौवीं दृष्टि नवम भाव में जो भाग्य स्थान भी है, जहां पर गुरु की शत्रु राशि कन्या है, वहां पड़ी। परिणामस्वरूप गुरु ने इस व्यक्ति के भाग्य को नुकसान पहुंचाया। इस व्यक्ति को बीमारियों के साथ-साथ मानसिक दुख भी मिले।

यहां ध्यान देने योग्य विशेष बात यह है कि गुरु की महादशाा के बाद जब इस व्यक्ति को 19 वर्ष की शनि की महादशा प्रारंभ हुई, तो तमाम परिस्थितियां विपरीत बनीं। शनि द्वितीय स्थान (धन भाव) में अपनी मूल त्रिकोण राशि कुंभ में विराजमान है और शनि जिस घर में बैठता है, उसकी तरक्की करता है। फलस्वरूप शनि की महादशा में इस व्यक्ति के पास रुपयों -पैसों की बहुत बढ़ौतरी हुई, किंतु शनि की दृष्टियां जहां-जहां पड़ीं उस घर को या उससे संबंधित फलों से उसने जातक को वंचित कर दिया जैसे- शनि की तीसरी दृष्टि जातक की कुंडली के चतुर्थ भाव जो कि सुख स्थान, जमीन जायदाद का स्थान, माता का स्थान भी है, पर पड़ी। फलस्वरूप शनि की दशा लगते ही जातक की माता का देहांत हो गया तथा जातक के जीवन के तमाम नैसर्गिक सुख समाप्त हो गए। पारिवारिक, मानसिक, सामाजिक तमाम सुखों से इस व्यक्ति को वंचित होना पड़ा। स्थिति यह है कि इस व्यक्ति के पास धन तो बहुत है, लेकिन वह उसका उपयोग नहीं कर सकता है। शनि की सप्तम दृष्टि जातक की कुंडली के अष्टम भाव, जहां पर सूर्य की राशि सिंह है, पर पड़ रही है। शनि शत्रु क्षेत्री दृष्टि से उसे देख रहा है। अष्टम भाव जो कि मृत्यु स्थान भी है, फलस्वरूप शनि की दशा में जातक शारीरिक रूप से परेशान रहा। शनि की दसवीं दृष्टि जातक की कुंडली के एकादश भाव में जहां पर मंगल वृश्चिक राशि में विराजमान है, पर पड़ी जो कि शनि की शत्रु है। इसे भी शनि अपनी शत्रु दृष्टि से देख रहा है। एकादश स्थान जो कि लाभ स्थान है। फलस्वरूप जातक को शनि की दशा में आशातीत लाभ से वंचित होना पड़ा। लेकिन इतना सब कुछ होने के बावजूद उसके पास धन में वृद्धि हुई, परन्तु सुखों से वंचित होना पड़ा।

कुंडली एवं उसकी विवेचना के आधार पर हम यह कह सकते हैं कि जिस किसी की कुंडली में ऐसी ग्रह स्थिति हो, जहां पर शनि की दृष्टि मंगल की राशियों यथा मेष एवं वृश्चिक पर पड़ रही हो तो उसे शनि अंगारक योग कहते हैं। ऐसे में जातकों को इसके निवारणार्थ शनि के व्रत करना, शनिवार को हनुमान के तेल-सिंदूर चढ़ाना तथा नित्य पूर्ण श्रद्धा के साथ मंगल के जप करने से लाभ संभव है।

अपने ईष्ट देव को प्रसन्न करें फूल चढ़ाकर



घर में किसी भी तरह की पूजा-पाठ किया जा रहा हो, किसी प्रिय का जन्मदिन हो या खुशी का और कोई खास मौका फूल मंदिर के साथ ही महफिल की भी शोभा बढ़ाते हैं। देवताओं से लेकर तो सुन्दरियों तक फूल देकर हर किसी को प्रसन्न किया जा सकता है। इसलिए देवताओं को फूल चढ़ाएं जाते हैं। यदि आप अपने ईष्ट देवता को उनके प्रिय फूल चढ़ाएं तो आप पर उनकी कृपा बरसने लगेगी।

सूर्य- लाल फूल

सूर्य प्रत्यक्ष देवता हैं। पूजा में सूर्य को लाल रंग के फूल चढ़ाने का विधान हैं। सूर्य को लालिमा प्रिय है। वे तेज के पुंज हैं। लाल रंग तेज का प्रतीक है। इसलिए सूर्य पूजा में लाल कनेर, लाल कमल, केसर या पलाश के फूल चढ़ाने का विधान है।

गणेश लाल फूल

गणेशप्रथम पूज्य हैं। वे मंगलमूर्ति हैं, मंगल के प्रतीक, मंगल करने वाले। गणोश को लाल रंग के फूल प्रिय हैं। लाल रंग मंगल का प्रतीक है। गणोशपूजा में तुलसी दल का निषेध है लेकिन दुर्वा चढ़ाई जाती है। गणोश विराट व्यक्तित्व वाले हैं लेकिन जिस तरह चूहा उनका वाहन है वैसे ही दुर्वा उन्हें प्रिय है। यह इस बात का प्रतीक है कि जितना बड़ा व्यक्तित्व होगा वह बहुत छोटे के प्रति भी अपनत्व का भाव रखेगा। विराट व्यक्तित्व वाले गणोश को घास के तिनकों के रूप में दुर्वा इसी भाव में प्रिय है।

शिव-सफेद फूल

शिव को कनेर, और कमल के अलावा लाल रंग के फूल प्रिय नहीं हैं। सफेद रंग के फूलों से शिव जल्दी प्रसन्न होते हैं। कारण शिव कल्याण के देवता हैं। सफेद शुभ्रता का प्रतीक रंग है। जो शुभ्र है, सौम्य है, शाश्वत है वह श्वेत भाव वाला है। यानि सात्विक भाव वाला। पूजा में शिव को आक और धतूरा के फूल अत्यधिक प्रिय हैं। इसका कारण शिव वनस्पतियों के देवता हैं। अन्य देवताओं के लिए जो फूल त्याज्य हैं, वे शिव को प्रिय हैं। उन्हें मौलसिरी चढ़ाने का उल्लेख मिलता है। शिव को केतकी और केवड़े के फूल चढ़ाने का निषेध किया गया है।

विष्णु- पीले फूल

विष्णु पीतांबरधारी हैं। पीला रंग उन्हें प्रिय है। सामान्यतया विष्णु पूजा में सभी रंगों के फूल अर्पित किए जाते हैं लेकिन पीतांबरप्रिय होने के कारण पीले रंग का फूल अर्पित करने से वे शीघ्र प्रसन्न होते हैं। कमल का फूल विष्णु को बहुत प्रिय है।

देवी -लाल और सफेद फूल

लक्ष्मी को लाल और पीले, दुर्गा को लाल और सरस्वती को सफेद रंग के फूल अर्पित करने की परंपरा है। लक्ष्मी सौभाग्य की प्रतीक है अत: लाल रंग प्रिय है। विष्णु की पत्नी होने से वे पीले रंग के फूल से भी प्रसन्न होती हैं। दुर्गा शक्ति की प्रतीक है। लाल रंग शौर्य का रंग है। अत: वे लाल रंग के फूल से प्रसन्न होती हैं। सरस्वती ज्ञान और संगीत की देवी है। शुभ्रता की प्रतीक। उन्हें सफेद रंग के कमल पुष्प अर्पित किए जाते हैं।

गणेश पूजन से शांत करें वास्तुदोष

वास्तु पुरुष की प्रार्थना पर ब्रह्माजी ने वास्तुशास्त्र के नियमों की रचना की थी। इनकी अनदेखी करने पर उपयोगकर्ता की शारीरिक, मानसिक, आर्थिक हानि होना निश्चित रहता है। वास्तुदेवता की संतुष्टि गणेशजी की आराधना के बिना अकल्पनीय है। गणपतिजी का वंदन कर वास्तुदोषों को शांत किए जाने में किसी प्रकार का संदेह नहीं है।



- नियमित गणेशजी की आराधना से वास्तु दोष उत्पन्न होने की संभावना बहुत कम होती है।
- यदि घर के मुख्य द्वार पर एकदंत की प्रतिमा या चित्र लगाया गया हो तो उसके दूसरी तरफ ठीक उसी जगह पर दोनों गणेशजी की पीठ मिली रहे इस प्रकार से दूसरी प्रतिमा या चित्र लगाने से वास्तु दोषों का शमन होता है।
- भवन के जिस भाग में वास्तु दोष हो उस स्थान पर घी मिश्रित सिन्दूर से स्वस्तिक दीवार पर बनाने से वास्तु दोष का प्रभाव कम होता है।
- घर या कार्यस्थल के किसी भी भाग में वक्रतुण्ड की प्रतिमा अथवा चित्र लगाए जा सकते हैं। किन्तु यह ध्यान अवश्य रखना चाहिए कि किसी भी स्थिति में इनका मुँह दक्षिण दिशा या नैऋत्य कोण में नहीं होना चाहिए।
- घर में बैठे हुए गणेशजी तथा कार्यस्थल पर खड़े गणपतिजी का चित्र लगाना चाहिए, किन्तु यह ध्यान रखें कि खड़े गणेशजी के दोनों पैर जमीन का स्पर्श करते हुए हों। इससे कार्य में स्थिरता आने की संभावना रहती है।
- भवन के ब्रह्म स्थान अर्थात केंद्र में, ईशान कोण एवं पूर्व दिशा में सुखकर्ता की मूर्ति अथवा चित्र लगाना शुभ रहता है। किन्तु टॉयलेट अथवा ऐसे स्थान पर गणेशजी का चित्र नहीं लगाना चाहिए जहाँ लोगों को थूकने आदि से रोकना हो। यह गणेशजी के चित्र का अपमान होगा।
- सुख, शांति, समृद्धि की चाह रखने वालों के लिए सफेद रंग के विनायक की मूर्ति, चित्र लगाना चाहिए।
- सर्व मंगल की कामना करने वालों के लिए सिन्दूरी रंग के गणपति की आराधना अनुकूल रहती है।

विघ्नहर्ता की मूर्ति अथवा चित्र में उनके बाएँ हाथ की और सूँड घुमी हुई हो इस बात का ध्यान रखना चाहिए। दाएँ हाथ की ओर घुमी हुई सूँड वाले गणेशजी हठी होते हैं तथा उनकी साधना-आराधना कठिन होती है। वे देर से भक्तों पर प्रसन्न होते हैं।

- मंगल मूर्ति को मोदक एवं उनका वाहन मूषक अतिप्रिय है।

मूलांक बताए, कौन-सा रत्न अपनाए

अपनी जन्म दिनांक को आपस में जोड़कर जो अंक प्राप्त होता है उसी को मूलांक कहते हैं। मूलांक



के विशेष स्वभाव के बारे में जान ही चुके हैं। आइए, अब हम जाने कि कौन से मूलांक के लिए कौनसा रत्न उपयोगी होता है। कुंडली के अनुसार ही मूलांक के उपयोगी रत्न का निर्धारण भी स्वामी ग्रह और मित्र ग्रहों के बलाबल के अनुसार ही किया जाता है।

मूलांक 1 पर सूर्य का स्वामित्व है। इनके लिए पुखराज और पीला-हरा कहरुआ शुभ होंगे। इन्हें ये रत्न ऐसे पहनने चाहिए कि वे त्वचा से सटे रहे।

मूलांक 2 पर चन्द्र का स्वामित्व होता है। इनके लिए मोती, चंद्रमणि और पीले-हरे रंग के रत्न भाग्यवर्धक होंगे।

मूलांक 3 पर गुरु का प्रभाव होता है। इनके लिए प्रमुख रत्न नीलमणि है जिसका दूसरा नाम बिल्लोर भी है। यह इनके भाग्य में वृद्धि करता है।

मूलांक 4 पर राहू का प्रभाव होता है। इन्हें हलके या गहरे रंग का नीलम धारण करना चाहिए। यह भी शरीर से सटा होना चाहिए।

मूलांक 5 पर बुध का प्रभाव होता है। इनको शुभता की प्राप्ति हेतु हीरा धारण करना चाहिए और यह इन्हे चाँदी या प्लेटिनम में ही धारण करना चाहिए।

मूलांक 6 पर शुक्र का प्रभाव होता है। इनके लिए फीरोजा और पन्ना भाग्य रत्न माने जाते हैं।

मूलांक 7 पर केतु का प्रभाव होता है। इनके लिए चंद्रमणि और मोती भाग्य रत्न माने जाते हैं।

मूलांक 8 शनि के प्रभाव में होता है। इनके लिए नीलमणि, नीलम, काला हीरा या काला मोती अति शुभ माने जाते हैं।

मूलांक 9 पर मंगल का प्रभाव होता है। इनके लिए रूबी, गार्नेट और लाल रंग के रत्न शुभ होते है।

विशेष : हर रत्न शरीर में उस ग्रह से संबंधित शुभता को बढ़ता है जिससे हमारी विल पावर बढ़ती है और भाग्य में वृद्धि होती है।

संतान सुख के लिए बृहस्पति को मनाएं

''पौराणिक कथाओं के अनुसार सृष्टि के जन्मदाता ब्रह्मा हैं, जबकि लाल किताब के अनुसार बृहस्पति को सभी ग्रहों का गुरु और ब्रह्मा (सृष्टिकर्ता को प्रतीक माना गया है, इसलिए संतान सुख को लेकर जन्म कुंडली में बृहस्पति की स्थिर पर ध्यान देना)''



यदि किसी जातक की जन्म कुडली में बृहस्पति की स्थिति शुभ है और वह पहले, पांचवें या नौवें भाव में है तो जातक को संतान सुख अवश्य मिलता है। दूसरी ओर बृहस्पति के पक्के घरों यानी 2, 5, 9 और 12वें स्थान में यदि उसके शत्रुग्रह जैसे-राहु, शुक्र या बुध बैठे हों या बृहस्पति के साथ हों तो वे ग्रह शुभ प्रभाव पैदा करने वाली बृहस्पति की शक्ति क्षीण कर देते हैं। मंगल, चंद्र और सूर्य की युति से बृहस्पति का प्रभाव संतान के मामले में शुभ हो जाता है। यदि किसी की कुंडली के पांचवें भाव में बृहस्पति हो और बृहस्पतिवार को ही घर में पुत्र हो तो यह पुत्र जातक के भाग्य को जगा देता है। इसके विपरीत बृहस्पति के नौवें और इनके दुश्मन ग्रह- राहु, बुध या शुक्र के पांचवें घर में होने से संतान की ओर से माता-पिता को कष्ट मिलता है।

संतान के कारक ग्रह

लाल किताब के अनुसार केतु पुत्र तथा बुध कन्या संतान के कारक हैं। यदि संतान गर्भ में है तो उसकी सलामती जानने के लिए चंद्रमा की स्थिति देखना जरूरी है। यदि केतु की स्थिति उत्तम हो तो पुत्र प्राप्ति का योग बनता है और यदि बुध बलवान है तो पुत्री की प्राप्ति संभव है। जन्म कुंडली में केतु का आठवें या ग्यारहवें भाव में होना भी संतान सुख में बाधक होता है। आठवें भाव में केतु होने पर मंदिर या अपने कुलपुरोहित को सोना, केसर या हल्दी का दान देना शुभ है। किसी धर्मस्थान पर जाकर सफेद और काले रंग के कंबल दान करने से भी केतु का दुष्प्रभाव दुर होता है। वर्षफल के अनुसार शनि जब पांचवें घर में आ जाए तो जातक को दस साबुत बादाम धर्मस्थान पर चढ़ाना चाहिए और उनमें से पांच बादाम वापस लाकर घर में रखना चाहिए। यह क्रिया लगातार पांच दिनों तक करें। इन बादामों को वर्ष समाप्त होने पर जल के तेज प्रवाह में बहा दें। इसी प्रकार जन्म कुंडली या वर्ष कुंडली में राहु पांचवें घर में हो तो संतान की सलामती के लिए चांदी का ठोस हाथी घर में रखें।

गर्भस्थ शिशु की सुरक्षा

- गर्भवती स्त्री के बाजू पर लाल धागा बांधें और जन्म लेते ही यह धागा संतान को बांध दें। मां के बाजू पर नया लाल धागा बांधें। यह क्रिया 18 महीने तक दोहराएं।
- बच्चे के जन्म से पहले या प्रसव के लिए अस्पताल जाते समय एक नए बर्तन में दूध और अन्य बर्तन में खांड भरवाकर गर्भवती स्त्री का हाथ छुआकर एक जगह रखवा दें। जब प्रसव हो जाए तो दूध से भरा बर्तन और खांड किसी धर्मस्थान को अर्पित कर दें। बर्तन वापस न लाएं। बर्तन जितना नया और उपयोगी होगा, वह उतना ही शुभ फलदायक होगा।
- यदि माता-पिता की कुंडली में मंगल छठे भाव में या शनि पांचवें या शुक्र और बुध दोनों पांचवें भाव में हो तो इन ग्रह स्थितियों में संतान के जन्म पर मीठे के बजाय नमक से बनी खाने की वस्तु बतौर शगुन बांटें।

अद्भुत शक्तियां प्रदान करता है छ: मुखी रुद्राक्ष

रुद्राक्ष भगवान शंकर का आभूषण है। इनमें कई अद्भुत शक्तियां छुपी होती है। इस बात को विज्ञान ने भी माना है कि हर रुद्राक्ष की अपनी कुछ अलग विषेशता होती हैं। रुद्राक्ष कई समस्याओं का निदान भी करता है। यदि आपमें आत्मविश्वास की कमी है तो इसके लिए छ: मुखी रुद्राक्ष धारण करना श्रेष्ठ होता है।

छ: मुखी रुद्राक्ष पर छ: धारियां होती है। छ: मुखी रुद्राक्ष शिवजी के पुत्र कुमार कार्तिकेय की शक्ति का केन्द्र बिन्दु है। यह विद्या, ज्ञान बुद्धि देने वाला माना जाता है। छ मुखी रुद्राक्ष के विषय में कहा जाता है कि ये कई प्रकार की बुराइयों काम, क्रोध, लोभ, मोह, नष्ट करता है। इसका वर्णन शिवमहापुराण में भी मिलता है।

इसे धारण करने से मनुष्य की खोई हुई शक्तियां जागृत होती है। स्मरण शक्ति बढ़ाने के साथ ही गजब का आत्मविश्वास देता है।

बुद्धि, संकल्पशक्ति, आत्मशक्ति और रोगों से लडने की शक्ति भी प्रदान करता है। यह दरिद्रता का नाश करता है। कहा जाता है इसे पहनने से सुख सुविधाओं की प्राप्ति होती है।

इसे धारण करते समय इस मंत्र का जप करें तो यह शुभ फल देता है।

मंत्र

ऊँ ह्रीं हुं नम:



जन्मपत्रिका मिलान

हिंदू समाज में विवाह एक महत्वपूर्ण संस्कार है। अत: सुखी एवं स्वस्थ वैवाहिक जीवन के लिए लड़का-लड़की की जन्मपत्रिका का जन्म नक्षत्र के आधार पर आठ बिंदुओं पर मिलान किया जाता है, जिसे अष्टकूट मिलान कहते हैं। इसमें अंतिम एवं महत्वपूर्ण मिलान नाड़ी भकूट मिलान है। इसे आठ अंक प्रदान किए जाते हैं। नाड़ी भकूट मिलान - इसमें सत्ताइस नक्षत्रों के गुण-धर्म के आधार पर नाड़ी को तीन भागों में बांटा गया है - 1. आदि 2. मध्य 3. अन्त्य। यदि लड़के की नाड़ी आदि है तो लड़की का नाड़ी मिलान भिन्न अर्थात मध्य या अन्त्य होना चाहिए। दोनों की एक ही नाड़ी होने पर उनके शारीरिक, मानसिक स्वास्थ्य एवं संतानोत्पत्ति पर बुरा प्रभाव पड़ेगा।

नाड़ी भकूट दोष एवं परिहार :

1. यदि लड़का एवं लड़की का एक ही नक्षत्र है तो दोनों की नाड़ी एक ही होगी, जो अशुभ है, लेकिन यदि नक्षत्र के चरण अलग-अलग हैं तो नाड़ी दोष परिहार हो जाता है।
2. यदि लड़का-लड़की दोनों का जन्म नक्षत्र भिन्न है परंतु दोनों की नाड़ी एक है तो नाड़ी दोष माना जाएगा। यदि दोनों का राशि स्वामी एक है तो नाड़ी दोष परिहार हो जाता है।
3. यदि लड़का-लड़की का राशि स्वामी बुध, गुरु, शुक्र हो तो दोष परिहार होता है।

सुझाव

सब्जियों के डंठल में छिपे हैं कई लाभ



सब्जियों के डंठल को हम हमेशा बेकार समझकर फेंक देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि सब्जियों के डंठल में सब्जी से भी ज्यादा स्वास्थ्यवर्द्धक गुण होते हैं। यह आपकी दमकती त्वचा, स्वस्थ शरीर और शारीरिक मजबूती का कारण हो सकते हैं। इसमें शामिल विटामिन, एंटीऑक्सीडेंट, फाइबर, मिनरल आदि का लाभ आपके शरीर को मिल सकता है। आइए जानें कौन-कौन सी सब्जियों के डंठल आपके लिए फायदेमंद होते हैं।

चौलाई के डंठल

यह हरी पत्तेदार सब्जी जिसके डंठल हम अक्सर बेकार समझकर फेंक देते हैं। लेकिन इसके डंठल में प्रोटीन, विटामिन ए और मिनरल की प्रचुर मात्रा होती है। इस सब्जी को डंठल समेत खाने से आपके पेट और कब्ज संबंधी किसी भी प्रकार के रोग में लाभ मिलता है और चौलाई की सब्जी का नियमित सेवन करने से वात, रक्त व त्वचा विकार दूर होते हैं।

ब्रोकली के डंठल

ब्रोकली बनाते समय हम इसके डंठल फेंक देते हैं। लेकिन आपको ऐसा नहीं करना चाहिए क्योंकि इनमें विटामिन ए ही मात्रा बहुतायत में होती है। ब्रोकली के साथ डंठल को महीन-महीन काटकर पकाएं। आप चाहें तो इसका स्टॉक भी निकाल सकते हैं या सूप भी बना सकते हैं। हल्का फ्राई करके सलाद की तरह भी आप इसे खा सकते हैं।



अजवाइन के डंठल

धनिया और पुदीने के पत्तों की तरह अजवाइन की पत्तियों यानी सेलेरी सूप और सलाद का स्वाद बढ़ाने के लिए किया जाता है। लेकिन इसके डंठल को हम बेकार समझकर फेंक देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इसके डंठल में विटामिन के, ए और सी की भरपूर मात्रा के साथ-साथ इसमें एंटीऑक्सीडेंट की भी अच्छी मात्रा होती है। एक शोध के अनुसार अगर दिन में सेलेरी के चार डंठल का सेवन किया जाये तो उच्च रक्तचाप की समस्या कम हो सकती है।

रूबर्ब के डंठल



रूबर्ब कम कैलोरी वाली सब्जियों में से एक है। इसमें कुछ फीटो-न्युट्रिएंट जैसे आहार फाइबर, पॉली फिनोलिक एंटीऑक्सीडेंट, मिनरल और विटामिन बहुत अधिक मात्रा में होता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इसके डंठल भी कई प्रकार के बी-कॉम्पलेक्स जैसे फोलेट, राइबोफ्लेविन, नियासिन, विटामिन बी -6 , थाइमीन, और पैन्टोथेनिक एसिड भरपूर मात्रा में होता हैं। आप इसे कच्चा या पकाकर या विभिन्न व्यंजनों और डेसर्ट को तैयार करते समय इसे मिला सकते हैं।

वृद्धावस्था में पैरों की समस्याएं आम बात हैं तथा यह लंबे वर्षों से चली आ रही टूट फूट, अनुचित रुप से फिट जूतों,पैरों में रक्त के उचित परिसंचरण में कमी, नाखूनों को न काटा जाना तथा कुछ रोगों के कारण होती हैं। आप अपने पैरों की नियमित रुप से जांच करके तथा अपने परिवार के सदस्य अथवा पैरों के स्वास्थ्य से संबंधित विशेषज्ञ व्यक्ति द्वारा उनकी जांच करवा कर आप पैरों संबंधी समस्याओं को रोक सकते हैं। गर्म, ठंडा और बारिश का मौसम , जूतों से पैरों पर दबाव, लंबे समय तक बैठे अथवा आराम करने से तथा धूम्रपान करने से पैरों में रक्त का प्रवाह कम हो सकता है। दूसरी ओर पैरों को उपर उठा कर, खड़े होकर और शरीर को खींच कर, चहलकदमी करने तथा अन्य प्रकार के व्यायाम आदि से बेहतर रक्त संचरण संभव होता है। सौम्यता से मालिश करने तथा हल्के गर्म पानी में पैरों को रखने से भी पैरों में रक्त संचरण में वृद्धि होने में सहायता मिलती है।

पैरों पर फंगल संक्रमण

पैरों को अंधेरे, गीले तथा गर्म स्थितियों में बंद करके रखा जाता है इसलिए उन पर फंगस आदि पैदा हो जाती है। ऐसे संक्रमणों से लालिमा, फफोले, त्वचा का छीलना तथा खारिश आदि पैदा हो सकती है। यदि इनका शीघ्रतापूर्वक उपचार नहीं किया जाता है तो संक्रमण जीर्ण रोग का रुप ग्रहण लेते हैं और उनका इलाज करना बहुत ही कठिन कार्य हो जाता है। संक्रमण को रोकने के लिए पैरों, विशेषकर अंगुलियों के बीच के हिस्सों को साफ सुथरा तथा शुष्क रखें और जब भी संभव हो पैरों को धूप और हवा लगाएं। यदि आपको अपने पैरों फंगल संक्रमण होता रहता है तो आपको प्रतिदिन अपने पैरों पर फंगलरोधी पाउडर का छिड़काव करना चाहिए। कभी कभी शुष्क त्वचा से पैरों में खारिश तथा जलन उत्पन्न हो जाती है। शुष्कता को प्रतिदिन टांगों तथा पैरों पर लोशन लगा कर और हल्के साबुन लगा कर दूर किया जा सकता है।

कॉर्न या घट्टे की उत्पति

कॉर्न अथवा घट्टे आदि की उत्पत्ति जूते के साथ हड्डियों से घर्षण और दबाव से उत्पन्न होती है तथा यह पीड़ादायक हो सकती है। कॉर्न के उपचार के लिए शल्य चिकित्सा करनी पड़ती है। अपने आप कार्न अथवा घट्टों को छीलने से हानि हो सकती है,विशेषरुप से जब आप मधुमेह अथवा निम्न रक्त संचरण से पीड़ित हैं। इसलिए यह बेहतर होगा कि आप सही सलाह के लिए अपने डाक्टर से संपर्क करें।





चेहरे की तरह करें पैरों की देखभाल, बरते सावधानी

त्वचा की वृद्धि



वायरस की वजह से त्वचा की वृद्धि को वार्ट कहा जाता है। अक्सर यह पीड़ादायक होते हैं और यदि इनका उपचार नहीं किया जाता है तो यह फैल जाते हैं। शल्यचिकित्सा अथवा रसायन के साथ इसको जला देना अक्सर उपयोगी साबित होता है। जब नाखून का कोई टुकड़ा त्वचा को भेद देता है तो अंगूठे का नाखून त्वचा में घुस जाता है तथा ऐसा नाखून को उचित रुप से न काटने के कारण होता है। इसे त्वचा को काट कर हटाया जा सकता है तथा बिना संक्रमण के इसका उपचार करने के उपाय किए जा सकते हैं। पैरों की अंगुलियों के नाखूनों को सीधे सीधे काट कर तथा अंगुली के स्तर के साथ मिलान करते हुए त्वचा भेद कर नाखून के विकास को रोका जा सकता है।



हड्डी का बाहर बढ़ना

लम्बे समय तक खड़े रहने, पूरी तरह से फिट जूते न पहनने अथवा आवश्यकता से अधिक वजन होने के कारण पैर की हड्डी का बाहर बढ़ने को पदकंट कहा जाता है। पदकंट के इलाज में पैर के लिए उचित सपोर्ट, हील पैड्स, हील कप, दवा इंजेक्शन शामिल हैं तथा इसके लिए कभी कभी शल्य चिकित्सा भी करनी पड़ती है। मधुमेह से पीड़ित व्यक्तियों को अक्सर पैरों पर फफोले तथा संक्रमण हो जाता है। उन्हे विशेष रुप से बहुत अधिक ठण्ड़े अथवा बहुत अधिक गर्म पानी से बचना चाहिए, अपने पैरों की चोट अथवा संक्रमण के लिए निरन्तर जांच करनी चाहिए और धारदार वस्तुओं अथवा सतहों पर कदम आदि नहीं रखने चाहिए।

सर्दियों में पैरों की देखभाल

- पैरों की देखभाल के लिए फुट बाथ बहुत जरूरी है। इससे पैरों की त्वचा मुलायम होती है, साथ ही पैरों को थकान भी महसूस नहीं होगी। एक टब में गर्म पानी रखें और पैरों को टॉवल से लपेटने के बाद टब में पैरों को रखें। इससे बॉडी का टेंपरेचर बढ़ता है और पसीना आता है। यह पसीना पैरों के लिए बहुत जरूरी होता है। आप चाहें तो टब के पानी में नींबू का रस व एक कप ओटमील भी डाल सकती हैं।
- एक टब में कुनकुना पानी भरें और उस पानी में थोड़ा नमक भी डाल लें। अब इस पानी में पैरों को 10 मिनट तक रखें फिर साफ नैपकिन से पोंछ लें। अब पैरों के नीचे दो तकिये रखकर लेट जाएं। इससे आपके पैरों को काफी आराम मिलेगा।
- रोजाना नहाते समय पैरों को साबुन से धोएं। एड़ी को भी स्क्रब करें, ताकि उस पर मैल जमा न हो सके। सर्दियों में मोजे-जूते पहनने के पहले पैरों पर थोड़ा टेलकम पावडर लगाएं, ताकि पैरों में नमी न रहे।

आपको नुकसान पहुंचा रहा है मोबाइल रेडिएशन



मोबाइल फोन स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, इससे तो सभी वाकिफ हैं। अब नया तथ्य सामने आया है कि यह सड़क से अधिक घर और दफ्तर में नुकसान पहुंचा रहा है। इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और मोबाइल का रेडिएशन मिलकर शरीर पर दोगुना नकारात्मक प्रभाव डालते हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अध्ययन में यह बात सामने आई है।

जब हम मोबाइल फोन पर बात करते हैं तो वह सिंगल वेवलेंग्थ (तरंगदैर्ध्य) के जरिये सेल टावर से जुड़ता है। जितनी देर तक बात होती है, उतने समय तक हानिकारक तरंगें शरीर और त्वचा को प्रभावित करती हैं। घर के बाहर सड़क या पार्क आदि में सिर्फ मोबाइल फोन और सेल टावर के रेडिएशन से ही प्रभाव पड़ता है, लेकिन घर या दफ्तर में यह प्रभाव बढ़ जाता है। कंप्यूटर, टीवी, रेडियो एफएम, हीटिंग-लाइटिंग लैंप, माइक्रोवेवओवन और आसपास से गुजर रही बिजली की लाइनें भी कई सिग्नलों से तरंगें उत्पन्न करती हैं। इनका इलेक्ट्रोमैगनेटिक रेडिएशन मोबाइल के रेडिएशन और सेल टावर के सिग्नल से ट्रांसमिट करता है। इससे शरीर पर पड़ने वाला दुष्प्रभाव दोगुना हो जाता है।



शरीर में ऑक्सीडेंट की मात्रा बढ़ जाती है। थकावट, सिरदर्द, अनिद्रा, कानों में घंटियां बजने, जोड़ों में दर्द और याददाश्त कमजोर होने जैसी समस्याएं सामने आती हैं।

« मोबाइल फोन का सीधे उपयोग न करें इयर फोन सें बात करे।

« मोबाइल को कान पर लगाएं तो नीचे से पकड़े, पूरा फोन नहीं।

« लंबी बातें करने के लिए सामान्य लैंड लाइन फोन का प्रयोग करें।

« मोबाइल फोन का प्रयोग सही मुद्रा में खड़े होकर या बैठ कर ही करें।

« रेडिएशन से बचाव के कुछ उपाय रेडिएशन व इलेक्ट्रोमैगनेटिक तरंगें भी शरीर के लिए नुकसानदायक हैं।

« मोबाइल फोन का उपयोग थर्मल प्रभाव भी उत्पन्न करता है। अधिक देर तक कान पर लगाए रखने से गर्माहट पैदा होती है, जिससे त्वचा को नुकसान पहुंचता है।

अमरूद से भी ज्यादा फायदेमंद हैं उसके पत्ते



अमरूद ऐसा फल है जो स्वादिष्ट होने के साथ-साथ कई तरह के स्वास्थ्य गुणों से भी भरपूर है। हममें से ज्यादातर लोग इससे अनजान हैं कि अमरूद के पत्ते भी बहुत फायदेमंद होते हैं। अमरूद के पत्तों में मौजूद ऐंटीऑक्सिडेंट, ऐंटीबैक्टीरियल और ऐंटीइंफ्लेमेटरी गुण कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं को दूर करने में मदद करते हैं। आइए जानते हैं अमरूद के पत्तों के फायदे...

पाचन तंत्र को दुरुस्त रखता है

अमरूद के पत्ते पाचन एंजाइम के उत्पादन को बढ़ाकर पाचन तंत्र को दुरुस्त रखने में मदद करते हैं। इसमें मौजूद शक्तिशाली एंटी-बैक्टीरियल एजेंट प्रभावी ढंग से हानिकारक बैक्टीरिया को नष्ट करने और बैक्टीरिया से विषाक्त एंजाइमों के प्रसार को रोकने में मदद करता है। अमरूद के पत्ते फूड प्वाइजनिंग, उल्टी और मतली से भी राहत प्रदान करते हैं।

डायरिया में अमरूद के पत्ते से लाभ

अमरूद के पत्ते डायरिया और पेचिश में काफी फायदेमंद हैं। 30 ग्राम अमरूद के पत्ते और एक मुट्ठी चावल के आटे को दो गिलास पानी में मिलाकर उबाल लें। डायरिया के इलाज के लिए इस मिश्रण को दिन में दो बार पिएं। पेचिश के इलाज के लिए, अमरूद के पत्तों और जड़ों को लेकर 90 डिग्री पर 20 मिनट के लिए उबालें। इस पानी को छानकर दिन में दो बार पीने से राहत मिलेगी।

वजन में कमी लाने में उपयोगी

अमरूद के पत्ते जटिल स्टार्च को शुगर में बदलने की प्रक्रिया को रोकते हैं, इससे शरीर के वजन को घटाने में सहायता मिलती है। अमरूद के पत्ते कार्बोहाइड्रेट की गति को रोकते हैं, जो उपलब्ध यौगिक के रूप में लिवर में टूटता है और वजन घटाने में मदद करता है।

कार्डियोवस्कुलर प्रभाव

अमरूद के पत्ते में मौजूद तत्व ब्लड प्रेशर और हार्ट रेट की दर को कम करने में मदद करते हैं। अमरूद के पत्तों से बनी चाय के सेवन से ब्लड लिपिड, ब्लड में कोलेस्ट्रॉल का निम्न स्तर और अस्वस्थ ट्राइग्लिसराइड्स में सुधार करने में मदद मिलती है।

भीगे किशमिश पौष्टिक तत्वों का स्रोत

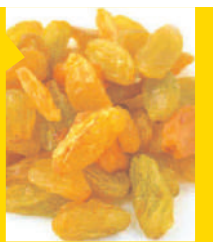

भीगे हुए किशमिश आयरन, पोटाशियम, कैल्शियम, मैग्नेशियम और फाइबर से भरपूर होते हैं। इसलिए इन्हें हेल्दी डाइट में शामिल किया जा सकता है। इसमें प्राकृतिक शुगर भी बहुतायत में मौजूद होता है। किशमिश वास्तव में सूखे हुए अंगूर होते हैं। ये कई रंगों में मौजूद होत हैं मसलन गोल्डर, हरा और काला। इसके अलावा आप कई सब्जियों के स्वाद को बेहतर बनाने के लिए भी किशमिश का इस्तेमाल कर सकती हैं।

रेसिपी



क्रंची आलू बॉल्स

सामग्री

3 उबले आलू, 2 हरी मिर्च बारीक कटी हुई, 2 बड़ा चम्मच बारीक कटी हुई धनिया पत्ती , 1 छोटा चम्मच जीरा पाउडर , 1 छोटा चम्मच नींबू का रस , 4 बड़ा चम्मच मैदा , 2 बड़ा चम्मच ब्रेड क्रम्ब्स , नमक स्वादानुसार , पानी जरूरत के अनुसार , तेल तलने के लिए

विधि

सबसे पहले एक बड़े बॉउल में आलू को मैश करें और इसे सभी सामग्रियों के साथ अच्छी तरह से मिक्स कर लें। अब इस मिश्रण से छोटे-छोटे बॉल्स बनाएं और एक प्लेट में तेल लगाकर इसे चिकना कर बॉल्स को इसमें रखते जाएं। एक दूसरी कटोरी में मैदा, नमक और पानी को मिक्स कर इसका गाढ़ा पेस्ट तैयार कर लें। अब इन बॉल्स को मैदे में डिप करें और एक प्लेट में ब्रेड क्रम्ब्स फैलाकर बॉल्स पर पूरी तरह से लगा लें। धीमी आंच में एक पैन में तेल गर्म करने के लिए रखें। तेल के गर्म होते ही आलू के तैयार बॉल्स को पैन में डालें और इन्हें सुनहरा होने तक फाई कर लें। आलू बॉल्स तैयार है इसे हरी चटनी या टोमैटो केचप के साथ गर्मागर्म सर्व करें।



बादाम कुल्फी

सामग्री

2 कप बारीक कटा हुआ बादाम, 2 कप कंडेंस्ड मिल्क , आधा कप दूध , 8 बड़ा चम्मच क्रीम
1 छोटा चम्मच केसर , 1 बड़ा चम्मच साबुत बादाम
सजावट के लिए, आधा चम्मच केसर
1 बड़ा चम्मच साबुत बादाम

विधि

एक बड़े बर्तन में बादाम, क्रीम और कंडेंस्ड मिल्क को अच्छी तरह से फेंटकर इसका गाढ़ा पेस्ट बना लें। धीमी आंच में एक पैन में दूध उबालने के लिए रखें और इसमें केसर भी डाल दें। जब केसर दूध में अच्छी तरह से मिक्स हो जाए और दूध का कलर भी बदल जाए तब आंच बंद कर दें और इसे ठंडा होने के लिए रख दें। अब केसर वाले दूध को तैयार पेस्ट के साथ मिला लें। धीमी आंच में एक तवे में साबुत बादाम को सूखा भून लें और इन्हें बारीक काट लें। इनमें से कुछ बादाम कुल्फी मिक्सचर में मिला लें और कुछ गार्निश के लिए अलग रख दें। अब इस तैयार मिक्सचर को कुल्फी के सांचे में डालें और ढक्कन लगाकर इसे लगभग 4 घंटे के लिये फ्रीजर में रख दें। तय समय के बाद कुल्फी को सांचे से निकालें और भूने बादाम और केसर से गार्निश कर ठंडी-ठंडी सर्व करें।

साइकिल चलाने के फ़ायदे

आप वज़न घटाने की कोशिशों में लगे हुए हैं तो हमारी सलाह पर एक बार साइक्लिंग करके देखें ज़ल्द ही आप अपनी जान-पहचान के सबसे फ़िट लोगों में शुमार हो जाएंगे। आइए जानते हैं नियमित रूप से साइकिल चलाने के फ़ायदे

रोगप्रतिरोधक क्षमता होगी स्ट्रॉन्ग

नियमित रूप से साइक्लिंग करने से इम्यून सिस्टम मज़बूत बनता है। जो लोग सप्ताह में कम से कम पांच दिन आधा घंटा साइकिल चलाते हैं, उनके बीमार पड़ने की संभावना 50 प्रतिशत तक कम हो जाती है।

दिल रहेगा सेहतमंद

साइकिल चलाते समय दिल की धड़कने बढ़ जाती हैं, जिससे शरीर में रक्तसंचार ठीक हो जाता है। इसके चलते दिल के दौरे जैसी समस्याएं नहीं आतीं। दिल से जुड़ी दूसरी बीमारियां होने का ख़तरा काफी कम हो जाता है।

तनाव से मिलेगी राहत

विभिन्न अध्ययनों में पाया गया है कि नियमित रूप से साइकिल चलानेवाले तनाव और अवसाद का शिकार दूसरों की तुलना में कम होते हैं।

बढ़ेगा स्टैमिना

साइक्लिंग करने से ब्लड सेल्स और स्किन में ऑक्सीजन की पर्याप्त आपूर्ति होती है। इससे आपकी त्वचा ज्यादा अच्छी और चमकदार दिखती है। आम हमउम्र लोगों की



तुलना में अधिक जवां दिखते हैं। सिर्फ जवां दिखते ही नहीं, आपका शरीर वास्तव में और जवां बन जाता है। आप महसूस कर सकते हैं कि स्टैमिना बढ़ गया है और शरीर में नई ऊर्जा और ताक़त आ गई है।

मांसपेशियां होंगी मज़बूत

जो लोग साइक्लिंग मे मुरीद हैं उनकी मांसपेशियां काफ़ी मज़बूत होती हैं, ख़ासकर पैरों की दरअसल, साइक्लिंग से पैरों की अच्छी एक्सरसाइज़ हो जाती है। वैसे देखा जाए तो साइक्लिंग से पूरे शरीर का अच्छा व्यायाम हो जाता है।

संतुलन साधने में मिलेगी मदद

साइक्लिंग का एक बड़ा फ़ायदा यह भी है कि इससे शरीर के सभी अंगों के बीच अच्छा समन्वय स्थापित हो जाता है। हाथ, पैर, आंखें इन सभी के बीच अच्छा कॉर्डिनेशन होना शरीर के ओवरऑल संतुलन को बेहतर करता है। इतना ही नहीं, यदि आपको बाइक या स्कूटी चलाना सीखना है तो साइक्लिंग की जानकारी आपके बड़े काम आ सकती है।

काले कपड़ों की सफाई



काले रंग के कपड़े घर की हर अलमारी में पाए जाते हैं। इसे पहनना काफी लोग पसंद करते हैं, लेकिन यह बहुत ही जल्दी धुलने के बाद फेड भी हो जाते हैं। हमेशा काले रंग के कपड़ों को अलग से साफ करें। गहरे और हल्के रंग के कपड़ों को नहीं मिलाना चाहिए वरना उन पर एक दूसरे का रंग चढ़ जाएगा।कभी भी काले रंग के कपड़ों को 10-15 मिनट से ज्यादा पानी में नहीं भिगोए रखना चाहिए। इससे गहरे रंग के कपड़े जल्दी ही फेड होते हैं। हमेशा काले रंग के कपड़े को धोते वक्त उन्हें उल्टा कर लें। इससे वे बाहर की ओर फेड नहीं होंगे। कपड़े को दो या तीन बार पहनने के बाद ही धोएं। कपड़ों को सूख जाने के बाद उठा लेना चाहिए। ज्यादा देर धूप में कपड़ों का रंग फेड हो जाता है।

जिज्ञासा

कुदरती गीजर क्या हैं?



आपने गर्म पानी के चश्मों के बारे में किसी ना किसी से जरूर सुना होगा। कहीं ना कहीं से आपने यह बात जरूर सुनी होगी कि फलां जगह से गर्म पानी के चश्मे फूटते हैं। पर क्या आपने सोचा है कि इस पानी को प्राकृतिक रूप से गर्म कौन कर देता है। या यह कुदरती गीजर क्या हैं, जिनके कारण धरती के जीतर से निकलने वाला पानी गर्म हो जाता है?

आपने घरों में लगे गीजर तो देखे ही हैं। यह पानी गर्म करने के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं। इसी प्रकार गीजर एक प्रकार का गर्म पानी का स्रोत होता है, जो समयसमय पर धरती के कुछ हिस्सों में फूटता है। इसमें से गर्म पानी और भाप निकलती है। गीजर के लिए अनुकूल जल भौमिकी की आवश्यकता होती है, जो पृथ्वी के कुछ ही स्थानों पर मौजूद है। असल में पृथ्वी की सतह का पानी जमीन के अंदर जाकर जमा होता है और ऐसी चट्टान से टकराता है, जो मैग्मा से तप रही हो। इससे पानी गर्म होने लगता है और फिर ऊपर उठता है और किसी चट्टान की दरार से होकर बाहर फूट पड़ता है।

दुनिया में कोई एक हजार गीजर हैं, जिनमें से आधे अमरीका के यैलोस्टोन नैशनल पार्क में हैं। गर्म पानी का इस्तेमाल करने के लिए बिजली की जिस मशीन (गीजर) का इस्तेमाल होता है, उसका नाम भी शायद इसी पर पड़ा होगा। चूंकि जमीन से फूटने वाले गर्म पानी के इन चश्मों को वैज्ञानिक भाषा में गीजर ही कहा जाता है।

फॉरबिडन सिटी

फॉरबिडन सिटी में सिर्फ सम्राट के परिवार के सदस्य या उनके संबंधी ही प्रवेश कर सकते थे, आम जनता को यहां आने की मनाही थी। दुनिया की नजरों से दूर रहने के कारण ही विदेशियों ने इसे नाम दिया- फॉरबिडन सिटी यानी वर्जित शहर..

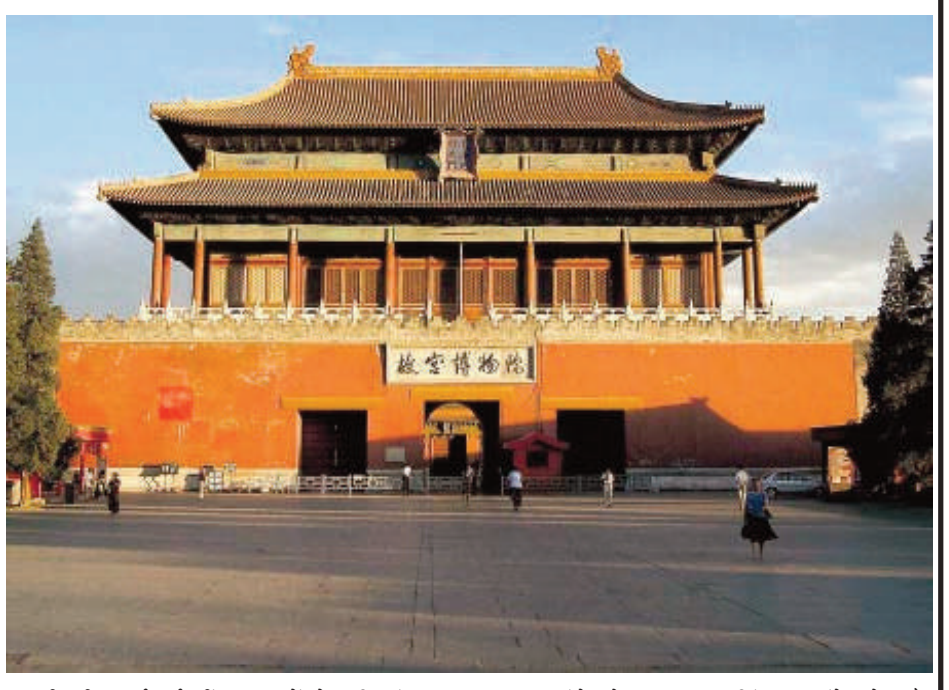

फॉरबिडन सिटी मिंग सम्राज्य से लेकर किंग साम्राज्य के अंत तक लगभग 500 साल तक चीन के सम्राटों का शाही महल और चीनी सरकार की राजनीतिक गतिविधियों का केंद्र रही है। 1987 में इसे यूनैस्को द्वारा वर्ल्ड हैरिटेज साइट घोषित कर दिया गया। बीजिंग के मध्य में स्थित फॉरबिडन सिटी को अब पब्लिक – यूजियम बना दिया गया है। इसका सरकारी नाम 'पैलेस –यूजियम' है, जिसे देखने दुनियाभर से लाखों लोग आते हैं।

चीन में बीजिंग के लोग उस 'पर्पल सिटी' को देखकर आश्चर्यचकित होते थे, जो उनसे चालीस फुट ऊंची दीवार के पीछे छुपा कर रखी गई थी, जहां उनके सम्राट रहा करते थे। किसी धूप खिले दिन में जो उन्हें दिखता था, वह थी हल्के बैंगनी रंग की टाइलों वाली इसकी छतें। किसी भी आम व्यक्ति को वहां काम करने की इजाजत नहीं थी, शहर के साधारण लोगों को कभी महल के भीतर आने के लिए निमंत्रण नहीं मिलता था, यहां तक कि इसे करीब से देखने की भी इजाजत नहीं थी। इसमें सिर्फ सम्राट के परिवार के सदस्य या उनसे संबंध रखने वाले लोग ही प्रवेश कर सकते थे।

सम्राट खुद को पृथ्वी का केंद्र मानता था और जो लोग उसके इस स्वर्ग को स–मान नहीं देते थे, उनको कड़ी सजा दी जाती थी। इसी कारण विदेशियों ने महल के इस क्षेत्र को 'द फॉरबिडन सिटी' का नाम दिया।

फॉरबिडन सिटी का इतिहास

मिंग साम्राज्य के सम्राट जहू दी ने अपना सरकारी तख्त नानजिंग से नई राजधानी बीजिंग मे स्थानांतरित करने का फैसला किया। कला के खजानों से भरपूर फॉरबिडन सिटी का निर्माण 1406–1420 ईस्वी के दौरान हुआ। इस काम पर एक लाख कारीगर तथा दस लाख गुलाम कुली लगाए गए। सम्राट के लिए आरक्षित 178 एकड़ जगह में एक शाही महल, शाही परिवारों से जुड़े महत्वपूर्ण व्यक्तियों के लिए आवास और आधिकारिक समारोहों के लिए औपचारिक हाल बनाए गए। 720,000 वर्गमीटर (74 हैक्टेयर) में बनी फॉरबिडन सिटी में 800 इमारतें हैं, जिनमें कुल 9,000 कमरे हैं।

फॉरबिडन सिटी मिंग साम्राज्य के 14 और किंग साम्राज्य के 10 सम्राटों का शाही आवास रहा है। विदेशी आक्रमणों के दौरान भी फॉरबिडन सिटी को काफी नुकसान झेलना पड़ा। 1860 में दूसरे ओपियम युद्ध के दौरान एंगलो–फ्रैंच सैनिकों ने फॉरबिडन सिटी पर कब्जा कर लिया था और लड़ाई के खत्म होने तक यह उनके पास ही रहा। 1933 में जापान ने घुसपैठ करके फॉरबिडन सिटी का सारा खजाना ले लिया, हालांकि दूसरे विश्व युद्ध के बाद इसका कुछ हिस्सा उसने चीन को वापस लौटा दिया। माओ–त्से–तुंग की सा–यवादी विजय के बाद इस महल को जनता के लिए खोल दिया गया। दर्शकों की अथाह भीड़ इसमें प्रवेश पाने के लिए 'नून गेट' पहुंच गई, जहां से यह प्रसिद्ध 'हाल ऑफ दी आईएस्ट हार्मनी' में पहुंची, जो लकड़ी से बनाई गई सत्रहवीं शताब्दी की इमारत है। इसे कीलों की बजाय लकड़ी की खूंटियों से आपस में जोड़ा गया था।

महल की आंतरिक सज्जा

पहले फॉरबिडन सिटी की अधिकांश इमारतें लकड़ी की बनाई गई थीं, पर इनमें से अधिकांश जल कर नष्ट हो गईं। जब इनका पुनर्निर्माण किया गया, तो इनमें बहुत बदलाव कर दिए गए। फॉरबिडन सिटी की आज की वास्तुकला मुख्य रूप से 18वीं शताब्दी की है। हाल का भीतरी भाग 115 फुट ऊंचा है और इसकी छत को सख्त लकड़ी के बने 24 सतंभों से सहारा दिया गया है। इसमें से आधों पर सोने का पत्तर चढ़ाया गया है। हाल के मध्य में शाही सिंहासन है। इस पर भी सोने का पत्तर चढ़ा है। इसके पीछे छत के ऊपर से लटकता एक ड्रैगन है। यहीं से सम्राट 'स्वयंभू दिव्य पुत्र' के तौर पर अपने दरबारियों को आदेश और निर्देश जारी करते थे।

दूसरा शाही सिंहासन इसके साथ वाले 'हॉल ऑफ परफैक्ट हार्मनी' में स्थित है। यद्यपि इस पर तड़क–भड़क वाली सजावट कम की गई है। स्वर्ग तथा पृथ्वी के बीच तीसरे 'गार्डियन ऑफ हार्मनी हाल' का इस्तेमाल सभाओं और दावतों के लिए किया जाता था। आज पीपुल्स रिपब्लिक यहां अपने पुरातात्विक खजानों की नुमाइश लगाता है।

इस प्रदर्शनी में दिखाई जाने वाली वस्तुओं के अलावा कला के और भी बहुत से नमूने फॉरबिडन सिटी में प्रदर्शित किए गए हैं। इसके इंटीरियर्स में अनमोल रूम पार्टीशंस तथा नक्काशी की गई है। इसमें चीनी पौराणिक कथाओं से लिए जानवरों की पत्थर तथा कांस्य से बनी विशाल प्रतिमाएं हैं, जिनमें कछुए और सारस लंबी आयु और सिंह शाही ताकत के प्रतीक हैं। एक विशेष रूप से भयानक पंजे को ऊपर उठाए सिंह यह संदेश देता है कि सम्राट उनको कुचल देगा, जो उसकी आज्ञा नहीं मानेंगे।

महल के भीतर 9,000 अलग–अलग कमरे हैं। सारा साल असंख्य हिजड़ों और रखैलों के लिए नए कमरों की जरूरत पड़ती थी। पार–परिक रूप से सम्राट को तीन पत्नियां, पसंद की छह औरतें और 72 रखैलें रखने की आज्ञा थी, लेकिन सम्राट के लिए यह पर्याप्त नहीं थीं। चीन के संबंध में विशेषज्ञों ने पाया है कि चीन में कुछ 'दैवीय पुत्रों' की 2000 तक रखैलें होती थीं। अपनी स्थिति दर्शाने के लिए महिलाएं सोने की जंजीरें पहनती थीं, जिन पर उनकी जन्मतिथि और स्थान का नाम खुदा होता था। ये आभूषण भी यहां देखे जा सकते हैं।

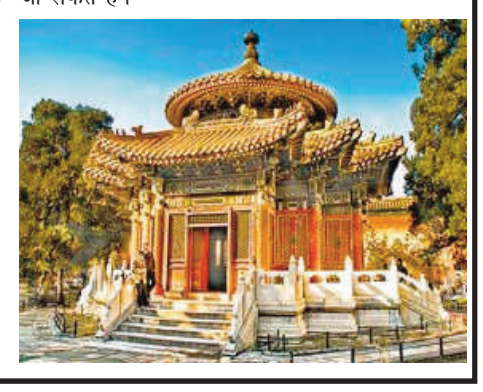

हमारे पशु

नाक पर है सींग



गैंडा जंगली जानवरों की श्रेणी का वीर योद्धा है। उसकी विशेषता उसके नाक पर सींग का होना है। नाक पर लंबे–लंबे और अति मोटे बाल एक लेसदार पदार्थ से चिपककर सींग का रूप धारण कर लेते हैं। सींग का नाक की हड्डी से कोई संबंध नहीं होता। शत्रु पर वह सींग से प्रबल प्रहार करता है।

प्राचीन काल में गैंडे की खाल से ढाल बनाए जाते थे। तलवार के वार का उस पर कोई असर नहीं होता। किंतु यह विचार गलत है कि गोली का उस पर असर नहीं होता। गैंडा शाकाहारी जंतु है। उसका प्रधान भोजन लंबी घास है, किंतु वह सींग से जड़ें खोदकर भी खाता है। गैंडा उन जंगलों में रहता है, जहां लंबी घास होती है। दिन के समय वह घंटों कीचड़ में पड़ा रहता है। दलदल या छिछले तालाबों के सूख जाने पर, वह स्थान बदल लेता है। घास के घने जंगलों में गैंडे अपने मार्ग बना लेते हैं। इन संकरे रास्तों से वे प्रतिदिन गुजरते हैं, जो लंबी घास के झुकने के कारण सुरंग की भांति बन जाते हैं। गैंडा इन खुफिया रास्तों से लंबी–लंबी दूरियां बिना देखे तय कर लेता है।

अन्य भारी पशुओं की तरह गैंडा भी आलसी तथा आराम तलब स्वभाव का होता है। पेट भरने के बाद चुपचाप एकांत में जाकर लेटता है। उसकी खाल की परतों में बड़ी संख्या में कीड़े रहते हैं। इन्हें खाने के लिए प्रत्येक गैंडे के साथ कई पक्षी रहते हैं। वे गैंडे को कीड़ों से ही छुटकारा नहीं देते, बल्कि उसे सचेत भी करते हैं। इनकी संकेत ध्वनि को गैंडा खूब समझता है, पक्षियों की खतरे की सूचना पाते ही भाग खड़ा होता है।

जानें अपने देश को...

भारत को कभी सोने की चिड़िया कहा जाता था। इसने दुनिया को बहुत कुछ दिया। आइए इसके बारे में कुछ और तथ्यों पर नजर डालें–

- सबसे प्राचीन उपचार प्रणाली आयुर्वेद है। आयुर्वेद की खोज 2500 साल पहले भारत में ही की गई थी।



- बीजगणित और रेखा गणित की खोज भी भारत की धरती पर ही हुई।
- अब यह भी साबित हो चुका कि विश्व प्रसिद्ध खेल शतरंज की खोज भी भारत में ही हुई थी।
- हिंदू, बौद्ध, जैन अथवा सिख धर्मों का उदय भी यहीं हुआ।
- कम्प्यूटर के लिए सबसे उपयु त भाषा भी संस्कृत ही मानी है, जो प्राचीन भारत की बोलचाल की भाषा हुआ करती थी।
- अंकगणित का आविष्कार 100 ईसा पूर्व भारत मे हुआ था।
- हमारी संस्कृत भाषा सभी भाषाओं की जननी मानी जाती है। यूरोपीय भाषाएं भी संस्कृत पर आधारित मानी जाती है।
- संसार का प्रथम विश्वविद्यालय 700 ईपू तक्षशिला में स्थापित की गई थी। फिर चौथी शताब्दी में नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना की गई।
- 5000 वर्ष पूर्व जब अन्य संस्कृतियां खानाबदोश व वनवासी जीवन जी रही थीं, तब भारतीयों ने सिंधु घाटी की सभ्यता में हड़प्पा संस्कृति की स्थापना की।
- महर्षि सुश्रुत सर्जरी के आविष्कारक माने जाते हैं। 2600 साल पहले उन्होंने अपने समय के स्वास्थ्य वैज्ञानिकों के साथ प्रसव, मोतियाबिंद, कृत्रिम अंग लगाना, पत्थरी का इलाज और प्लास्टिक सर्जरी जैसी कई तरह की जटिल शल्य चिकित्सा के सिद्धांत प्रतिपादित किए।

क्यों आता है तूफान

जब नमी से भरी हुई ढेर–सी गर्म हवा तेजी से ऊपर की ओर उठती है तब तूफान आते हैं। तुमने तूफान की शुरुआत से पहले हवा को तेज होते हुए देखा होगा। जब बादल को बड़े होते जाते हैं और गहरे होते हुए आसमान में अंधेरा छाने लगता है। ये तूफान के लक्षण हैं। बादलों के अंदर पानी के कण तेजी से घूमते हैं और आपस में टकराते हैं, जिससे बिजली पैदा होती है। बिजली पैदा होने का काम तब–तक चलता रहता है जब तक वह बड़ी–सी चिंगारी बनकर एक बादल से दूसरे बादल तक होती हुई धरती तक जोरदार चमक बन कर कौंध नहीं जाती।



डांस के जरिए मैसेज



मधुमक्खियां विगल डांस के जरिए अपने साथियों को खतरे के प्रति आगाह कर देती हैं। ऐनिमल बिहेवियर मैग्जीन में छपी स्टडी में बताया गया है कि अगर फूलों के आस–पास मंडराते समय उन्हें खतरे का आभास होता है, तो वे अपने ही अंदाज में अपने साथियों को खतरे का मैसेज भेज देती हैं।

इस बात की जानकारी वैज्ञानिकों को उस समय हुई, जब उन्होंने मरी हुई मधुमक्खियों को फूलों के पास रख दिया। फिर उन्होंने अध्ययन किया कि वहां आने वाली अन्य मधुमक्खियां खतरे के प्रति क्या प्रतिक्रिया देती हैं। अध्ययन से पता चला कि खतरे को भांपते ही वे एक अनोखे डांस (वैगल डांस) के जरिए दूसरी मधुमक्खियों तक संदेश पहुंचा देती हैं कि आगे खतरा है।

जब मधुमक्खियां अपने छत्ते की ओर वापस आती हैं, तो ये एक जटिल किस्म का डांस करती हैं। इसके बाद वैज्ञानिकों ने एक नया प्रयोग किया, मधुमक्खियों को दो कृत्रिम फूलों के पास भेजा गया, जिनमें एक समान खाना उपलब्ध था। इनमें से एक फूल पर दो मरी हुई मक्खियों को रख दिया गया। वैज्ञानिकों ने पाया कि जब मधुमक्खियां ऐसे फूलों के पास से वापस आती हैं, जहां उन्हें भरपूर भोजन मिलेगा, तो वे 20–30 बार ज्यादा डांस करती हैं।

लेकिन यदि उन्हें लगता है कि फूलों के आस–पास मकड़ियों आदि के जाल में फंसने का खतरा है, तो वे छत्ते पर लौटकर ऐसा नहीं करतीं। इसका मतलब यह हुआ कि मधुमक्खियां यह पता लगा लेती हैं कि कुछ फूलों के पास जाना खतरनाक हो सकता है।

बहादुर मोर



मोर बहुत कम उड़ते हैं। जब आपात स्थिति हो, तब एक पेड़ से दूसरे पेड तक, नदी के एक किनारे से दूसरे किनारे तक उड़ते हैं। इसकी दृष्टि व सूंघने की शक्ति तेज होती है।

हम बताएं, आप बनाएं



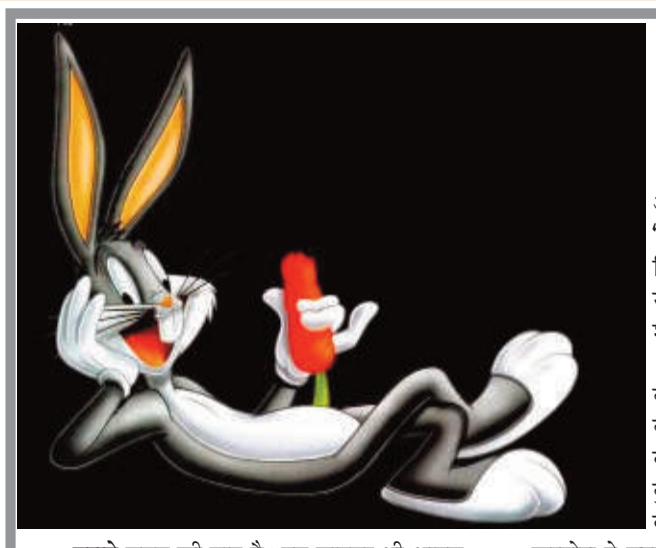

चालाक खरगोश

पुराने समय की बात है। तब जानवर भी आपस में मनुष्यों की तरह बातें किया करते थे। जंगल में सभी जानवर मिल–जुलकर प्यार से रहा करते थे। किसी भी जानवर को एक– दूसरे से किसी तरह की कोई परेशानी नहीं थी। सभी मिल–बांटकर खाते–पीते थे। जंगल का सारा काम– काज बड़े अच्छे तरीके से चल रह था।

ईमानदारी इतनी थी कि हर जानवर एक–दूसरे पर अंधा विश्वास करता था। सभी जानवर अपना–अपना काम पूरी ईमानदारी से पूरा करते थे। इसी जंगल में एक खरगोश का जन्म हुआ। धीरे–धीरे वह बड़ा हुआ। किसी को यह पता नहीं था कि वह इतना चालाक होगा। जैसे–जैसे वह बड़ा होता गया, उसकी चालाकियां सामने आने लगीं। वह दूसरे जानवरों के साथ कई तरह की चालाकियां करके उन्हें तंग करता। कई जानवर उससे परेशान रहने लगे। इसी जंगल में एक सियार से उसकी दोस्ती हो गई। दोनों सारा दिन इकट्ठे खेलते–कूदते। हर काम एक–दूसरे से पूछकर करते। एक दिन वे दोनों पहले की तरह आपस में खेल रहे थे। खेलते–खेलते वह एक गांव की ओर चल दिए। जब वे काफी दूर तक निकल आए, तो वहां पर उन्हें दो रास्ते मिले। एक रास्ता चमड़े का था और दूसरा लोहे का था। सियार बोला, 'मैं, चमड़े वाले रास्ते से जाऊंगा।' सियार चमड़ेवाले रास्ते चल पड़ा और खरगोश ने लोहेवाले रास्ते पर चलना शुरू किया।

लोहेवाले रास्ते में एक बाबाजी की कुटिया मिली। खरगोश को जोर की भूख लगी थी, इसलिए वह तो बाबाजी की कुटिया में घुस गया। कुटिया में इधर– उधर देखा, तो उसे वहां पेड़े मिले।

खरगोश ने डटकर पेड़े खा लिए और फिर कुटिया का दरवाजा बंद करे वह वहां आराम से सो गया। कुछ देर बाद बाबाजी आए। अपनी कुटिया का दरवाजा बन्द देखा, तो उन्होंने पूछा, 'मेरी कुटिया में कौन है?'

अंदर से खरगोश ने बड़े रौब के साथ कहा– 'मैं खरगोश हूं खरगोश!

बाबाजी! भाग जाओ।
भाग जाओ,
नहीं तो तुम्हारी तुम्बी तोड़ दूंगा।'

सुनकर बाबाजी तो डर गए और भाग खड़े हुए। गांव में जाकर एक पटेल को बुला लाए। कुटिया के पास पहुंचकर पटेल ने पूछा, 'बाबाजी की कुटिया में कौन है?'

अंदर से रौब–भरी आवाज में खरगोश बोला– 'मैं खरगोश हूं, खरगोश!

पटेल, पटेल, भाग जाओ।
भाग जाओ,
नहीं तो तुम्हारी पटेली छीन लूंगा।'

पटेल भी डरा और भाग गया। फिर पटेल मुखिया को बुला लाया। मुखिया ने पूछा, 'बाबाजी की कुटिया में कौन है?'

खरगोश ने लेटे–लेटे ही रौब–भरी आवाज में पहले की तरह ही कहा–

'मैं खरगोश हूं, खरगोश!
मुखिया, मुखिया, भाग जाओ।
भाग जाओ,
नहीं तो तुम्हारा मुखियापन खत्म कर दूंगा।'

सुनकर मुखिया भी डर गया और भाग खड़ा हुआ। फिर तो बाबाजी भी चले गए। जब सब चले गए, तो खरगोश कुटिया से बाहर निकला। वह सियार से मिला और उसको सारी बातें सुनाईं।

सियार की इच्छा हुई कि वह भी पेड़े खाए। बोला, 'तो मैं भी कुटिया में जाकर खा लेता हूं।'

खरगोश ने पूछा, 'अगर बाबाजी आ गए, तो तुम कुटिया के अंदर से क्या कहोगे?'

सियार ने कहा, 'मैं भी कहूंगा–

'मैं सियार हूं, सियार!
बाबाजी, भाग जाओ।
भाग जाओ
नहीं तो तुम्हारी तुम्बी तोड़ दूंगा।'

खरगोश बोला, 'अच्छी बात है। तो अब तुम भी पेड़ों का स्वाद चख आओ!'

बाद में सियार कुटिया के अंदर गया। कुछ ही देर में बाबाजी आए और बोले–

'मेरी कुटिया में कौन है?'

सियार ने धीमी आवाज में कहा–

'मैं सियार हूं, सियार!
बाबाजी, भाग जाओ।
भाग जाओ,
नहीं, तो तुम्हारी तुम्बी तोड़ दूंगा।'

बाबाजी ने आवाज पहचान ली और कहा, 'ओह हो! यह तो सियार है!' बाद में बाबाजी ने दरवाजा खोल लिया। वे अंदर गए। सियार को बाहर निकाला, और जमकर उसकी पिटाई की और कुटिया से निकाल बाहर किया।

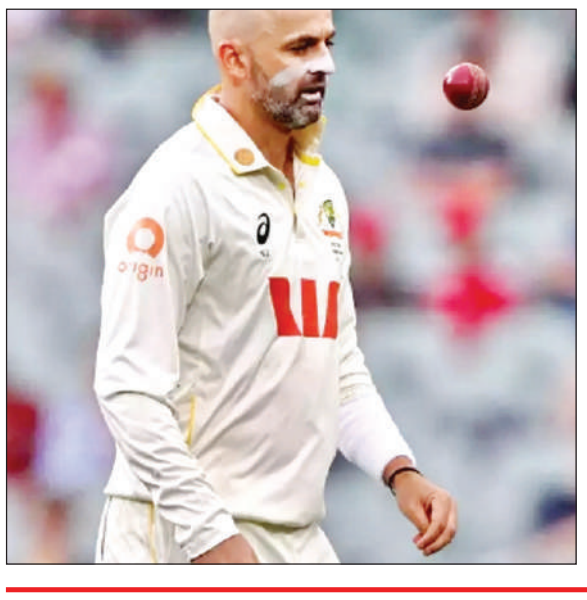

क्लेटन और रोचिचियोली को पहली बार आस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम में मौका, लियोन बाहर

सिडनी

आस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड के खिलाफ नौ दिसंबर से शुरू होने वाली चार टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए 13 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। क्वींसलैंड के बल्लेबाज जैक क्लेटन और पश्चिमी आस्ट्रेलिया के आफ स्पिनर कोरी रोचिचियोली को पहली बार टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। वहीं, अनुभवी आफ स्पिनर नाथन लियोन को टीम में जगह नहीं मिली है।

शेफील्ड शील्ड में लगातार अच्छे प्रदर्शन के दम पर क्लेटन ने टीम में जगह बनाई है। वहीं, घरेलू क्रिकेट और आस्ट्रेलिया ए की ओर से निरंतर अच्छे प्रदर्शन करने वाले रोचिचियोली को पैट कमिंस की अगुआई वाली टीम में शामिल किया गया है। शेफील्ड शील्ड के छठे दौर के बाद एक और खिलाड़ी को टीम में शामिल किया जाएगा।

27 वर्षीय बाएं हाथ के बल्लेबाज क्लेटन ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 40.17 की औसत से 2732 रन बनाए हैं। उनके नाम सात शतक और 16 अर्धशतक हैं। मौजूदा शेफील्ड शील्ड सत्र में उन्होंने नौ पारियों में 74.83 की औसत से 449 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और चार अर्धशतक शामिल हैं। वहीं, 29 वर्षीय आफ स्पिनर रोचिचियोली ने शेफील्ड शील्ड में 33.88 की औसत से 18 विकेट लिए हैं। उनके नाम 59 प्रथम श्रेणी मैचों में 205 विकेट हैं, जिसमें छह बार एक पारी में पांच विकेट लेने का प्रदर्शन शामिल है। आस्ट्रेलिया की चयन समिति के अध्यक्ष जार्ज बेली ने क्लेटन की तारीफ करते हुए कहा, जैक एक व्यवस्थित खिलाड़ी हैं, जिन्होंने लंबे समय से लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। उनकी बल्लेबाजी टीम के बाकी क्रम के साथ अच्छी तरह तालमेल बैठाने के अनुकूल है। रोचिचियोली को लेकर उन्होंने कहा, कोरी पिछले कुछ सत्रों से घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। उनमें ऐसी खूबियां हैं, जो आस्ट्रेलियाई परिस्थितियों के लिए काफी अनुकूल हैं।

इस टीम में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टेस्ट के लिए चुने गए आस्ट्रेलियाई दल से भी कई बदलाव किए गए हैं। मार्नस लाबुशेन, ब्यू वेबस्टर, कूपर कोनोली और मैथ्यू कुह्नेमैन को इस बार टीम में जगह नहीं मिली है। तीसरे टेस्ट से पहले टीम से रिलीज किए गए निक मैडिनसन और सैम हार्पर की भी वापसी नहीं हुई है।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला लाबुशेन के लिए निराशाजनक रही थी। उन्होंने छह पारियों में 21.83 की औसत से केवल 131 रन बनाए थे और उनका सर्वोच्च स्कोर 39 रन था। वहीं, नाथन लियोन ने दो टेस्ट में 43.66 की औसत से छह विकेट लिए थे। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 58 रन देकर दो विकेट रहा। वेबस्टर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरुआती दो टेस्ट की चार पारियों में 64 रन बनाए थे। केपटाउन में निर्णायक टेस्ट खेलने वाले कोनोली ने दो पारियों में 29 रन बनाए और एक विकेट लिया था।

लियोन को टीम से बाहर करना चयन का सबसे बड़ा फैसला माना जा रहा है। बेली ने स्वीकार किया कि यह कठिन निर्णय था, लेकिन उन्होंने अनुभवी स्पिनर की भविष्य में वापसी की संभावना भी खुली रखी।

बेली ने कहा, हाल के मैचों में नाथन गेंद से वैसा प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं, जैसी हम उनसे उम्मीद करते हैं। हालांकि, हम यह भी जानते हैं कि उनका रिकार्ड असाधारण है। उनका अनुभव, जानकारी और कौशल भविष्य में हमारी टीम की योजनाओं के लिए अब भी उपयोगी हो सकते हैं।

चार टेस्ट मैचों की श्रृंखला नौ दिसंबर से शुरू होगी। पहला मुकाबला पर्थ में खेला जाएगा। इसके बाद एडिलेड, मेलबर्न और सिडनी में मुकाबले होंगे।

आस्ट्रेलियाई टीम : पैट कमिंस (कप्तान), स्काट बोलैंड, एलेक्स कैरी, जैक क्लेटन, कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंग्लिस, माइकल नेसर, मैथ्यू रेनशा, कोरी रोचिचियोली, स्टीव स्मिथ और मिचेल स्टार्क।

न्यूज ब्रीफ

बहराइच की नव्या सिंह का अंतरराष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता के लिये चयन, ब्राजील में दिखाएंगी दमखम

बहराइच। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले की होनहार ताइक्वांडो खिलाड़ी नव्या सिंह ने अपनी प्रतिभा का परचम लहराते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जिले को गौरवान्वित किया है। ब्राजील में 3 से 8 दिसंबर तक आयोजित होने वाले वर्ल्ड स्कूल गेम्स के लिए उनका चयन हुआ है। प्रतियोगिता में नव्या अंडर-68 किलोग्राम भारवर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। कोतवाली देहात क्षेत्र के सिविल लाइन निवासी नव्या ने शनिवार को बताया कि वे इससे पहले छत्तीसगढ़ और अरुणाचल प्रदेश में आयोजित ताइक्वांडो प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल कर चुकी हैं। लगातार बेहतर प्रदर्शन और खेल में उत्कृष्टता के आधार पर उनका चयन आईएसएफ जिम्नेजियाड के लिए किया गया है। ब्राजील में होने वाली इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में नव्या को दुनिया के विभिन्न देशों के खिलाड़ियों के बीच अपनी खेल प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। उनके चयन से जिले के खेल जगत में उत्साह का माहौल है। नव्या की इस उपलब्धि पर खेल प्रेमियों और प्रशिक्षकों ने खुशी जाहिर करते हुए उन्हें बधाई दी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि नव्या अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भी शानदार प्रदर्शन कर देश और जिले का नाम रोशन करेंगी।



बच्चे के जन्म के समय अस्पताल में मोबाइल पर देख रहा था शार्दुल और सुंदर की साझेदारी : कोहली

नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच जनवरी 2027 से शुरू होने वाली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी को लेकर अभी से चर्चा तेज हो गई है। इस शृंखला से पहले 2021 में ब्रिस्बेन के गाबा मैदान पर भारत की ऐतिहासिक जीत एक बार फिर सुर्खियों में है। उस जीत को याद करते हुए विराट कोहली, रवि शास्त्री, ऋषभ पंत और हनुमा विहारी ने टीम के विश्वास, निडर अंदाज और संघर्ष की कहानी साझा की है। जियोस्टार के साथ विशेष बातचीत में पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली ने बताया कि 2020-21 की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के गाबा टेस्ट के दौरान वह अपने बच्चे के जन्म के लिए अस्पताल में थे और मोबाइल पर मैच देख रहे थे। उन्होंने शार्दुल ठाकुर और वॉशिंगटन सुंदर के बीच हुई साझेदारी को याद करते हुए कहा, 'मैं अपने बच्चे के जन्म के लिए अस्पताल में था और फोन पर मैच देख रहा था। मैंने शार्दुल और वॉशिंगटन के बीच की साझेदारी उस समय तक देखी, जब हमें अस्पताल के लिए अंदर जाने से करीब 15 मिनट पहले तक का समय था। वह साझेदारी कितनी खास थी, यह इसी से समझा जा सकता है। पूरी शृंखला और गाबा टेस्ट में हमारी टीम ने जिस तरह का चरित्र और विश्वास दिखाया, वह शानदार था। जब किसी को हमसे जीत की उम्मीद नहीं थी, तब कई युवा खिलाड़ियों ने आगे बढ़कर जिम्मेदारी निभाई। यह भारतीय क्रिकेट की सबसे खास जीतों में से एक थी। मुझे नहीं लगता कि इससे ज्यादा खास कोई जीत रही है।' भारत के तत्कालीन मुख्य कोच रवि शास्त्री ने गाबा की जीत को क्रिकेट के इतिहास में अनोखा करार दिया।

ऋषभ पंत बने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज

क्राइस्टचर्च। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के इतिहास में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। उन्होंने शनिवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन जैकब डफी की गेंद पर मिड ऑन के ऊपर से छक्का लगाकर यह उपलब्धि हासिल की। पंत के नाम अब विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में कुल 89 छक्के हो गए हैं। इस प्रतियोगिता का पहला चक्र एक अगस्त 2019 को शुरू हुआ था। पंत ने इस मामले में इंग्लैंड के बेन स्टोक्स को पीछे छोड़ दिया है, जिनके नाम 88 छक्के हैं। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में भी पंत सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर हैं। उनके नाम अब तक 109 छक्के दर्ज हैं। इस सूची में इंग्लैंड के बेन स्टोक्स 138 छक्कों के साथ शीर्ष पर हैं। हालांकि, पंत अपनी पारी को बड़ी नहीं बना सके। वह 39 गेंदों पर 23 रन बनाकर आउट हुए। न्यूजीलैंड के पहली पारी में बनाए गए 356 रन के जवाब में पंत के आउट होने तक भारतीय टीम के चार विकेट गिर चुके थे।

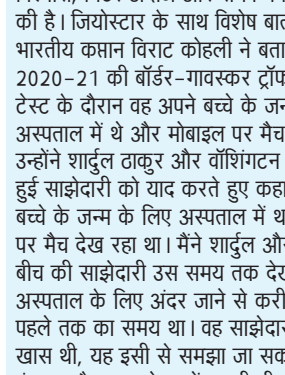

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में सर्वाधिक छक्के
1. ऋषभ पंत - 89
2. बेन स्टोक्स - 88
3. रोहित शर्मा - 56
4. शुभमन गिल - 48
5. यशस्वी जायसवाल - 45

सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में खेलेंगे श्रेयस अय्यर, 30 नवंबर से एक्शन में

नई दिल्ली

भारतीय टी20 कप्तान श्रेयस अय्यर न्यूजीलैंड दौरे के बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी के लिए पूरी तरह तैयार हैं। वह सैयद मुश्ताक अली के सुपर लीग चरण में मुंबई की टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे।

इस टूर्नामेंट में एक दिलचस्प नजारा देखने को मिलेगा, जहां अय्यर टीम इंडिया से बाहर चल रहे सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में खेलते हुए नजर आएंगे। सुपर लीग राउंड 30 नवंबर से नागपुर में शुरू होगा, और मुंबई अपनी टीम में अय्यर के जुड़ने से काफी मजबूत महसूस कर रही है। यह खबर 28 नवंबर, 2026 की है।

मुंबई की टीम ने ग्रुप स्टेज में शानदार प्रदर्शन किया था, जहां उसने सात में से छह मुकाबले जीतकर ग्रुप डी में शीर्ष स्थान हासिल करते हुए सुपर लीग में अपनी जगह बनाई थी। श्रेयस अय्यर के आने से टीम की बल्लेबाजी इकाई को और भी मजबूती मिलेगी, जिसमें पहले से ही सूर्यकुमार यादव, शिवम दुबे, सरफराज खान, मुशीर खान और अंगकृष रघुवंशी जैसे प्रतिभाशाली बल्लेबाज मौजूद हैं। अय्यर की वापसी से टीम के बल्लेबाजी क्रम में भी कुछ बदलाव देखने को मिल सकते हैं, जिसमें विकेटकीपर बल्लेबाज हार्दिक तामोरे, जिन्होंने शुरुआती मुकाबलों में ओपनिंग की थी, अब मध्यक्रम के निचले हिस्से में बल्लेबाजी के लिए भेजे जा सकते हैं।

अय्यर के लिए यह टूर्नामेंट न्यूजीलैंड दौरे के बाद मैदान पर अपनी लय वापस पाने का एक महत्वपूर्ण अवसर होगा। उन्होंने हाल ही में भारतीय टीम की कमान संभालते हुए न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 और वनडे दोनों सीरीज में टीम को जीत दिलाई थी। मुंबई को सुपर लीग के ग्रुप बी में रखा गया है, जहां उसका सामना आंध्र, पंजाब और राजस्थान जैसी टीमों से होगा। टीम अपना पहला मुकाबला 30 नवंबर को राजस्थान के खिलाफ खेलेगी, जिसके बाद 2 दिसंबर को आंध्र और 4 दिसंबर को पंजाब से भिड़ेगी। सुपर लीग के दोनों ग्रुप की शीर्ष टीमें 6 दिसंबर को फाइनल में आमने-सामने होंगी। मुंबई की टीम इस टूर्नामेंट में दो बार खिताब जीत चुकी है और अब सूर्यकुमार व श्रेयस अय्यर जैसे बड़े नामों के साथ टीम की नजर तीसरे खिताब पर है।



मोहम्मद सिराज के करियर पर बयानबाजी बंद करने की अपील

नई दिल्ली। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज इन दिनों अपने करियर को लेकर जारी सार्वजनिक बयानबाजी के कारण चर्चा में हैं। न्यूजीलैंड दौरे पर उन्हें लगातार दोनों टेस्ट मैचों की प्लेइंग इलेवन से बाहर रखे जाने के बाद एक नई बहस छिड़ गई है। जानकारों के अनुसार, मोहम्मद शमी के बाद अब टीम से बाहर होने के लिए अगला नंबर मोहम्मद सिराज का बताया जा रहा है। इस बीच, पूर्व क्रिकेटरों, क्रिकेट विशेषज्ञों और क्रिकेट प्रशासकों की ओर से सिराज के समर्थन में अपील आई है, जिसमें कहा गया है कि टीम में चयन और प्लेइंग इलेवन का फैसला कप्तान, कोच और चयनकर्ताओं पर छोड़ देना चाहिए। यह खबर 28 नवंबर, 2026 की है। विशेषज्ञों का कहना है कि सिराज जैसे मेहनती और जुनूनी खिलाड़ी, जिन्होंने अपनी प्रतिभा और मेहनत के दम पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पहचान बनाई है, उनके करियर और भविष्य को लेकर अनावश्यक सार्वजनिक टिप्पणियां करने से बचना चाहिए। जिम्मेदार पदों पर बैठे व्यक्तियों को यह समझना चाहिए कि उनके सार्वजनिक बयान किसी खिलाड़ी के आत्मविश्वास, मानसिक मजबूती और पेशेवर भविष्य को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकते हैं। यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या यह केवल आलोचना है या इसके पीछे कोई और रणनीति काम कर रही है। क्रिकेट में आलोचना स्वाभाविक है, लेकिन जब किसी एक खिलाड़ी के भविष्य को लेकर लगातार सार्वजनिक चर्चाएं होने लगें, तो जानकारों के अनुसार इसके पीछे के उद्देश्य पर विचार करना भी स्वाभाविक है। भारतीय क्रिकेट के हित में इन परिस्थितियों पर गंभीरता से विचार होना चाहिए, क्योंकि किसी खिलाड़ी के करियर के साथ इस तरह का प्रयोग नहीं होना चाहिए। सिराज के लिए विशेष संदेश में कहा गया है कि उन्हें किसी भी टिप्पणी से विचलित हुए बिना अपनी फिटनेस, अभ्यास, अनुशासन और गेंदबाजी पर पूरा ध्यान देना चाहिए। उनका प्रदर्शन ही उनका सबसे बड़ा जवाब होना चाहिए और उन्हें किसी के सामने सफाई देने की जरूरत नहीं है। भारतीय क्रिकेट हमेशा सर्वोपरि है, कोई व्यक्ति नहीं। प्लेइंग इलेवन में किसे खिलाना है और किसे नहीं, इसका निर्णय निर्धारित चयन प्रक्रिया के अंतर्गत टीम प्रबंधन की जिम्मेदारी है। पूर्व क्रिकेटरों और प्रशासकों से अनुरोध है कि वे मोहम्मद सिराज के करियर के साथ प्रयोग न करें और उन्हें शांति, सम्मान तथा आत्मविश्वास के साथ अपना स्वाभाविक खेल खेलने दें, क्योंकि किसी खिलाड़ी का आत्मविश्वास तोड़ना आसान है, लेकिन उसे दोबारा खड़ा करने के लिए अनुभव और परिपक्वता की आवश्यकता होती है।

आकाश दीप ने टेस्ट में दूसरी बार झटके पांच विकेट, न्यूजीलैंड की पारी 356 रन पर सिमटी



क्राइस्टचर्च

चायकाल तक भारत ने 59 रन पर खोया 3 विकेट

भारतीय तेज गेंदबाज आकाश दीप ने न्यूजीलैंड के खिलाफ शनिवार को दूसरे टेस्ट मैच में शानदार गेंदबाजी करते हुए अपने करियर में दूसरी बार पांच विकेट लेने का कारनामा किया। उन्होंने 99 रन देकर पांच विकेट हासिल किए और न्यूजीलैंड की पहली पारी 356 रन पर समेटने में अहम भूमिका निभाई।

आकाश दीप ने न्यूजीलैंड के कप्तान टाम लैथम, रचिन रवींद्र, नाथन स्मिथ, काइल जैमीसन और मैट हेनरी को अपना शिकार बनाया। 29 वर्षीय गेंदबाज ने लगातार सही लेंथ और चौथे स्टंप की लाइन पर गेंदबाजी कर न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों को परेशान किया। गेंद को दोनों ओर स्विंग कराने की उनकी क्षमता ने भी बल्लेबाजों के लिए मुश्किलें खड़ी कीं।

आकाश ने पहले दिन दूसरे सत्र में लगातार दो ओवरों में लैथम और रचिन रवींद्र को आउट कर भारत की मुकाबले में वापसी कराई। उस समय लैथम और डेवोन कानवे लगातार रन बनाकर न्यूजीलैंड की पारी को आगे बढ़ा रहे थे। इसके बाद नाथन स्मिथ और काइल जैमीसन को आउट कर आकाश ने अपने विकेटों की संख्या चार पहुंचा दी। हालांकि, पांचवां विकेट हासिल करने के उनके तीन मौके छूट गए। मैट हेनरी को देवदत्त पडिक्कल ने दो बार और गुरनूर बराड़ ने एक बार जीवनदान दिया। आखिरकार हेनरी की किस्मत ने उनका साथ छोड़ दिया। बड़ा शाट खेलने की कोशिश में वह गेंद को विकेट के पार पहुंचाने में नाकाम रहे और गेंद उनके बल्ले का किनारा लेकर विकेटकीपर ऋषभ पंत के दस्तानों में चली गई। इस विकेट के साथ ही आकाश ने टेस्ट क्रिकेट में अपना दूसरा पांच विकेट लेने का प्रदर्शन पूरा किया। आकाश दीप का इससे पहले टेस्ट क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जुलाई 2025 में एजबेस्टन में इंग्लैंड के खिलाफ आया था, जब उन्होंने 99 रन देकर छह विकेट हासिल किए थे। वही भारतीय टीम की खराब शुरुआत रही और चायकाल तक भारत ने कप्तान शुभमन गिल, देवदत्त पडिक्कल और यशस्वी जयसवाल के विकेट खो दिए हैं।

पाकिस्तान-ए पांचवीं बार टूर्नामेंट के फाइनल में



नई दिल्ली। पाकिस्तान-ए टीम ने बांग्लादेश-ए को एक रोमांचक मुकाबले में हराकर इस टूर्नामेंट के फाइनल में पांचवीं बार प्रवेश कर लिया है, जो किसी भी टीम द्वारा सबसे अधिक बार फाइनल में पहुंचने का एक नया कीर्तिमान है। बांग्लादेश-ए ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवरों में 8 विकेट के नुकसान पर 232 रन बनाए थे। इसके जवाब में पाकिस्तान-ए ने 45.2 ओवर में 5 विकेट खोकर 233 रन बनाते हुए आसान जीत दर्ज की। अब पाकिस्तान-ए का खिताबी मुकाबला 29 नवंबर को श्रीलंका के खिलाफ होगा। यह खबर 27 नवंबर, 2026 की है। बांग्लादेश-ए की पारी में शहादत हुसैन दीपू ने एक छोर संभाले रखा और 118 गेंदों पर 7 चौकों व 3 छक्कों की मदद से नाबाद 103 रनों की शानदार शतकीय पारी खेली। हालांकि, उन्हें दूसरे छोर से बड़ा साथ नहीं मिल सका। उनके अलावा महिदुल इस्लाम अंकोन ने 42 रन और एसएम मेहरोब ने 28 रन का योगदान दिया। पाकिस्तान-ए की गेंदबाजी में सुफियान मुकीम सबसे सफल रहे, जिन्होंने अपने 10 ओवरों में सिर्फ 29 रन देकर 3 महत्वपूर्ण विकेट चटकाए।

आस्ट्रेलिया दौरे के लिए न्यूजीलैंड ने चुने सात तेज गेंदबाज, ओरूर्क और रे की वापसी

वेलिंगटन

न्यूजीलैंड ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ नौ दिसंबर से शुरू होने वाली चार टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए सात तेज गेंदबाजों को टीम में शामिल किया है। विल ओरूर्क और माइकल रे की टीम में वापसी हुई है। ओरूर्क को भारत के खिलाफ हालिया सभी प्रारूपों की श्रृंखला में कार्यभार प्रबंधन के तहत आराम दिया गया था। ओरूर्क ने पिछली बार इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में हिस्सा लिया था। उन्होंने अब तक 14 टेस्ट मैचों में 49 विकेट लिए हैं, जिसमें दो बार एक पारी में पांच विकेट हासिल करने का प्रदर्शन शामिल है। वहीं, छह फुट छह इंच लंबे तेज गेंदबाज रे ने पिछले साल वेलिंगटन में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट पदार्पण किया था। उनके नाम प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 238 विकेट दर्ज हैं।



न्यूजीलैंड के कप्तान टाम लैथम ने ओरूर्क की वापसी पर कहा, विल को पहले से ही मजबूत तेज गेंदबाजी आक्रमण में वापस शामिल कर पाना बेहद उत्साहजनक है। उनकी लंबाई और तेज गति से गेंद को दाएं हाथ के बल्लेबाज के अंदर की ओर लाने की क्षमता हमारे आक्रमण को एक नया आयाम देती है। साथ ही, यह हमारे पास मौजूद अन्य गेंदबाजों की खूबियों के साथ भी अच्छी तरह मेल खाती है।

मैट फिशर को भी टीम में जगह मिली है। उन्होंने अगस्त 2025 में जिम्बाब्वे के खिलाफ टेस्ट पदार्पण किया था। 27 वर्षीय फिशर भारत के खिलाफ तीनों प्रारूपों की श्रृंखलाओं के लिए न्यूजीलैंड की टीम का हिस्सा रहे थे। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उन्होंने 22 की औसत से 60 विकेट लिए हैं। भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले उन्हें ब्लेयर टिकनर के स्थान पर टीम में शामिल किया गया था, हालांकि उन्हें अंतिम एकादश में जगह नहीं मिली थी।

भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से हाथ में फ्रैक्चर और हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण बाहर हुए मिचेल सैंटनर और टिकनर अपना फिटनेस सुधार कार्यक्रम जारी रखेंगे। फिट होने के बाद उनके आस्ट्रेलिया में टीम से जुड़ने का लक्ष्य है। वहीं, कूल्हे की मांसपेशियों में चोट से उबर रहे जैक फाल्क्स और टखने की चोट से जूझ रहे बेन सीयर्स चयन के लिए उपलब्ध नहीं हैं। भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला का हिस्सा रहे डीन फाक्सक्राफ्ट और जैकब डफी को टीम में जगह नहीं मिली है।

चार टेस्ट मैचों की श्रृंखला का पहला मुकाबला नौ दिसंबर से पर्थ में खेला जाएगा। दूसरा टेस्ट 17 से 21 दिसंबर तक एडिलेड में होगा। बाक्सिंग डे टेस्ट 26 से 30 दिसंबर तक मेलबर्न में खेला जाएगा, जबकि श्रृंखला का अंतिम मुकाबला चार से आठ जनवरी तक सिडनी में होगा।

न्यूजीलैंड टेस्ट टीम : टाम लैथम (कप्तान), टाम ब्लंडेल (विकेटकीपर), डेवोन कानवे, जैकब डफी, मैट फिशर, डीन फाक्सक्राफ्ट, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, डेरिल मिचेल, हेनरी निकोल्स, विल ओरूर्क, ग्लेन फिलिप्स, माइकल रे, रचिन रवींद्र, नाथन स्मिथ और विल यंग।

महिला एशियाई चैंपियंस ट्राफी : चौथी बार खिताब जीतने उतरेगा भारत, फाइनल में चीन से मुकाबला

भोपाल

महिला एशियाई चैंपियंस ट्राफी में लगातार तीसरी बार खिताब जीतने के इरादे से भारतीय टीम फाइनल में चीन के खिलाफ मैदान पर उतरेगी। नाथू बरखेड़ा स्थित अंतरराष्ट्रीय खेल परिसर में होने वाले इस मुकाबले में मेजबान टीम का पलड़ा भारी नजर आ रहा है। भारत ने टूर्नामेंट में अब तक अपने सभी छह मुकाबले जीते हैं और लगातार 14 मैचों से जीत की राह पर है। वहीं, अनुभवहीन चीनी टीम के सामने भारतीय आक्रमण को रोकने की बड़ी चुनौती होगी।

भारत ने सेमीफाइनल में मलेशिया को 6-2 से हराकर फाइनल में जगह बनाई, जबकि चीन ने जापान को मात देकर खिताबी मुकाबले का टिकट कटाया। लीग चरण में भी भारत ने चीन को 6-2 से शिकस्त दी थी। ऐसे में अपराजित भारतीय टीम को खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। टूर्नामेंट में भारत का दबदबा इस कदर रहा है कि उसे अब तक केवल शुरुआती मुकाबले में कुल 42 सेकंड के लिए पिछड़ना पड़ा।

भारतीय टीम ने आक्रामक हाकी के दम पर विरोधी टीमों को लगातार दबाव में रखा है। टूर्नामेंट में अब तक सबसे ज्यादा 29 गोल भारत ने किए हैं। पेनल्टी कार्नर की विशेषज्ञ दीपिका 10 गोल के साथ टीम की शीर्ष स्कोरर हैं। इनमें से नौ गोल उन्होंने पेनल्टी कार्नर पर किए हैं। नवनीत कौर ने अग्रिम पंक्ति में शानदार जिम्मेदारी निभाई है, जबकि लालरेमसियामी और मुमताज खान ने भी अहम मौकों पर गोल कर टीम की ताकत बढ़ाई है।



भारतीय टीम का पूरे मैदान में दबाव बनाने वाला खेल उसे गेंद पर नियंत्रण रखने और मुकाबले की गति तय करने में मदद करता है। दूसरी ओर, चीन की कोशिश भारतीय खिलाड़ियों को सर्किल के भीतर ज्यादा जगह नहीं देने और अपनी रक्षापंक्ति को मजबूत बनाए रखने की होगी।

चीन के लिए सबसे जरूरी होगा कि वह भारत को शुरुआती मिनटों में बढ़त बनाने से रोके। इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम ने कई मुकाबलों में पहले दो क्वार्टर में ही विपक्षी टीम पर बड़ा दबाव बना दिया है। हालांकि, पिछले कुछ मैचों में शुरुआती दो क्वार्टर के बाद भारतीय आक्रमण की रफ्तार कुछ कम भी हुई है।

पिछले तीन मुकाबलों में भारत ने कुल 16 गोल किए, जिनमें से 12 पहले हाफ में आए। दूसरे हाफ में दोनों टीमों का गोल का आंकड़ा 4-4 रहा। लीग चरण में भारत से बड़ी हार झेलने के बाद चीन ने कोरिया और जापान के खिलाफ लगातार 1-0 से जीत दर्ज की। इन दोनों मुकाबलों में उसने एक भी गोल नहीं खाया। इससे फाइनल से पहले उसका आत्मविश्वास बढ़ा होगा।

यह मुकाबला चीन की नई पीढ़ी के खिलाड़ियों के लिए पिछले महीने एशियाई खेलों के फाइनल में भारत के हाथों मिली हार का हिसाब बराबर करने का भी अवसर होगा। उस खिताबी मुकाबले में चीन की सीनियर टीम को भारत ने स्वर्ण पदक जीतने से रोक दिया था।

चीन को भारतीय रक्षापंक्ति की अनुभवहीनता का फायदा उठाने के लिए खुले खेल और पेनल्टी कार्नर, दोनों से मौके बनाने होंगे। टीम ने अपने नौ गोलों में से पेनल्टी कार्नर पर करीब 22 प्रतिशत सफलता हासिल की है। छिंगमियाओ फेंग और छिश्याओ वेई इस मामले में चीन के प्रमुख खिलाड़ी हैं। भारत के खिलाफ लीग मुकाबले में भी चीन ने पेनल्टी कार्नर से गोल किया था और एक अन्य आक्रमण के दौरान पेनल्टी स्ट्रोक हासिल किया था।

चीन की टीम उलटफेर कर खिताब जीतने की कोशिश करेगी, लेकिन मौजूदा लय, आक्रामक क्षमता और घरेलू दर्शकों के समर्थन को देखते हुए भारत की स्थिति मजबूत है। भारतीय टीम के पास लगातार तीसरी और कुल चौथी बार महिला एशियाई चैंपियंस ट्राफी जीतने का सुनहरा मौका है।

उत्साहपूर्ण माहौल में आयोजित हुईं अंतरविद्यालयीय सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं

भारत समृद्ध सांस्कृतिक विरासत वाला देश है : गर्व अग्रवाल एवं सृष्टि अग्रवाल

हैदराबाद, 28 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।



गुंडलापोचमपल्ली स्थित डीआरएस इंटरनेशनल स्कूल (डीआरएसआईएस) के परिसर में म्यूजिकल मिस्ट्री थीम पर आधारित अंतरविद्यालयीय सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं के चौथे संस्करण का आयोजन बेहद उत्साहपूर्ण माहौल में किया गया। विद्यार्थियों की छिपी हुई रचनात्मक प्रतिभा एवं कलात्मक कौशल को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में हैदराबाद के लगभग 30 स्कूलों के 800 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लेकर अपनी विविध प्रतिभाओं का शानदार प्रदर्शन किया।

30 स्कूलों के 800 से अधिक विद्यार्थियों की सहभागिता

प्रतियोगिताओं के अंतर्गत ललित कला, शास्त्रीय, पश्चिमी एवं लोकनृत्य, समूह गायन और संगीत सहित विभिन्न श्रेणियों में प्रतिभागियों के बीच कड़ा एवं उत्साहपूर्ण मुकाबला देखने को मिला। प्रत्येक प्रस्तुति में रंग-बिरंगी वेशभूषा, जीवंत संगीत और उत्कृष्ट नृत्य संयोजन के माध्यम से भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं को खूबसूरती से प्रस्तुत किया गया। आयोजन का विशेष आकर्षण वेस्ट से आर्ट (अपशिष्ट सामग्री से कलाकृति निर्माण) श्रेणी रही, जिसमें विद्यार्थियों ने बेकार पड़ी वस्तुओं का रचनात्मक उपयोग करते हुए आकर्षक कलाकृतियां तैयार कीं। इस प्रतियोगिता के माध्यम से बच्चों की कल्पनाशीलता, कलात्मक अभिव्यक्ति एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता को प्रोत्साहित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं डीआरएसआईएस के निदेशक गर्व अग्रवाल तथा सृष्टि अग्रवाल ने अपने संबोधन में पढ़ाई-लिखाई के साथ सांस्कृतिक एवं रचनात्मक गतिविधियों के महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि भारत एक समृद्ध सांस्कृतिक विरासत वाला देश है और विद्यार्थियों को अपनी संस्कृति, परंपराओं एवं कलात्मक प्रतिभाओं से परिचित कराने के लिए ऐसे आयोजन अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक गतिविधियां विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता एवं व्यक्तित्व विकास को बढ़ावा देती हैं। साथ ही, ऐसे आयोजनों में भाग लेने से विद्यार्थियों को जीवनभर याद रहने वाले खूबसूरत अनुभव एवं स्मृतियां मिलती हैं। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को भविष्य में भी ऐसे आयोजनों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। म्यूजिकल मिस्ट्री के अंतर्गत विद्यार्थियों की शानदार एवं मंत्रमुग्ध कर देने वाली प्रस्तुतियों को उपस्थित दर्शकों ने खूब सराहा।

विजेताओं को ट्रॉफी एवं प्रमाणपत्र प्रदान

प्रतियोगिताओं के समापन पर गर्व अग्रवाल एवं सृष्टि अग्रवाल ने सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले स्कूल को ओवरऑल चैंपियनशिप ट्रॉफी प्रदान की। विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार एवं योग्यता प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में डीआरएसआईएस की उप-प्रधानाचार्य कल्याणी एवं पूजा सक्सेना, समन्वयक इमैनुएल सहित विभिन्न स्कूलों के प्रधानाचार्य, शिक्षक एवं अभिभावक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

निस्वार्थ अन्नसेवा से मिलता है आत्मिक संतोष : अनिल अग्रवाल



हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए अनिल अग्रवाल धरशुवाले ने कहा कि जरूरतमंदों को भोजन कराना केवल सेवा कार्य नहीं, बल्कि मानवता के प्रति अपने कर्तव्य का निर्वहन है। अन्नदान को भारतीय संस्कृति में सबसे श्रेष्ठ दान माना गया है, क्योंकि भोजन प्रत्येक जीव की मूलभूत आवश्यकता है। किसी भूखे व्यक्ति को प्रेम और सम्मान के साथ भोजन कराना सच्चे अर्थों में ईश्वर की आराधना करने के समान है।

उन्होंने कहा कि समाज में ऐसे सेवा कार्यों की निरंतरता बनी रहनी चाहिए। सेवा का वास्तविक महत्व तभी है, जब उसमें किसी प्रकार का स्वार्थ, भेदभाव अथवा दिखावा न हो। निस्वार्थ भाव से की गई छोटी-सी सेवा भी किसी जरूरतमंद के जीवन में बड़ी खुशी ला सकती है।

राधे-राधे ग्रुप का उद्देश्य भी इसी भावना के साथ समाज में सेवा, सहयोग और समर्पण की संस्कृति को मजबूत करना है। अन्नसेवा के माध्यम से न केवल जरूरतमंदों की भूख मिटाने का प्रयास किया जा रहा है, बल्कि समाज में प्रेम, सद्भाव और मानवीय संवेदनाओं का संदेश भी दिया जा रहा है।

इस अवसर पर नरेश बंसल, राजेश सर योगा, अरुण विजयवर्गीय, नीलम विजयवर्गीय, शर्मिला अग्रवाल, महेश अग्रवाल एवं वेंकट राव सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सेवा कार्य में उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाते हुए अन्नसेवा को नियमित रूप से जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

केबीआर पार्क पर श्रद्धा और सेवा भाव के साथ किया गया नियमित अन्नदान



हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क में शनिवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर ग्रुप के सदस्यों ने सेवा, समर्पण और सहयोग की भावना के साथ जरूरतमंद लोगों को अन्नसेवा प्रदान की।

कार्यक्रम में राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अनेक सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

सभी ने मिलकर सेवा कार्य में अपना योगदान दिया। इस दौरान सदस्यों ने कहा कि अन्नदान केवल भोजन कराने का कार्य नहीं, बल्कि जरूरतमंदों के प्रति संवेदना, प्रेम और मानवीय जिम्मेदारी निभाने का एक पवित्र माध्यम है।

राधे-राधे ग्रुप का उद्देश्य बिना किसी भेदभाव के मानव सेवा करना और समाज में निस्वार्थ सेवा की भावना को प्रोत्साहित करना है।

ग्रुप के सदस्य नियमित रूप से विभिन्न सेवा केंद्रों पर अन्नसेवा के माध्यम से इसी संकल्प को साकार कर रहे हैं।

डेक्कन साउंडस्केप का विस्तार

30,000 वर्ग फुट के नए मुख्यालय का उद्घाटन, 2-3 वर्षों में आईपीओ की योजना



हैदराबाद, 28 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद स्थित 120 करोड़ रुपये वार्षिक कारोबार वाली डेक्कन साउंडस्केप प्राइवेट लिमिटेड ने श्रीनगर कॉलोनी, पंजागुट्टा में 30,000 वर्ग फुट क्षेत्र में निर्मित नए कॉर्पोरेट मुख्यालय का उद्घाटन किया। कंपनी ने अगले 2-3 वर्षों में देशभर में विस्तार, अपने ब्रांड लॉन्च करने तथा आईपीओ लाने की योजना की घोषणा की।

प्रबंध निदेशक सुनील कुमार जैन ने बताया कि कंपनी 60 से अधिक पेशेवरों के साथ हैदराबाद, चेन्नई एवं बेंगलुरु में परिचालन कर रही है। कंपनी के पास 30 से अधिक भारतीय एवं अंतरराष्ट्रीय ब्रांड हैं तथा प्रोफेशनल ऑडियो, संगीत वाद्ययंत्र एवं टेक्नोलॉजी उत्पादों के वितरण में सक्रिय है।

नए परिसर में अत्याधुनिक एक्सपीरियंस सेंटर स्थापित किया जाएगा। कंपनी ने भवन निर्माण में लगभग 25 करोड़ रुपये निवेश किए हैं।

यामाहा, सेनहाइजर, श्योर, मार्शल, सोनोस, कोडक एवं ब्लैक+डेकर सहित प्रतिष्ठित ब्रांडों के उत्पाद कंपनी के पोर्टफोलियो में शामिल हैं। कंपनी का कारोबार कुछ हजार रुपये के हेडफोन से लेकर 5-10 करोड़ रुपये के बड़े ऑडियो प्रोजेक्ट तक फैला हुआ है।

प्रथम पृष्ठ का शेष

यतो...

दीपम विवाद के बीच पहाड़ी की सुरक्षा संभालने पहुंचे सीआरपीएफ जवानों का हिंदू श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों ने फूल बरसाकर स्वागत किया। जवानों और उनके वाहनों पर फूलों की बारिश की गई। सीआरपीएफ के साथ त्वरित कार्रवाई बल की टीमें भी तैनात की गई हैं। सुप्रीम कोर्ट ने पहाड़ी की सुरक्षा की जिम्मेदारी केंद्रीय बल को सौंपी है। कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया है कि मुस्लिम श्रद्धालुओं को दरगाह और मस्जिद में इबादत करने से रोका न जाए। सुरक्षा बलों ने पहाड़ी के रास्तों पर जांच और निगरानी बढ़ा दी है।

13 सदस्यीय समिति निगरानी में

तिरुपरंकुंद्रम दीपम विवाद को लेकर बनाई गई समिति में 13 सदस्य शामिल हैं। इसमें हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश पार्थिबन और वैद्यनाथन, मदुरै के जिला कलेक्टर निशांत कृष्णा, शहर के पुलिस कमिश्नर राजेंद्रन, सीआरपीएफ के आईजी थिरुमाला विक्रम और आईजी मुकेश कुमार शामिल हैं। इनके अलावा विशेष निगरानी अधिकारी वीरराघव, थिरुमंगलम के राजस्व मंडल अधिकारी केराग्रक लिथिया और मदुरै के जिला राजस्व अधिकारी को भी समिति में रखा गया है। समिति में स्वामीनाथन, रमेश, अजित और मंदिर के पुजारी भी शामिल हैं।

क्या है दीपम विवाद?

दरअसल, मदुरै स्थित तिरुपरंकुंद्रम पहाड़ी पर कार्तिगई दीपम जलाने को लेकर विवाद है। यहां भगवान मुरुगन का प्रसिद्ध मंदिर और हजरत सुल्तान सिकंदर बदुशा औलिया की दरगाह भी है। विवाद पहाड़ी पर स्थित दीपथून नाम के पत्थर के स्तंभ पर दीपक जलाने को लेकर है।

हिंदू संगठनों की मांग है कि मंदिर की परंपरा के तहत पहाड़ी के ऊपर इस स्तंभ पर दीपम जलाया जाए। वहीं, तमिलनाडु सरकार और मंदिर प्रशासन का कहना है कि दीपम जलाने की परंपरागत जगह उचिपिल्लैयार मंदिर के पास स्थित दीप मंडप है। दीपथून स्तंभ दरगाह के पास स्थित है, इसलिए वहां दीप जलाने से कानून-व्यवस्था और सांप्रदायिक तनाव की स्थिति पैदा होने की आशंका जताई गई है।

150 साल पुरानी परंपरा का दावा

तमिलनाडु सरकार का कहना है कि पिछले 150 साल से अधिक समय से यह रस्म पहाड़ी की निचली ढलान पर उचिपिल्लैयार मंदिर के पास बने दीप मंडपम में होती रही है। वहीं, याचिकाकर्ता पहाड़ी के ऊपर स्थित दीपथून नाम के पत्थर के स्तंभ पर दीपक जलाने की मांग कर रहे हैं। यह जगह दरगाह से करीब 50 मीटर दूर है।

दरगाह के प्रतिनिधियों ने इस मांग का विरोध किया है। इस पहाड़ी को लेकर 1923 में एक सिविल कोर्ट ने फैसला दिया था। इसमें पहाड़ी के बड़े हिस्से पर सुब्रमण्यस्वामी मंदिर के अधिकार और दरगाह परिसर समेत कुछ जगहों पर मुस्लिम पक्ष के मालिकाना हक को मान्यता दी गई थी।

1931 में प्रिवी काउंसिल ने भी इस फैसले को बरकरार रखा। दीपम जलाने की जगह को लेकर 1990 के दशक में मद्रास हाई कोर्ट में भी मामला पहुंचा था। तमिलनाडु सरकार इसी पुरानी कानूनी प्रक्रिया का हवाला देकर पारंपरिक जगह पर ही दीपम जलाने की बात कहती रही है। हालांकि, इस वर्ष शनिवार को दीपथून पर दीपम जलाने की प्रक्रिया सुप्रीम कोर्ट के विशेष आदेश के तहत हुई।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद बढ़ा विवाद

इस मामले में मद्रास हाई कोर्ट के आदेश के बाद सुप्रीम कोर्ट ने 20 नवंबर को दीपथून पर दीपम जलाने की एक बार अनुमति दी थी। यह आयोजन 24 नवंबर को होना था। लेकिन उस दिन दीपम पारंपरिक जगह पर ही जलाया गया और दीपथून पर दीपक नहीं जलाया गया। इसके बाद मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। कोर्ट ने 27 नवंबर को तमिलनाडु सरकार के अधिकारियों को अवमानना नोटिस जारी किया और 28 नवंबर को दीपथून पर दीपम जलाने का आदेश दिया। मंदिर ट्रस्ट के बोर्ड को निलंबित कर दिया गया तथा पहाड़ी की सुरक्षा सीआरपीएफ को सौंप दी गई। शनिवार को दीपम जलाने के लिए 50 श्रद्धालुओं को ही पहाड़ी पर जाने की अनुमति दी गई।

सुप्रीम कोर्ट ...

इसके साथ ही अलग-अलग समुदायों के बीच शांति और सद्भाव बनाए रखना भी जरूरी है। पार्टी ने कहा कि तमिलनाडु में लंबे समय से बना शांतिपूर्ण सामाजिक माहौल किसी भी स्थिति में प्रभावित नहीं होना चाहिए। कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट के उस कदम पर भी सवाल उठाए हैं, जिसमें मंदिर प्रशासन से जुड़े फैसले लिए गए, सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की एक समिति नियुक्त की गई और सुरक्षा व्यवस्था के लिए केंद्रीय अर्धसैनिक बलों को शामिल किया गया। पार्टी का कहना है कि इससे न्यायपालिका, राज्य प्रशासन और मंदिर प्रशासन के अधिकार क्षेत्र को लेकर सवाल खड़े होते हैं।

जहाँ चाह...

कांग्रेस के संबंध में कनिमोझी ने कहा कि पार्टी ने डीएमके की बैठक में हिस्सा लिया था। कांग्रेस ने भी ङ्गपरिसीमन नहींफ के बजाय ङ्गनिष्पक्ष परिसीमनफ की बात कही थी। उन्होंने संसद में केसी वेणुगोपाल के बयान का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने भी लोकसभा सीटों में 50 प्रतिशत वृद्धि की मांग की थी। कनिमोझी ने दोहराया कि डीएमके ने परिसीमन पर अपना रुख नहीं बदला है। पार्टी की मांग हमेशा निष्पक्ष परिसीमन और तमिलनाडु के हितों की रक्षा रही है।

सोने पे...

न कि चीन को मिलने वाली वास्तविक कमाई। खनन, प्रसंस्करण, परिवहन और अन्य खर्च घटाने के बाद ही वास्तविक आर्थिक लाभ का पता चलेगा। इतनी बड़ी रकम कई देशों के दो से तीन साल के सरकारी खर्च के बराबर हो सकती है। चीन में मिले 2,000 टन से अधिक सोने की अनुमानित कीमत करीब 279 अरब डॉलर यानी लगभग 25 लाख करोड़ रुपये मानें, तो यह राशि कई देशों का सालाना सरकारी खर्च चलाने के लिए पर्याप्त हो सकती है।

दशकों पुरानी खोज कैसे बनी विशाल खदान?

दादोंगगौ की खोज की कहानी भी बेहद दिलचस्प है। 1980 के दशक में इस इलाके की चट्टानों के भीतर सोने के छोटे-छोटे संकेत मिले थे। उस समय इन्हें अलग-अलग और कम मात्रा वाले भंडार मानकर आर्थिक रूप से उपयोगी नहीं समझा गया।

लेकिन बाद में वैज्ञानिकों ने दोबारा जांच की तो पता चला कि ये बिखरे हुए संकेत वास्तव में एक ही बड़े और लगातार फैले हुए खनिज क्षेत्र का हिस्सा हैं। यह खनिज क्षेत्र लगभग 3,000 मीटर लंबा और 1,500 मीटर चौड़ा है। नए सर्वेक्षण के दौरान किए गए ड्रिलिंग परीक्षणों में हर बोरहोल से सोने के संकेत मिले। नवंबर 2025 में चीन के प्राकृतिक संसाधन मंत्रालय ने विस्तृत ड्रिलिंग के आधार पर 1,444 टन सोने का प्रमाणित संसाधन घोषित किया। इस खोज को चीन के खनन इतिहास की बड़ी उपलब्धियों में गिना जा रहा है।

दादोंगगौ की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता केवल इसमें मौजूद सोने की मात्रा नहीं, बल्कि इसका भूवैज्ञानिक स्वरूप भी है। 2026 में ङ्गओर जियोलॉजी रिव्यूजफ में प्रकाशित एक अध्ययन में शोधकर्ताओं ने बताया कि यह भंडार आसपास के अधिकांश पारंपरिक सोने के भंडारों से अलग तरीके से बना है। बीजिंग यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के शोधकर्ता दू जिया के नेतृत्व वाली टीम ने 200 से अधिक ड्रिलिंग बोरहोल के रिकॉर्ड, चट्टानों के नमूनों और क्वार्ट्ज क्रिस्टल का विश्लेषण किया। आमतौर पर इस क्षेत्र में सोना खड़ी दिशा में फैली क्वार्ट्ज की नसों में पाया जाता है। लेकिन दादोंगगौ में सोने का भंडार फिलाइट नामक महीन दाने वाली रूपांतरित चट्टान की परतों में फैला हुआ है। यहां सोना अपेक्षाकृत सपाट या कम ढलान वाले हिस्सों में जमा हुआ है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, यह भंडार एक ही भूवैज्ञानिक घटना में नहीं बना। इसका प्रमुख निर्माण लगभग 14.5 करोड़ से 10 करोड़ वर्ष पहले के क्रेटेशियस काल के शुरुआती हिस्से में हुआ माना जाता है।

उस समय पृथ्वी की ऊपरी परत में दबाव और खिंचाव की स्थिति बदल रही थी। चट्टानों में दरारें और कमजोर क्षेत्र बने, जिनके रास्ते सोना लेकर चलने वाले गर्म तरल पदार्थ ऊपर की ओर पहुंचे और चट्टानों की परतों में जमा हो गए।

भूगर्भीय दरारों ने बनाया सोने का खजाना

दादोंगगौ के निर्माण को समझने के लिए टैन-लू भ्रंश का अध्ययन भी महत्वपूर्ण है। यह चीन का एक बड़ा भूगर्भीय भ्रंश क्षेत्र है।

वैज्ञानिकों का मानना है कि इस क्षेत्र में भूगर्भीय हलचल के कारण चट्टानों में कम ढलान वाली दरारें बनीं। इन्हें अलगाव भ्रंश कहा जाता है। इन दरारों के रास्ते सोना युक्त गर्म तरल पदार्थ चट्टानों के भीतर फैले। लगभग 250 से 350 डिग्री सेल्सियस तापमान और उस समय धरती की सतह से करीब 6 से 12 किलोमीटर नीचे की परिस्थितियों में सोना चट्टानों की कमजोर परतों में जमा होता गया। इस तरह धीरे-धीरे विशाल खनिज भंडार तैयार हुआ। वैज्ञानिक इसे पर्वत निर्माण और भूगर्भीय हलचलों से जुड़ी प्रक्रिया में बनने वाला सोने का भंडार मानते हैं। इस खोज से यह संभावना बढ़ी है कि प्रशांत महासागर के आसपास के दूसरे क्षेत्रों में भी इसी तरह के छिपे हुए सोने के भंडार मौजूद हो सकते हैं।

इधर लूटा...

चीन के कुल आयात में सोने की हिस्सेदारी करीब 8 प्रतिशत रही है। स्मृति चिप्स और कच्चे तेल के बाद यह तीसरा सबसे बड़ा आयात बन गया है। अकेले अक्टूबर महीने में ही चीन का सोना आयात सालाना आधार पर 174 प्रतिशत उछला। यह बढ़कर 155.9 टन (20.7 अरब डॉलर) रहा।

इसके साथ ही चीन के केंद्रीय बैंक ङ्गपीपुल्स बैंक ऑफ चाइनाफ (पीबीओसी) ने लगातार 24वें महीने सोने की खरीद जारी रखी। अक्टूबर में उसने 26 टन सोना जोड़ा। इससे चीन का आधिकारिक स्वर्ण भंडार 2,435 टन हो गया है। इसके अलावा चीनी गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में भी निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ी। इसके चलते कुल निवेश भंडार 310 टन के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है।

विशेषज्ञों का मानना है कि चीन की यह आक्रामक खरीदारी डॉलर पर निर्भरता कम करने की रणनीति का हिस्सा है। साथ ही इसे वैश्विक प्रतिबंधों और व्यापारिक तनावों से बचने की चीनी रणनीति के रूप में भी देखा जा रहा है।

तीसरी तिमाही में दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों ने भी कुल 321.2 टन सोना खरीदा है। यह 2024 की चौथी तिमाही के बाद सबसे ज्यादा है।

दिलचस्प यह है कि 209 अरब डॉलर के इस भारी सोना आयात ने चीन के व्यापार अधिशेष को भी संतुलित रखने में मदद की है। यदि सोने के आयात को हटा दिया जाए तो 10 महीनों में चीन का वस्तु व्यापार अधिशेष 1.25 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच जाता।

भारत के गोल्ड लोन बाजार पर दबाव

जनवरी में सोना अपने रिकॉर्ड ऊंचे स्तर पर था। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के सख्त रुख की आशंका के बीच तब से सोने की कीमतों में 30 प्रतिशत की गिरावट आई है। इसने भारत के वित्तीय क्षेत्र के लिए नई चुनौती खड़ी कर दी है। मोतीलाल ओसवाल की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत का गोल्ड लोन उद्योग पिछले पांच वर्षों में लगभग पांच गुना बढ़ गया है। यह बढ़कर 23 लाख करोड़ रुपये (247 अरब डॉलर) का हो गया है।

सोने के दाम टूटने से बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के पास गिरवी रखे सोने का मूल्य कम हो गया है। इससे कर्ज असुरक्षित होने और ऋण चूक बढ़ने का खतरा पैदा हो गया है।

इसके अलावा, ब्याज भुगतान टालने पर रोक लगाने वाले संशोधित नियमों ने भी कर्जदारों का दबाव बढ़ा दिया है।

आरबीआई ने जांच तेज की

हालात की गंभीरता को देखते हुए आरबीआई ने गोल्ड लोन क्षेत्र की गहन जांच शुरू कर दी है। आरबीआई यह सुनिश्चित कर रहा है कि बैंक और एनबीएफसी सोने के मूल्य के अधिकतम 85 प्रतिशत (ऋण-मूल्य अनुपात) तक ही कर्ज देने के नियम का उल्लंघन न करें।

सितंबर तिमाही के नतीजों में दबाव के शुरुआती संकेत दिखने भी लगे हैं। बजाज फाइनेंस के गोल्ड लोन पोर्टफोलियो में भुगतान संबंधी दबाव 1.87 प्रतिशत से बढ़कर 2.02 प्रतिशत हो गया है। वहीं, आईआईएफएल फाइनेंस का गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) अनुपात 0.6 प्रतिशत से बढ़कर 0.9 प्रतिशत पर पहुंच गया है। पीरामल फाइनेंस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जयराम श्रीधरन ने भी इसे उभरता हुआ जोखिम करार दिया है। हालांकि, बैंक ऋण में इसकी हिस्सेदारी 2.5 प्रतिशत होने से पूरे बैंकिंग तंत्र पर बड़े संकट की आशंका कम है।

महिला मोर्चा...

आप नेता ने कहा कि महिलाओं के अधिकारों की बात करना और मंचों से सशक्तिकरण के दावे करना आसान है, लेकिन उन्हें संगठन में नेतृत्व और निर्णय लेने का अधिकार देना ही वास्तविक सशक्तिकरण का पैमाना है।

भाजपा ने जारी की सूची

पंजाब भाजपा अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों की ओर से 28 नवंबर को जारी सूची के अनुसार एस. परमिंदर बरार को युवा मोर्चा, अनिल सरीन को महिला मोर्चा, जीवन गर्ग को किसान मोर्चा, रजनीश धीमन को अनुसूचित जाति मोर्चा, राजेश बघा को अन्य पिछड़ा वर्ग मोर्चा और राकेश राठौड़ को अल्पसंख्यक मोर्चा का प्रभारी नियुक्त किया गया है। हालांकि, भाजपा की ओर से इस मुद्दे पर अभी तक कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। विधानसभा चुनाव से पहले महिला नेतृत्व को लेकर छिड़ी यह बहस प्रदेश की राजनीति में नया विवाद खड़ा कर सकती है। आप ने इसे महिलाओं को नेतृत्व से दूर रखने की मानसिकता बताया है, जबकि भाजपा की प्रतिक्रिया आने के बाद यह मुद्दा और गरमा सकता है।

इतनी...

राहुल गांधी ने 850 सीटों के प्रस्ताव को समझाने के लिए खाली कैनवास का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि जब किसी कलाकार के सामने खाली कैनवास होता है, तो वह अपनी मर्जी से तस्वीर बना सकता है। इसी तरह, लोकसभा की सीटें बढ़ाकर 850 करने से निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाएं नए सिरे से तय करने की अधिक गुंजाइश मिलेगी।

उनके मुताबिक, मौजूदा 543 सीटों के भीतर भी परिसीमन किया जा सकता है, लेकिन सीटों की संख्या बढ़ने पर बदलाव का दायरा बहुत बड़ा हो जाएगा। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि इससे भाजपा को चुनाव से पहले ही फायदा मिल सकता है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि परिसीमन के जरिए भाजपा उन समुदायों का राजनीतिक प्रतिनिधित्व कमजोर कर सकती है, जो उसका विरोध करते हैं। उन्होंने कहा कि इससे विपक्ष के उन नेताओं को भी नुकसान पहुंच सकता है, जिनकी अपने निर्वाचन क्षेत्र में मजबूत पकड़ है।

राहुल गांधी ने कहा कि 850 सीटों का प्रस्ताव भाजपा को चुनावी नक्शे में बदलाव करने के लिए अधिक अवसर देगा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाएं अपने हिसाब से तय कर सकती है, जिससे चुनाव में विपक्ष की स्थिति कमजोर हो सकती है। उनके मुताबिक, यही इस प्रस्ताव को लेकर सबसे बड़ा सवाल है।

असम और जम्मू-कश्मीर का उदाहरण

राहुल गांधी ने असम और जम्मू-कश्मीर में हुए परिसीमन का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि वहां सीटों की सीमाएं भाजपा को फायदा पहुंचाने के लिए बदली गईं।

उन्होंने कहा कि असम में कुछ निर्वाचन क्षेत्रों की बनावट और जम्मू-कश्मीर में मतदाताओं को दूसरी सीटों में भेजने के फैसले पर सवाल उठते हैं। राहुल ने आशंका जताई कि यदि देशभर में ऐसा हुआ तो चुनावी नक्शा भाजपा के पक्ष में बदल सकता है।

आयोग की निष्पक्षता पर सवाल

राहुल गांधी ने परिसीमन आयोग की बनावट पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि आयोग में सरकार और मुख्य चुनाव आयुक्त की भूमिका से भाजपा का प्रभाव बढ़ सकता है। राहुल ने आरोप लगाया कि आयोग के फैसलों को अदालत में चुनौती देने की गुंजाइश भी सीमित है।

उन्होंने ज्ञानेश कुमार पर आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस उनके कामकाज से जुड़े तथ्य सामने लाएगी।

जातिगत जनगणना और सामाजिक न्याय

राहुल गांधी ने कहा कि परिसीमन में 2011 के बजाय 2027 की जनगणना और जातिगत जनगणना के आंकड़ों का इस्तेमाल होना चाहिए। उनके मुताबिक, नए आंकड़े शामिल नहीं किए गए तो अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), दलित और आदिवासी समुदायों की आबादी के अनुपात में उनका प्रतिनिधित्व नहीं बढ़ पाएगा। उन्होंने कहा कि इससे सामाजिक न्याय प्रभावित होगा।

महिला आरक्षण पर कांग्रेस की मांग

राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस महिला आरक्षण के पक्ष में है। महिला आरक्षण विधेयक पहले ही पारित हो चुका है, इसलिए इसे मौजूदा 543 सीटों पर लागू किया जा सकता है।

उन्होंने अन्य पिछड़ा वर्ग की महिलाओं के लिए उप-कोटा देने और परिसीमन आयोग में विपक्ष को शामिल करने की मांग की।

मतदाता सूची का मुद्दा भी उठाया

प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी ने मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों और वोट चोरी के आरोप भी दोहराए। उन्होंने बिहार में मतदाता सूची से नाम हटाने, असम में परिसीमन, कर्नाटक में कथित फर्जी मतदान और महाराष्ट्र में मतदाता सूची में बदलाव जैसे मुद्दे उठाए।

राहुल ने 2024 के लोकसभा चुनाव में करीब 14 करोड़ फर्जी या अयोग्य वोटों का दावा भी किया।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, रविवार, 29 नवंबर, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल का वार्षिक गेट-टुगेदर सम्पन्न

सेवा ही कर्म, धर्म, लक्ष्य और मार्ग के संकल्प के साथ मानव सेवा में जुटे सहयोगियों का सम्मान | 30 मेधावी विद्यार्थियों को भी किया प्रोत्साहित

हैदराबाद, 28 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सेवा ही कर्म, धर्म, लक्ष्य और मार्ग.. की अवधारणा को आत्मसात करते हुए बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल न केवल मानव सेवा ही माधव सेवा की उक्ति को चरितार्थ कर रहे हैं, बल्कि इस पुनीत कार्य में तन-मन से जुड़े सहयोगियों का सम्मान कर सेवा के क्षेत्र में नित नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं।

आबिड्स स्थित होटल रॉयल्टन में शुक्रवार शाम आयोजित वार्षिक गेट-टुगेदर कार्यक्रम में ट्रस्ट एवं सेवा दल ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। साथ ही, विभिन्न सेवा कार्यों में सहयोग देने वाली हस्तियों एवं सेवाभावी लोगों का परिचय कराते हुए उन्हें सम्मानित किया गया।



सेवाभावी हस्तियों का सम्मान

सेवा दल की सबसे वयोवृद्ध महिला सदस्य श्रीमती उर्मिला अग्रवाल, अग्रसेन बैंक के निदेशक एवं प्रमुख समाजसेवी श्री राजेश अग्रवाल, अग्रसेन बैंक के आंचलिक महाप्रबंधक श्री आनंद अग्रवाल, गोशामहल के निवर्तमान पार्षद श्री लाल सिंह, साधूराम आई हॉस्पिटल के डॉ. किशोर छाबरिया तथा महावीर विकलांग सहायता समिति के प्रमुख श्री प्रदीप जैन सहित विभिन्न शिविरों में चिकित्सीय सेवाएं प्रदान करने वाले चिकित्सकों, सहयोगी स्टाफ सदस्यों एवं शिविरों के प्रबंधन में योगदान देने वाले सेवाभावी सज्जनों को शॉल एवं स्मृतिचिह्न भेंटकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ महाराजा अग्रसेन जी एवं युगपुरुष श्री बदरीविशाल जी पित्ती की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात ट्रस्ट के चेयरमैन, प्रबंध न्यासी एवं सेवा दल के मार्गदर्शक श्री शरद बी. पित्ती, अग्रवाल सेवा दल के संयोजक श्री अजीत गुप्ता, श्री प्रदीप अग्रवाल, श्री सुरेन्द्र गोयल, श्री कैलाश केडिया, श्री दीपक गुप्ता, श्री निखिल रानेसरिया, श्री विनय सी. अग्रवाल एवं श्री सुधीर गुप्ता मंचासीन हुए।

मानव सेवा ही माधव सेवा का संकल्प

श्री अजीत गुप्ता के कुशल एवं शायराना अंदाज में संचालन के बीच ट्रस्ट के चेयरमैन श्री शरद बी. पित्ती ने सर्वप्रथम अपना परिचय देते हुए कहा कि सेवा उनके आनुवंशिक गुणों में शामिल है। उनके पूर्वजों ने सेवा का संदेश केवल शब्दों से नहीं, बल्कि अपने कर्मों से दिया है।

श्री शरद पित्ती ने संक्षिप्त रूप में ङ्घमानव सेवा ही माधव सेवाफ के लक्ष्य के तहत संचालित विभिन्न सेवा गतिविधियों का विवरण प्रस्तुत किया। इनमें मेगा मेडिकल कैंप, शैक्षणिक छात्रवृत्तियां, विकलांग सहायता, अनाथालय, वृद्धाश्रम, सरकारी स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं का विकास, निःशुल्क डायलिसिस सेवा, अपरिपक्व नवजात शिशुओं की देखभाल, निःशुल्क कृत्रिम अंग वितरण तथा बेसहारा विधवाओं के लिए संचालित सेवाएं शामिल हैं।

उन्होंने ट्रस्ट की ओर से संचालित विभिन्न सेवा परियोजनाओं के साथ-साथ कुछ महत्वाकांक्षी भावी योजनाओं पर भी प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के संचालक श्री अजीत गुप्ता ने अपने शायराना अंदाज से समारोह में समां बांध दिया और उपस्थित लोगों की खूब वाहवाही लूटी। कार्यक्रम में उपस्थित कुछ लोगों ने पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल की सेवाओं को सच्ची मानव सेवा बताते हुए अपने अनुभव साझा किए तथा संस्थाओं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की।

बत्तिनी गौड़ परिवार की निस्वार्थ सेवा आकर्षण का केंद्र

नुमाइश मैदान में मृगशिरा के अवसर पर मछली प्रसाद की निस्वार्थ सेवा प्रदान करने वाले संपूर्ण बत्तिनी गौड़ परिवार का स्वागत एवं सम्मान समारोह का विशेष आकर्षण रहा।

इस अवसर पर श्रीमती उर्मिला अग्रवाल, अग्रवाल समाज सहायता ट्रस्ट आत्म गौरव भवन के चेयरमैन श्री राजेश अग्रवाल, अग्रसेन बैंक के उप महाप्रबंधक (डीजीएम) श्री आनंद अग्रवाल, पूर्व पार्षद श्री लाल सिंह, श्री किशोर छाबरिया, श्री प्रदीप जैन, डॉ. विजय भास्कर, डॉ. मीता बजाज, डॉ. अखिल सुगंधी, डॉ. मीनल सुगंधी, डॉ. नवनीत राज, बत्तिनी गौड़ परिवार, रेनबो चिल्ड्रन्स हार्ट इंस्टीट्यूट, हैदराबाद जायसवाल सेवा समिति, अग्रवाल समाज दिलसुखनगर शाखा, अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा, सेंट्रल पीस एंड वेलफेयर कमेटी साउथ जोन, श्री रोशनलाल अग्रवाल फाउंडेशन ट्रस्ट, जोशी समाज हैदराबाद, पित्ती इंजीनियरिंग लिमिटेड, श्रीनिवास रेजिडेंट वेलफेयर सोसाइटी, श्री श्वेतांबर मूर्तिपूजक तीर्थ कोलनपाक, श्री राम नवमी स्वागत मंच, अग्रवाल समाज कृष्ण सखिया नाचाराम-मल्लापुर शाखा, हैदराबाद एंड सिकंदराबाद सैनिटरी डीलर्स एसोसिएशन, अग्र महिला मंच, अग्रणी महिला मंच, श्री अजय तुलस्यान, श्री विनोद अग्रवाल, श्री नवीन पटवारी, श्री गोविन्द अग्रवाल, श्रीमती नीना अग्रवाल, श्री दिनेश सिंह, श्री योगेश अग्रवाल, श्री प्रयाग चित्याल एवं श्री शंकरलाल यादव को सम्मानित किया गया।

इसके अतिरिक्त 30 मेधावी विद्यार्थियों को स्मृतिचिह्न भेंटकर सम्मानित एवं प्रोत्साहित किया गया।

गणमान्य लोगों की उपस्थिति

कार्यक्रम में श्री विनय सी. अग्रवाल, श्री कैलाशचंद केडिया, श्री प्रदीप अग्रवाल, श्री सुरेन्द्र गोयल, श्री सुधीर गुप्ता, श्री दीपक गुप्ता, श्री निखिल नरसरिया, श्री राजेश अग्रवाल, श्री पवन भुवानिया, श्रीमती सुमन भुवानिया सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कॉमेडियन यश महेश्वरी के खिलाफ जिडिमेटला पुलिस स्टेशन में शिकायत

बिहार की महिलाओं, बिहारी अस्मिता एवं छठ महापर्व पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों की निष्पक्ष जांच की मांग



हैदराबाद, 28 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। शनिवार को बिहार समाज सेवा संघ, हैदराबाद के प्रतिनिधिमंडल ने कॉमेडियन एवं यूट्यूबर यश महेश्वरी के खिलाफ जिडिमेटला पुलिस स्टेशन में आवेदन देकर उनके कार्यक्रम में बिहार की महिलाओं, बिहारी अस्मिता एवं छठ महापर्व से संबंधित कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों पर गंभीर चिंता व्यक्त की।

समाज के राष्ट्रीय चेयरमैन राजू ओझा ने कहा कि हैदराबाद में निवास करने वाले बिहार, उत्तर प्रदेश एवं अन्य उत्तर भारतीय सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि इस प्रकरण को लेकर अपनी आपत्ति दर्ज कराना चाहते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह विषय केवल बिहार या छठ पूजा तक सीमित नहीं है, बल्कि सनातन संस्कृति, धार्मिक आस्था, मातृशक्ति के सम्मान और भारत की सांस्कृतिक विरासत से जुड़ा है। राजू ओझा ने कहा कि छठ महापर्व सनातन परंपरा का एक महत्वपूर्ण पर्व है। यह सूर्य उपासना, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, मातृशक्ति की तपस्या, त्याग और पारिवारिक संस्कारों का प्रतीक है। ऐसे पवित्र पर्व, माताओं-बहनों की आस्था और सांस्कृतिक परंपराओं को हास्य के नाम पर आपत्तिजनक तरीके से प्रस्तुत करना अत्यंत चिंताजनक है।उन्होंने कहा कि इस पूरे प्रकरण में यह गंभीर सवाल उठता है कि क्या इस प्रकार के कार्यक्रमों एवं वक्तव्यों के माध्यम से जानबूझकर सनातन संस्कृति और उसकी परंपराओं को ठेस पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। इस मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। हालांकि, किसी भी प्रकार की सुनियोजित मंशा का निष्कर्ष जांच एवं उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर ही निकाला जाना चाहिए।

निष्पक्ष जांच एवं कानूनी कार्रवा-ई की मांग

प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस से निम्नलिखित मांगें कीं:

-संबंधित वीडियो एवं टिप्पणियों की निष्पक्ष और विस्तृत जांच की जाए।

-मूल वीडियो एवं डिजिटल साक्ष्यों को सुरक्षित रखा जाए।

-महिलाओं की गरिमा, धार्मिक आस्था एवं सांस्कृतिक परंपराओं से जुड़े विषयों की कानूनी समीक्षा की जाए।

-यदि जांच में अपराध प्रमाणित होता है, तो नियमानुसार उचित कानूनी कार्रवाई की जाए।

-भविष्य में किसी भी समुदाय, धर्म, राज्य या सांस्कृतिक परंपरा के अपमान को रोकने के लिए उचित कदम उठाए जाएं।

राष्ट्रीय एकता एवं सामाजिक समरसता का संदेश

राजू ओझा ने कहा कि संगठन किसी व्यक्ति विशेष के प्रति व्यक्तिगत द्वेष नहीं रखता और न ही किसी अन्य राज्य, भाषा या समुदाय के विरोध में है। उन्होंने स्पष्ट संदेश देते हुए कहा कि बिहारी अस्मिता का सम्मान, मातृशक्ति का सम्मान, छठ महापर्व का सम्मान और सनातन संस्कृति का सम्मानये सभी एक-दूसरे से जुड़े विषय हैं। उन्होंने देश के सभी नागरिकों से अपील की कि इस विषय को क्षेत्रीय विवाद का रूप न दें, कानून के दायरे में रहकर अपनी आवाज उठाएं तथा राष्ट्रीय एकता एवं सामाजिक समरसता बनाए रखें। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति का सम्मान, मातृशक्ति का सम्मान और राष्ट्रीय एकता ही संगठन का संकल्प है। ङ्घएक भारत, श्रेष्ठ भारतफ की भावना को मजबूत करना सभी की जिम्मेदारी है।

प्रतिनिधिमंडल में ये रहे उपस्थित

पुलिस स्टेशन में आवेदन देने के दौरान बिहार समाज सेवा संघ, हैदराबाद के अध्यक्ष मनिष तिवारी, वरिष्ठ सदस्य कुमार गौरव सिंह, टिंकू चौबे, जेपी सिंह, किशोर कुमार एवं अरविंद सिंह सहित बिहार मंच के वरिष्ठ पदाधिकारी अभिनाश कुमार आदि उपस्थित रहे।

एक दशक बाद हैदराबाद में पावरग्रिड का अंतर-क्षेत्रीय सांस्कृतिक सम्मेलन आह्लाद-2026 आयोजित

13 टीमों ने भारतीय सांस्कृतिक विरासत, प्रदर्शन कलाओं एवं पारंपरिक हस्तशिल्प का किया जीवंत प्रदर्शन

हैदराबाद, 28 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारत सरकार के अनुसूची एफ के महारत्न सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पावरग्रिड) ने 28 नवंबर को हैदराबाद के शिल्पकला वेदिका में अपने अंतर-क्षेत्रीय सांस्कृतिक सम्मेलन एवं हस्तशिल्प प्रदर्शनी आह्लादइ2026 का आयोजन किया। एक दशक बाद मोतियों के शहर हैदराबाद में लौटा यह भव्य आयोजन देशभर के कर्मचारियों, उनके परिवारों और समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं को एक मंच पर लेकर आया। देशभर में पावरग्रिड के विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाली 13 टीमों की सहभागिता के साथ यह कार्यक्रम भारत की विविध क्षेत्रीय विरासत, प्रदर्शन कलाओं और पारंपरिक शिल्प कौशल का जीवंत प्रदर्शन बना।



गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति

दक्षिणी क्षेत्र पारेषण प्रणाली-1 (एसआरटीएस-1) के कार्यपालक निदेशक श्री दमन यादव ने समारोह में उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों, प्रतिभागियों एवं अतिथियों का औपचारिक रूप से स्वागत किया।

इस अवसर पर पावरग्रिड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) श्री वामसी राम मोहन बुर्रा, निदेशक (कार्मिक) डॉ. यतींद्र द्विवेदी, निदेशक (प्रचालन) श्री नवीन श्रीवास्तव, निदेशक (वित्त) श्री अमोल बाबूलाल तावरी, निदेशक (परियोजनाएं) श्री अखिलेश पाठक तथा मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) श्री नवीन कुमार सहित सभी क्षेत्रों के कार्यपालक निदेशक एवं मानव संसाधन प्रमुख उपस्थित रहे।

सांस्कृतिक प्रतिभाओं को प्रोत्साहन

इस अवसर पर पावरग्रिड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री वामसी राम मोहन बुर्रा ने कहा, पावरग्रिड केवल इंजीनियरों और पेशेवरों का संगठन नहीं है, बल्कि यह कलाकारों, नवप्रवर्तकों और रचनाकारों का भी संगठन है। जहां एक ओर हमारी टीमें करोड़ों घरों को रोशन करने तथा विश्वस्तरीय पारेषण बुनियादी ढांचे को बनाए रखने के लिए असाधारण प्रतिबद्धता के साथ कार्य करती हैं, वहीं दूसरी ओर आह्लाद जैसे सांस्कृतिक मंच हमारी विविधता का उत्सव मनाते हैं, पारिवारिक संबंधों को मजबूत बनाते हैं और उन छिपी हुई प्रतिभाओं को निखारते हैं, जो पावरग्रिड को वास्तव में एक एकजुट परिवार बनाती हैं।

आपसी सौहार्द एवं कर्मचारी सहभागिता की भावना को रेखांकित करते हुए पावरग्रिड के निदेशक (कार्मिक) डॉ. यतींद्र द्विवेदी ने कहा, कर्मचारियों की वास्तविक सहभागिता कार्यस्थल की जिम्मेदारियों से परे होती है। यह अपनत्व की गहरी भावना में निहित है। आह्लाद के माध्यम से जब विभिन्न क्षेत्रों के सहकर्मी एक साथ आकर प्रदर्शन करते हैं, अपनी परंपराओं को साझा करते हैं और एक-दूसरे की संस्कृतियों का सम्मान करते हैं, तो इससे आपसी सहानुभूति बढ़ती है, टीम भावना मजबूत होती है तथा हमारी सामूहिक संगठनात्मक भावना और समृद्ध होती है।

देश को जोड़ने के साथ संस्कृतियों को भी जोड़ता है पावरग्रिड

पावरग्रिड (एसआरटीएसइ।) के कार्यपालक निदेशक श्री दमन यादव ने कहा, एक दशक बाद हैदराबाद में अंतर-क्षेत्रीय सांस्कृतिक सम्मेलन आह्लादइ2026 की मेजबानी करना दक्षिणी क्षेत्रइ। के लिए गर्व का क्षण है। जिस तरह पावरग्रिड अपने पारेषण नेटवर्क के माध्यम से पूरे देश को जोड़ता है, उसी तरह यह सांस्कृतिक उत्सव हमारे विभिन्न क्षेत्रों की जीवंत विरासत को एकजुट करता है और पूरे पावरग्रिड परिवार में सौहार्द, रचनात्मकता तथा साझा खुशी को बढ़ावा देता है।

राष्ट्र को ऊर्जा प्रदान करने के अपने मुख्य मिशन के साथ-साथ पावरग्रिड आह्लाद जैसी पहलों के माध्यम से अनेकता में एकता, कर्मचारी कल्याण और सांस्कृतिक संरक्षण को निरंतर प्रोत्साहित कर रहा है।

पारेषण नेटवर्क की उपलब्धियां

31 अक्टूबर, 2026 तक पावरग्रिड एवं उसकी सहायक कंपनियों की कुल पारेषण परिसंपत्तियों में 1,87,893 सर्किट किलोमीटर पारेषण लाइनें, 294 उपकेंद्र तथा 6,61,116 मेगावोल्ट-एम्पियर (एमवीए) की रूपांतरण क्षमता शामिल है। पावरग्रिड ने 99.61 प्रतिशत की औसत पारेषण प्रणाली उपलब्धता बनाए रखी है।

तेलंगाना में आईएएस अधिकारियों का फेरबदल

सरफराज अहमद को एमएयूडी सचिव की जिम्मेदारी

हैदराबाद, 28 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

। हैदराबाद महानगर विकास प्राधिकरण (एचएमडीए) के आयुक्त सरफराज अहमद का शनिवार को तबादला कर दिया गया। नियोपोलिस और मूसेपेट में भूमि नीलामी में खरीदार नहीं मिलने के बाद प्राधिकरण द्वारा नीलामी रद्द किए जाने के एक दिन बाद यह निर्णय लिया गया। उनके स्थान पर मुसी रिवरफ्रंट डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एमआरडीसीएल) के प्रबंध निदेशक ई.वी. नरसिम्हा रेड्डी को नियुक्त किया गया है। यह आईएएस अधिकारियों का मामूली फेरबदल है। सरफराज अहमद के तबादले का समय चर्चा में है, क्योंकि असफल नीलामी इन-वेस्ट तेलंगाना ग्लोबल समिट 2026 से एक सप्ताह पहले हुई। कुछ भूमि खंडों से जुड़े विवादों की आशंकाओं के बीच नीलामी विफल रही, जिससे विपक्ष को कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में हैदराबाद के रियल एस्टेट क्षेत्र को झटका लगने का दावा करने का अवसर मिला।



सरकार ने एचएमडीए द्वारा भूमि खंडों को लेकर संदेह दूर करने में विफल रहने पर गंभीर रुख अपनाया है।

सरफराज अहमद को मेट्रोपॉलिटन एरिया एंड अर्बन डेवलपमेंट (एचएमडीए क्षेत्र) का सचिव तथा ग्रेटर हैदराबाद, साइबराबाद और मलकाजगिरी की तीन नगर निगमों का विशेष अधिकारी नियुक्त किया गया है।

नरसिम्हा रेड्डी को एमआरडीसीएल के प्रबंध निदेशक पद का पूर्ण अतिरिक्त प्रभार (एफएसी) भी दिया गया है। इन्वेस्ट तेलंगाना, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बी. अजित रेड्डी (आईडीईएस) को हैदराबाद मेट्रो रेल लिमिटेड के प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है, जिससे सरफराज अहमद को इस अतिरिक्त जिम्मेदारी से मुक्त किया गया।

मायंक मित्तल, संयुक्त प्रबंध निदेशक, हैदराबाद मेट्रो वाटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड (एचएमडब्ल्यूएस एंड एसबी) को के. चंद्रकला के स्थान पर जीएचएमसी शमशाबाद जोनल आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

चंद्रकला को एचएमडीए में संयुक्त महानगर आयुक्त (कोर अर्बन रीजन, लैंड पूलिंग एवं मेट्रो रेल) नियुक्त किया गया है। उन्हें हैदराबाद ग्रोथ कॉरिडोर लिमिटेड के विशेष कलेक्टर (भूमि अधिग्रहण) का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है।

बेल्लमपल्ली, मंचेरियल जिले के उप-कलेक्टर ई.एस.एस.डी. मनोज का तबादला हैदराबाद मेट्रो रेल लिमिटेड के संयुक्त प्रबंध निदेशक पद पर किया गया है।

राज्य लेखा विभाग, वारंगल के क्षेत्रीय उपनिदेशक पी. रामू को शिक्षा विभाग में विशेष अधिकारी (परियोजनाएं) नियुक्त किया गया है। उन्होंने वी. श्रीनिवास रेड्डी का स्थान लिया है, जिन्हें अपने मूल विभाग में रिपोर्ट करने का निर्देश दिया गया है।

निस्वार्थ सेवा, समानता और समर्पण का भाव ही राधे-राधे ग्रुप की असली पहचान : राम प्रकाश अग्रवाल



हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में शुक्रवार को नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन के पिलर नंबर 1265-ए के पास नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान सेवा, समर्पण और मानवता के महत्व पर अपने विचार व्यक्त करते हुए ग्रुप के संयोजक राम प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप की पहचान किसी व्यक्ति विशेष, पद, प्रतिष्ठा अथवा व्यक्तिगत उपलब्धि से नहीं, बल्कि निस्वार्थ सेवा की भावना से है। यहां न कोई छोटा है, न कोई बड़ा, न किसी पद का महत्व है और न ही किसी प्रकार के भेदभाव का। सभी सदस्य एक परिवार की तरह मिलकर सेवा कार्य करते हैं। यही समानता, प्रेम और समर्पण की भावना ग्रुप की सबसे बड़ी ताकत है।

उन्होंने कहा कि सेवा का वास्तविक अर्थ केवल किसी जरूरतमंद को भोजन उपलब्ध कराना नहीं है, बल्कि उसके प्रति मन में सम्मान, प्रेम और आत्मीयता का भाव रखना भी है। जब कोई व्यक्ति बिना किसी स्वार्थ, अपेक्षा और दिखावे के किसी जरूरतमंद की सहायता करता है, तभी सेवा का वास्तविक उद्देश्य पूरा होता है। सेवा में न नाम की इच्छा होनी चाहिए, न सम्मान की अपेक्षा और न ही किसी प्रकार के प्रतिफल की कामना। सच्ची सेवा वही है, जो पूरी श्रद्धा और निर्मल भावना से की जाए। राम प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का उद्देश्य समाज में सेवा और सहयोग की ऐसी भावना विकसित करना है, जिसमें हर व्यक्ति अपनी क्षमता के अनुसार योगदान दे सके। किसी के पास समय है, किसी के पास संसाधन हैं और किसी के पास सेवा करने की प्रबल इच्छा है। जब ये सभी भावनाएं एक साथ जुड़ती हैं, तो समाज में सकारात्मक परिवर्तन की मजबूत नींव तैयार होती है। ग्रुप का प्रत्येक सदस्य इसी विचार के साथ आगे बढ़ रहा है कि मानव सेवा ही ईश्वर की सच्ची आराधना है।

उन्होंने आगे कहा कि अन्नदान भारतीय संस्कृति और हमारी सनातन परंपरा का एक अत्यंत पवित्र कार्य है। भूखे व्यक्ति को भोजन कराना केवल पुण्य अर्जित करना नहीं, बल्कि उसके जीवन में संतोष और प्रसन्नता लाने का माध्यम भी है। भोजन की आवश्यकता किसी जाति, धर्म, वर्ग अथवा आर्थिक स्थिति को देखकर नहीं होती, इसलिए अन्नसेवा में भी किसी प्रकार का भेदभाव नहीं होना चाहिए। सेवा का भाव सबके लिए समान होना चाहिए और यही भावना समाज को एक सूत्र में बांधने का कार्य करती है।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप में प्रत्येक सदस्य का योगदान महत्वपूर्ण है। कोई व्यक्ति सेवा के लिए अपना समय देता है, कोई तन-मन-धन से सहयोग करता है, तो कोई अपने परिवार और परिचितों को भी इस पुनीत कार्य से जोड़ता है। इन सभी के सामूहिक प्रयासों से ही नियमित अन्न-सेवा का कार्य निरंतर आगे बढ़ रहा है।

पुलिस पर हमले बर्दाश्त नहीं होंगे : डीजीपी सीवी आनंद

निजामाबाद में अपराध समीक्षा बैठक; ड्रग्स, गांजा एवं आपराधिक गिरोहों के खिलाफ अभियान तेज करने के निर्देश

निजामाबाद। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) सी.वी. आनंद ने चेतावनी दी है कि पुलिस कर्मियों पर हमला करने अथवा उन्हें कर्तव्य निर्वहन से रोकने की घटनाएं बर्दाश्त नहीं की जाएंगी।

उन्होंने अधिकारियों को ड्रग्स एवं गांजा नेटवर्क, उपद्रवी गिरोहों तथा अन्य आपराधिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई तेज करने के निर्देश देते हुए प्रभावी एवं दिखाई देने वाली पुलिसिंग पर जोर दिया।

शनिवार को निजामाबाद में डीजीपी की अध्यक्षता में आयोजित पुलिस समीक्षा बैठक में प्रस्तुत अपराध आंकड़ों के अनुसार, निजामाबाद पुलिस आयुक्तालय में मादक पदार्थों से संबंधित मामलों में 47 प्रतिशत वृद्धि हुई है।

आनंद ने कहा कि पुलिस कर्मियों के दुर्व्यवहार के मामलों में भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने नागरिकों से पुलिस अधिकारियों की किसी भी गलत गतिविधि की शिकायत बिना भय के करने की अपील की।

उन्होंने जिले की पुलिस द्वारा कानून-व्यवस्था बनाए रखने की



सराहना की, लेकिन जांच एवं अपराध रोकथाम में कमियों को दूर करने के निर्देश दिए।पुलिस प्रस्तुति के अनुसार, धोखाधड़ी एवं आपराधिक विश्वासघात के मामलों में 34 से 35 प्रतिशत वृद्धि हुई, जबकि सामान्य चोट से संबंधित मामलों में 18 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई। सड़क दुर्घटनाओं में भी 10 प्रतिशत वृद्धि हुई।

जांच में देरी पर चिंता व्यक्त करते हुए बताया गया कि वर्ष 2026 में दर्ज 54 प्रतिशत मामले अभी भी जांच के अधीन हैं।

निर्धारित 60 दिनों की समयसीमा के भीतर केवल 34 प्रतिशत मामलों में आरोपपत्र दाखिल किए गए। विभिन्न अदालतों में 15,092 मामले सुनवाई के लिए लंबित हैं।

डीजीपी ने अधिकारियों को जांच में तेजी लाने तथा समय पर आरोपपत्र दाखिल करने के निर्देश दिए, ताकि दोषसिद्धि दर में सुधार हो सके।

पांच पुलिस स्टेशन में 30 प्रतिशत अपराध

निजामाबाद आयुक्तालय में दर्ज कुल अपराधों में लगभग 30 प्रतिशत मामले पांच पुलिस स्टेशनों के अंतर्गत आते हैं।

आर्मूर में सर्वाधिक 607 मामले दर्ज किए गए। इसके बाद निजामाबाद ग्रामीण में 460, निजामाबाद टाउन-1 में 449, बोधन में 443 तथा निजामाबाद टाउन-4 में 410 मामले दर्ज हुए।

इन पांच पुलिस स्टेशनों के अंतर्गत दर्ज 1,393 मामले अभी जांच के अधीन हैं। निजामाबाद ग्रामीण में पिछले वर्ष की तुलना में अपराधों में 24 प्रतिशत वृद्धि होने का अनुमान है।

नशीले पदार्थों एवं वित्तीय धोखाधड़ी के मामलों में वृद्धि के बावजूद गंभीर अपराधों में 14 प्रतिशत कमी दर्ज की गई।

15 नवंबर, 2026 तक आयुक्तालय में 222 गंभीर अपराध दर्ज हुए, जबकि वर्ष 2025 में इनकी संख्या 294 थी।

हत्या के मामले 53 से घटकर 37 रह गए, जबकि महिलाओं से संबंधित दुष्कर्म के मामले पिछले वर्ष के 71 से घटकर 41 हो गए।

ग्राम समितियों को कानून हाथ में न लेने की चेतावनी

कानून-व्यवस्था की समीक्षा के दौरान आनंद ने जिले में सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए पुलिस की सराहना की।

तेल्लमपुर गांव की घटना का उल्लेख करते हुए उन्होंने ग्राम विकास समितियों को चेतावनी दी कि वे कानून अपने हाथ में न लें और गांव की सुरक्षा के नाम पर लोगों को परेशान न करें।उन्होंने बताया कि इस वर्ष कानून अपने हाथ में लेने वाले लोगों के खिलाफ 69 मामले दर्ज किए गए हैं।

डीजीपी ने कहा कि कभी माओवादी हिंसा से प्रभावित क्षेत्र अब विकास की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने आत्मसमर्पण कर चुके माओवादियों से मुख्यधारा में शामिल होने की अपील की।

आनंद ने बताया कि आगामी गोदावरी पुष्करालु के लिए अग्रिम सुरक्षा व्यवस्था की योजना बनाई जा रही है।

बंडारू दत्तात्रेय ने महात्मा ज्योतिराव फुले को पुष्पांजलि अर्पित की

हैदराबाद, 28 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। महात्मा ज्योतिराव फुले की 137वीं पुण्यतिथि के अवसर पर 28 नवंबर, 2026 को पूर्व राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय ने हैदराबाद के अंबरपेट स्थित महात्मा ज्योतिराव फुले की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश महासचिव श्री एन. गौतम राव, भाजपा ओबीसी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष श्री जी. आनंद गौड़, भाजपा हैदराबाद सेंट्रल जिला महासचिव श्री ई. अजय कुमार, जिला उपाध्यक्ष श्री कन्ने रमेश यादव, जिला उपाध्यक्ष श्री वनम रमेश, भाजपा ओबीसी मोर्चा जिला महासचिव श्री अचिनी रमेश तथा अन्य नेताओं ने भाग लिया। इस अवसर पर संबोधित करते हुए श्री बंडारू दत्तात्रेय ने महात्मा ज्योतिराव फुले की सेवाओं की सराहना की। उन्होंने फुले को एक महान व्यक्तित्व बताते हुए कहा कि उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन वंचितों एवं कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए संघर्ष करते हुए समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि फुले महान समाज सुधारक थे, जिन्होंने जातिगत भेदभाव एवं सामाजिक असमानताओं के खिलाफ आवाज उठाई और समाज में समानता केवल शिक्षा के माध्यम से ही संभव होने का संदेश दिया।



श्री दत्तात्रेय ने कहा कि महिला शिक्षा तथा समाज के उपेक्षित एवं वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए महात्मा ज्योतिराव फुले का योगदान इतिहास में सदैव अमर रहेगा। उन्होंने कहा कि फुले के आदर्श एवं विचार आज की पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

अग्रवाल समाज दोमलगुड़ा शाखा का दीपावली स्नेह मिलन एवं अन्नकूट आज

हैदराबाद, 28 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज, तेलंगाना की डोमलगुड़ा शाखा की ओर से दीपावली स्नेह मिलन एवं श्री अन्नकूट प्रसाद का आयोजन रविवार, 29 नवंबर को किया जाएगा।

शाखा के सचिव प्रतीक अग्रवाल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, नेकलेस रोड स्थित श्री हनुमान मंदिर (अंबेडकर प्रतिमा के सामने) में आयोजित कार्यक्रम में दोपहर 12:01 बजे भगवान की पूजा-अर्चना एवं प्रसाद का भोग लगाया जाएगा। इसके पश्चात उपस्थित सभी भक्तजन अन्नकूट प्रसाद ग्रहण कर सकेंगे। इस अवसर पर अग्रवाल समाज, तेलंगाना की केंद्रीय समिति के पदाधिकारी एवं अन्य गणमान्य अतिथि भी उपस्थित रहेंगे।

कार्यक्रम के प्रधान संयोजक योगेश अग्रवाल तथा संयोजक रितेश झुनझुनवाला, अजय डालमिया एवं दिनेश पंसारी के अनुसार, अग्रवाल समाज, तेलंगाना द्वारा हाल ही में संपन्न ए.एस.टी. सुपर सिंगर्स टैलेंट हंट के प्रमुख प्रतिभागी संदीप अग्रवाल अपने सहयोगी गायकों एवं संगीतकारों की टीम के साथ मधुर भजनों की प्रस्तुति देंगे। कार्यक्रम में शाखा के महिला प्रकोष्ठ अग्र महिला समिति, डोमलगुड़ा द्वारा सहयोग प्रदान किया जाएगा।शाखा के अध्यक्ष डॉ. दिलीप पंसारी ने समाज के सभी सदस्यों से सपरिवार कार्यक्रम में उपस्थित होकर दीपावली स्नेह मिलन एवं श्री अन्नकूट प्रसाद कार्यक्रम को सफल बनाने तथा भगवान का आशीर्वाद प्राप्त करने का आग्रह किया है।



काचीगुड़ा में पधारे जैन आचार्य प.पू. जिनमणिप्रसूरीश्वरजी म.सा. से आशीर्वाद प्राप्त करते हुए परेख फाउंडेशन की अध्यक्षा तारादेवी रतनचंद पारेख, कोमल पारेख, अजित पारस युवा संगठन के निदेशक नरेश पारेख, काचीगुड़ा जैन संघ के भारत शाह एवं रिद्धीश जागीरदार, विकास सोलंकी, विनोद सोलंकी, अवंती शांतिनाथ मंदिर, अवंतिनगर के उत्तम संकलेचा एवं अन्य।

भगवती बाई मॉन्टेसरी स्कूल में द नेचर्स बास्केट का भव्य आयोजन

फलों एवं सब्जियों के उत्सव में बच्चों ने खेल-खेल में सीखा पोषण, खरीद-बिक्री एवं स्वस्थ जीवनशैली का महत्व

हैदराबाद, 28 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भगवती बाई मॉन्टेसरी स्कूल में ङ्गलर्निंग बाय डूइंगफ (करके सीखने) की थीम के अंतर्गत ङ्गद नेचर्स बास्केट-फलों एवं सब्जियों का उत्सवफ बड़े उत्साह एवं उमंग के साथ आयोजित किया गया। स्कूल के कॉरस्पॉन्डेंट श्री शेष कुमार गोयल एवं प्रधानाचार्या तथा समिति की सीएओ श्रीमती आराधना मोदानी के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को विभिन्न प्रकार के फलों एवं सब्जियों के नाम, उनकी पहचान तथा उनके पोषण संबंधी महत्व से परिचित कराना था।

गतिविधि आधारित शिक्षण पर जोर

प्रधानाचार्या श्रीमती आराधना मोदानी ने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियों का उद्देश्य शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को सरल, प्रभावी एवं रुचिकर बनाना है। उन्होंने बताया कि भगवती बाई मॉन्टेसरी स्कूल की शिक्षण प्रणाली की विशेषता यह है कि पाठ्यक्रम आधारित शिक्षा के साथ गतिविधि आधारित शिक्षण को भी विशेष महत्व दिया जाता है, ताकि बच्चे खेल-खेल में एवं व्यावहारिक अनुभवों के माध्यम से सहजता से सीख सकें।

नन्हे-मुन्नों ने लगाई फल-सब्जियों की मंडी

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण पीपी-1 एवं पीपी-2 के नन्हे-मुन्ने बच्चों द्वारा लगाई गई फल एवं सब्जियों की मंडी रही। बच्चों ने स्वयं विक्रेता बनकर ताजे फल एवं सब्जियां बेचीं। इस गतिविधि के माध्यम से उन्होंने खेल-खेल में खरीद-बिक्री, व्यावहारिक ज्ञान तथा फल-सब्जियों के महत्व को समझा।

कार्यक्रम में फल एवं सब्जियों की नक्काशी प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें बच्चों एवं अभिभावकों ने मिलकर विभिन्न प्रकार की सुंदर एवं आकर्षक कलाकृतियां तैयार कीं। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार अव्यान जैन की माता श्रीमती दीपिका जैन, द्वितीय पुरस्कार पूर्वांशी गोयल की माता श्रीमती कृतिका गोयल तथा तृतीय पुरस्कार संयुक्त रूप से संचित अग्रवाल की माता श्रीमती सोनम अग्रवाल एवं जानवी मन्ना की माता श्रीमती साथी मन्ना को प्रदान किया गया। पुरस्कार कॉरस्पॉन्डेंट श्री शेष कुमार गोयल ने वितरित किए।



पौष्टिक आहार एवं स्वस्थ जीवनशैली की जानकारी

कॉरस्पॉन्डेंट श्री शेष कुमार गोयल ने बच्चों के उत्साह, प्रतिभा एवं कार्यक्रम में किए गए प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने शिक्षकों, बच्चों एवं अभिभावकों के सामूहिक प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह आयोजन बच्चों को किताबी ज्ञान के साथ व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने तथा स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक बनाने की दिशा में एक सार्थक पहल साबित हुआ।

कार्यक्रम के दौरान पीपी-1 एवं पीपी-2 के बच्चों ने विभिन्न फलों एवं सब्जियों में मौजूद पोषक तत्वों, उनके स्वास्थ्य संबंधी लाभों तथा संतुलित आहार में उनकी महत्ता के बारे में जानकारी दी। बच्चों ने प्रत्येक फल एवं सब्जी के गुणों को आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर अभिभावकों एवं बच्चों द्वारा विभिन्न प्रकार के पौष्टिक व्यंजनों तथा स्वास्थ्यवर्धक सलाद के स्टॉल भी लगाए गए।

साथ ही, फूड कंसल्टेंट ने सात दिनों के लिए सात अलग-अलग प्रकार के सलाद एवं पौष्टिक आहार का आहार चार्ट प्रस्तुत किया। निःशुल्क आहार परामर्श के माध्यम से बच्चों एवं अभिभावकों को संतुलित तथा पौष्टिक भोजन के महत्व की जानकारी दी गई।

रचनात्मक गतिविधियों ने बढ़ाया बच्चों का उत्साह

बच्चों की रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने के लिए फल एवं सब्जियों की छपाई तथा चित्रकारी जैसी रोचक गतिविधियां भी आयोजित की गईं। इन गतिविधियों में बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी कल्पनाशीलता एवं कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

समिति की अकादमिक निर्देशिका डॉ. सरोज जैन ने कार्यक्रम का अवलोकन करते हुए शिक्षकों, बच्चों एवं अभिभावकों की मेहनत, रचनात्मकता और सामूहिक सहयोग की सराहना की तथा सफल आयोजन के लिए सभी को बधाई दी।

इस अवसर पर समिति के निदेशकगण, अन्य विद्यालयों के प्रधानाचार्य, शिक्षकगण, स्टाफ सदस्य एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का कुशल संचालन श्रीमती बबीता गोयल ने किया।

विद्यालय के सभी शिक्षकों ने मात्र तीन दिनों के अल्प समय में आपसी सहयोग, समर्पण एवं मेहनत के साथ इस पूरे आयोजन की तैयारियां कर इसे सफलतापूर्वक संपन्न कराया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.